ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धर्मस्थल के खिलाफ दुष्प्रचार की निंदा करते हुए राज्य भर में विरोध प्रदर्शन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-224

प. बंगाल में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण से क्यों डर रही ममता?

एक करोड़ से ज्यादा फर्जी वोटर होने की आशंका

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बिदक रही हैं। बिहार के बाद चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में ही मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम करने वाला है। इसीलिए बंगाल में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पहले से ही विरोध प्रदर्शन का हथकंडा इस्तेमाल कर रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट विशाखापत्तनम के प्रोफसरों की टीम ने पश्चिम बंगाल की डेमोग्राफी (जनसंख्या) असंतुलन को लेकर जो शोध और सर्वे किया है, उसकी रिपोर्ट चौंकाने वाली है। उस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में एक करोड़ से अधिक फर्जी वोटर होने की आशंका है। इन फर्जी वोटरों में अधिकांश बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए हैं।

उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची की खास समीक्षा की। इसमें 65 लाख से ज्यादा फर्जी मतदाता पाए गए। इस खुलासे ने भारतीय लोकतंत्र में फर्जी वोटिंग और राजनीतिक संरक्षण के जरिए वोटरों की घुसपैठ की गंभीरता को उजागर कर दिया है। बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सामने आया कि 35 लाख मतदाता लापता हैं। यानि वे अपने पतों पर मिल नहीं रहे। संभव है कि वे हमेशा के लिए कहीं और चले गए। 22 लाख वोटर अब इस दुनिया में नहीं हैं यानि उनकी मौत हो चुकी है। 7 लाख वोटर एक से

ज्यादा जगहों पर नामांकित हैं और लगभग 1.2 लाख फॉर्म अभी लंबित हैं। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां खास तौर पर चुनाव आयोग के पुनरीक्षण अभियान का विरोध कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि आईआईएम

आईआईएम प्रोफेसरों के शोध और सर्वे में खुलासा

संस्थानों द्वारा बिहार में किए शोध के बाद यह पहले ही बता दिया गया था कि बिहार में 70 लाख से अधिक फर्जी वोटर हो सकते हैं।

चुनाव आयोग की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया अब सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रही। इससे देशभर में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियानों को भी नई ताकत मिली है। जैसे ही बिहार में फर्जी वोटरों की पहचान हुई, वैसे ही कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों को पहचानने, हिरासत में लेने और देश से बाहर भेजने की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही घोषणा कर रखी है कि वे बंगाल में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) लागू नहीं होने देंगी। उन्होंने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को हिरासत में लिए जाने का विरोध किया और उन्हें बंगाली प्रवासी बताया। इससे ममता बनर्जी की मंशा पूरी तरह उजागर हो चुकी है।

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक हलचल है। राज्य में एसआईआर कराया गया तो लाखों फर्जी मतदाता वोटर लिस्ट से हटाए जाएंगे। बांग्लादेश से अवैध रूप से आकर नकली दस्तावेजों के जरिए भारतीय पहचान बना चुके मतदाताओं के वोटर लिस्ट से हटाने की आशंका से ममता बनर्जी घबराई हुई हैं।

▶10 पर

मतदाता सूची पुनरीक्षण मतदाता हितैषी है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के चुनाव आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग की पुनरीक्षण प्रक्रिया को मतदाता हितैषी बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में मतदाताओं से मांगे गए दस्तावेजों की संख्या 11 है, जबकि मतदाता सूची के सारांश पुनरीक्षण में 7 दस्तावेजों पर विचार किया जाता था। यह दर्शाता है कि यह मतदाता हितैषी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए मतदाता के पास 11 दस्तावेजों का विकल्प है, जबकि पहले किए गए संक्षिप्त पुनरीक्षण में सात दस्तावेज मांगे गए थे, इससे यह साफ दिखता है कि प्रक्रिया मतदाताओं के लिए अनुकूल है। इससे पहले न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के चुनाव आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने ▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र वार्षिक सभा के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी ट्रंप से मिले तो मसला हल होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक सम्मेलन में शामिल होने न्यूयॉर्क जा सकते हैं। ऐसे में अभी से अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में आई गिरावट के बीच पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। ट्रंप के अलावा पीएम मोदी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सहित कई वैश्विक नेताओं के साथ भी उच्च स्तरीय बैठकें कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च-स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की सूची के हवाले से यह खबर आ रही है। यूएनजीए का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। उच्च-स्तरीय आम बहस 23 से 29 सितंबर तक चलेगी। इसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका का नंबर आएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। यह व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र को उनका

इस यात्रा से पहले रूस-यूक्रेन तनाव खत्म होने के आसार

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन और जेलेंस्की से बात की

पहला संबोधन होगा। महासभा के 80वें सत्र की उच्च-स्तरीय बहस के लिए वक्ताओं की प्रारंभिक सूची के हिसाब से भारत के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे। इज़राइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष भी उसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी ने इस साल फरवरी में वॉशिंगटन डीसी की यात्रा की थी। उस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। भारत और अमेरिका में व्यापार वार्ता चल ही रही थी कि ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसमें नई दिल्ली की ओर से रूस से तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। टैरिफ को भारत के विदेश मंत्रालय ने अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया था। भारत ने कहा, किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

▶10 पर

पाकिस्तान को शह देने की पुरानी गलतियां दोहरा रहा अमेरिका

बलूचिस्तान के लोगों को ट्रंप ने दिया झटका

वाशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

आतंकवाद को लेकर दोगली परिभाषाएं गढ़ने वाला अमेरिका पाकिस्तान को फिर से शह देकर अपनी पुरानी गलतियां दोहरा रहा है। अमेरिका इन गलतियों का खामियाजा अफगानिस्तान और पाकिस्तान में भुगत चुका है, लेकिन दूसरे सत्र में मानसिक संतुलन ठीक नहीं रख पा रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर से उन्हीं पुरानी गलतियों पर अमेरिका को ला रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवादी संगठन घोषित कर बलूचियों के साथ ठीक वैसा ही धोखा दिया है जैसा तालीबान के साथ दिया था।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और उससे जुड़ी मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित करने के पहले अमेरिका ने पाकिस्तान के तेल भंडार को विकसित करने का समझौता किया। बलूचिस्तान में पाकिस्तान का तेल और गैस भंडार है जिसका नए सिरे से दोहन करने की तैयारी है। बीएलए इस इलाके के आर्थिक शोषण का विरोध करता रहा है। अमेरिका ने 11 अगस्त को बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवादी घोषित किया

पं. नेहरू के ढीलेपन से पाकिस्तान को मिला बलूचिस्तान

विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने की। बलूच समूहों ने अमेरिकी आतंकवाद के टैग को खारिज करते हुए इसे आत्मनिर्णय की लड़ाई बताया है, क्योंकि ट्रंप के पाकिस्तान तेल समझौते से इस क्षेत्र में अमेरिका की और अधिक भागीदारी की आशंका बढ़ गई है, जो पहले से ही संसाधन दोहन और राजनीतिक अशांति से ग्रस्त है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त दंड के पहले दौर की घोषणा के कुछ ही घंटे बाद पाकिस्तान के तेल भंडार को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए इस्लामाबाद के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया।

दिलचस्प यह है कि ट्रंप ने कहा कि किसी दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेच सकता है।

कूटनीतिक जगत के जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर द्वारा की गई काफी मिन्नतों के बाद ट्रंप ने बीएलए को आतंकी संगठन घोषित किया। बलूचियों का कहना है कि अमेरिका के पैर पकड़कर पाकिस्तान ने यह घोषणा हासिल की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि बीएलए को आतंकवादी संगठन घोषित करने का निर्णय 2019 में शुरू हुए एक के बाद एक आतंकी ▶10 पर

बेहूदगी पर उतारू हुआ पाकिस्तान

भारतीय राजनयिकों को पानी और गैस सप्लाई रोकी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिकों के लिए पानी और गैस की आपूर्ति रोक दी है। भारत ने भी पड़ोसी को जैसे को तैसा जवाब दिया है। पाकिस्तान ने राजनयिकों को मिलने वाले अखबार पर भी पाबंदी लगाई है। इस पर भारत ने भी पाकिस्तानी राजनयिकों को समाचार पत्रों की आपूर्ति बंद करने का फैसला लिया हैपाकिस्तान ने फिर नापाक हरकत करते हुए इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के घरों में मिनरल वाटर, गैस और अखबार की आपूर्ति बंद कर दी है। स्थानीय गैस सिलिंडर के सप्लायरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलिंडर न बेचें। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। पाकिस्तानी अधिकारी भारतीय राजनयिकों की निगरानी भी करवा रहे हैं। इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के आवासों व दफ्तरों में अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आई हैं। इसे राजनयिकों और कर्मचारियों को डराने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तहत पाकिस्तान यह हरकतें कर रहा है। यह उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की साजिश का हिस्सा है। ▶10 पर

यासीन मलिक के ठिकानों पर छापा

सरला भट्ट बलात्कार एवं हत्याकांड की जांच तेज

श्रीनगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में 1990 में हुई कश्मीरी पंडित सरला भट्ट की नृशंस हत्या का मामला एक बार चर्चा में है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने इस मामले की जांच आगे बढ़ाई है। मंगलवार 12 अगस्त को श्रीनगर में एसआईए ने 8 जगह छापामारी की है। यह छापामारी जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के मुखिया यासीन मलिक और उसके साथियों के घरों पर की गई है।जेकेएलएफ ही 1990 में हुए कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का जिम्मेदार है। सरला भट्ट को भी इसी आतंकी संगठन ने अपहरण और गैंगरेप कर हत्या कर दी थी। इस घटना को 35 साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सरला भट्ट को न्याय नहीं मिला है। एसआईए को

मामले की जांच सौंपे जाने के बाद तेजी आई है। एसआईए को जांच में सरला भट्ट की हत्या से जुड़े काफी सबूत मिले, जिसके आधार पर एसआईए की आगे की कार्रवाई शुरू की गई। 27 साल की सरला भट्ट जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रहने वाली कश्मीरी पंडित थीं। उसका हिंदू होना ही गुनाह था। जब 1990 में घाटी में कश्मीरी पंडितों का जेहादियों ने नरसंहार किया, तब सरला भी उसका शिकार हुईं।

▶10 पर

डोभाल के बाद जयशंकर भी जाएंगे रूस

ट्रंप के दंभ को चुनौती दे रहे दो स्तंभ

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत और रूस के संबंधों में काफी करीबी देखी जा रही है। हाल ही में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस का दौरा किया था और मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ ही कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। अब खबर आई है कि भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर भी जल्द ही रूस के दौरे पर जाएंगे और वहां रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव से मुलाकात करेंगे।रूसी विदेश मंत्रालय के जरिए यह खबर सार्वजनिक हुई कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव के बीच 21 अगस्त को मॉस्को में बैठक होगी। इस बैठक में अंतरराष्ट्रीय ढांचे के अंतर्गत कई अहम मुद्दों पर सहयोग को लेकर चर्चा होगी। साथ ही दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर भी बातचीत होगी। इस वर्ष के अंत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत यात्रा पर आ सकते हैं। ऐसे में दोनों नेताओं की मुलाकात में पुतिन के दौरे की तैयारियों पर भी बात हो सकती है। विदेश मंत्री जयशंकर का रूस दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब भारत और अमेरिका के संबंधों में थोड़ी तल्खी आई है। ▶10 पर

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ने किया जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी का भव्य लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा आगामी 5 से 7 सितंबर को होने वाले जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी का भव्य लॉन्च चांसरी पवेलियन होटल, रेसिडेंसी रोड में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे विश्व में सोना और हीरे अपनी चमक के लिए प्रसिद्ध हैं, जबकि चांदी का भी शुभ कार्यों में अपना अलग महत्व है। उन्होंने बताया कि लगभग एक लाख स्क्वायर फीट क्षेत्र में आयोजित यह बी 2 सी एक्सपो संभवतः देश का पहला आयोजन होगा, जिसमें पूरे भारत से लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दर्ज कराई है। इसकी मार्केटिंग बड़े स्तर पर की जा रही है जिसमें प्रमुख समाचार पत्र, टीवी चैनल, रेडियो मिर्ची एफएम, माईगेट ऐप के साथ-साथ एयरपोर्ट, एम.जी. रोड और जयनगर पर एलईडी बोर्ड लगाए जाएंगे। 300 से अधिक वीआईपी मेहमानों को आमंत्रित किया गया है तथा अनुश्री को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया है। इस अवसर पर प्रतिभागियों के सुझाव एवं प्रश्नों का भी स्वागत किया गया।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने जीतो की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत में जीतो के 77 चैप्टर 9 जोन में कार्यरत हैं और 19,000 से अधिक सदस्य जुड़े हैं। विदेशों में 32 चैप्टर सक्रिय हैं। इसके पश्चात, गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में एक्सपो का औपचारिक लॉन्च किया गया। एक्सपो के को-कन्वेनर प्रवीण दक ने कहा कि यह मंच उन कलाकारों को समर्पित है, जिन्होंने अपनी कला से आभूषणों को अनुपम सुंदरता प्रदान की है। मार्केटिंग प्रभारी प्रीतेश जैन ने बताया कि इस एक्सपो का उद्देश्य प्रदर्शकों के ब्रांड और व्यवसाय को प्रोत्साहित करना तथा ग्राहकों के लिए एक ही छत के नीचे वन स्टॉप शॉप उपलब्ध कराना है।

कन्वेनर सुरेश गन्ना ने कहा कि हमारा सपना है कि किसी भी विवाह की सभी आवश्यकताएं एक ही स्थान पर पूरी हों। सोमेश बडेरा ने उत्साह व्यक्त करते हुए जीतो के कोविड कालीन सामाजिक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मदन मुणोत ने मुख्य अतिथि अविनाश गुप्ता का परिचय कराया। गुप्ता ने कहा कि जीतो के 77 प्लस 32 यानी कुल 109 चैप्टर एक माला के 108 मोतियों और एक गांठ की तरह जुड़े हुए हैं। पंकज बॉलर ने गेस्ट ऑफ हॉनर लक्ष्मी डायमंड के चेतन मेहता का परिचय दिया। मेहता ने चेयरमैन विमल कटारिया को शुभकामनाएं देते हुए सुरेश गन्ना को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद उपस्थितजनों से सुझाव लिए गए और प्रश्नों का समाधान किया गया। अंत में अशोक भंडारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ कमेटी के कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, विनोद नंदावत, नितेश गांधी, शेखर चाणोदिया, सतीश पोरवाड़ तथा मीडिया प्रभारी अरविंद टपरावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

श्री यंत्र दुनिया का सबसे शक्तिशाली यंत्र: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि श्री यंत्र जिसे दुनिया का सबसे शक्तिशाली यंत्र माना जाता है। श्री यंत्र को धन की देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है, इसलिए इसकी पूजा से धन, समृद्धि और आर्थिक स्थिरता मिलती है। श्री यंत्र का उपयोग ध्यान और आध्यात्मिक अभ्यास के लिए भी किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक उन्नति होती है। श्री यंत्र की पूजा से मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं और यह जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता ला सकता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि सर्व प्रकार की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली, धनकी देवी श्रीमहालक्ष्मी का अनुष्ठान करने से आर्थिक स्थिति में तीव्र गति से सुधार होता है। व्यापार में पूर्ण अभिवृद्धि होती है समस्त विघ्नों का नाश होकर परिवार में शांति का वातावरण निर्मित होता है। यदि आप अपने जीवन में सुख, शांति तथा समृद्धि की चाहना रखते हो तो इस पूजन में अवश्य भाग ले। इस पूजन के करने के बाद धन और ऐश्वर्य की कभी कभी नहीं होगी। अष्ट लक्ष्मी की प्राप्ति होगी। श्रीयंत्र को अपने घर में स्थापना करने से सर्व प्रकार का वास्तुदोष निवारण होता है, बालको में ज्ञान की अभिवृद्धि होती है। मनोबल मजबुत होता है। महेंद्र जैन ने बताया कि 16 अगस्त को श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन होगा। कालसर्प दोष निवारण पूजन के लाभार्थी भंवरलाल, प्रवीण कुमार जगदीश का संघ की ओर से अनिल कुमार, सुरेशकुमार, अंबालाल शाह ने सम्मान किया। महिलाओं का बहुमान भावना संघवी, पिंकी संघवी ने किया। बीजापुर से पधारे ईश्वर कुमार ओसवाल, मधु ओसवाल एवं बेंगलूरु से पधारे जितेंद्र नाहटा, प्रिया नाहटा का बहुमान किया गया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती का लाभ जितेन्द्र कुमार, रिषभ कुमार नाहटा ने लिया। मंगल दीपक और गुरुदेव की आरती का लाभ पुखराज ताराचंद परिवार ने लिया। 16 अगस्त को महालक्ष्मी महापूजन में मुख्य पिठिका का लाभ संघवी अनिल कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार ने लिया। साधर्मिक भक्ति का लाभ संघवी महावीर कुमार घेवरचंद बालगोत्र परिवार ने लिया।

परमात्मा की वाणी से ही आत्मा का कल्याण होगा: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में आयोजित मेरी भावना प्रवचन श्रृंखला के पाँचवें पद की व्याख्या करते हुए पूज्या साध्वी नंदिनी जी ने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की वाणी से ही आत्मा का कल्याण संभव है। परमात्मा की वाणी का श्रवण कर उसे आचरण में उतारना मानव जीवन को सार्थक बनाता है। प्रभु-वाणी पापों का नाश करती है और प्रभु के नाम के स्मरण मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप क्षय हो जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा जैसे रात्रि में एक छोटे से दीपक से अंधकार दूर हो जाता है, वैसे ही प्रभु के नाम स्मरण से जीवन के अंधकार और पाप दूर हो जाते हैं। पापों के बोझ को हल्का करना हो तो अरिहंत परमात्मा की वाणी का सहारा लें और उसे आचरण में उतारें। साध्वीश्री ने आगे कहा कि कर्म करते समय जागरूक रहना आवश्यक है, क्योंकि कर्म का भुगतान अवश्य करना पड़ता है और उसका फल कई गुना होकर मिलता है। यदि हम काँटे बोएँगे तो फूल नहीं, केवल काँटे ही मिलेंगे। मेरी भावना हमें सम्भलना सिखाती है और हमें ऐसा स्वभाव अपनाना चाहिए जिसमें हम सदैव समता भाव में रहें। जिसके जीवन में सम्यक भाव आ जाता है वही सच्चा शूरवीर कहलाता है। ज्ञाता-दृष्टा बनें, न किसी से राग रखें न द्वेष, और सभी के प्रति मैत्रीभाव रखें तभी हमारा जीवन आनंदमय बनेगा। सभा में साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन प्रस्तुत किया, साध्वी उपासना ने वीरांगना रानी सोहन की रोचक श्रृंखला को आगे बढ़ाया, और साध्वी निर्मला ने मांगलिक प्रदान किया। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

धन की कमाई के साथ धर्म की कमाई भी जरूरी: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि इतना अच्छा मानव भव मिला है तो धर्म ध्यान की कमाई कर लो। यह पल हाथ में हीरे जैसा है। ऐसे हीरे जैसे मानव भव को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। स्वस्थ शरीर मिला है तो तप त्याग करके पुण्य की कमाई कर लेनी चाहिए। दौलत काम नहीं आने वाला है। लेकिन धर्म की कमाई हर वक्त काम देगी। जो पाप और अनीति करके कमाता है, वह कभी सुखी नहीं रहता है। वैसी कमाई सुख नहीं देती है। परिश्रम की कमाई मनुष्य को सुख देती है। अन्याय से कमाओगे तो दस साल सब अच्छा होगा। लेकिन ग्यारहवां वर्ष आते ही मूल कमाई भी चली जाएगी। गुरुदेव ने कहा कि मुख्य कमाई धर्म की कमाई ही है। जब तक यह कमाई नहीं होगी सभी कमाई व्यर्थ है। इतना अच्छा मानव भव मिला है। शरीर स्वस्थ है तो मानव धन की कमाई में व्यस्त है। धन कामना जरूरी है क्योंकि संसार में इसी से काम होगा। लेकिन हर वक्त धन काम नहीं देगा। एक बार शरीर ने साथ छोड़ा तो धन भी काम नहीं आएगा। लेकिन धर्म मनुष्य को कभी नहीं छोड़ता हैं। मनुष्य को हमेशा सभी के साथ अच्छा बोलना चाहिए। ऐसा करने से किसी का कुछ बिगड़ता नहीं है। इसलिए सभी से अच्छा बोलना चाहिए। इस दुनिया में अगर आप भलाई कर लेंगे तो सारी दुनिया आपके सामने झुकेगीं। मीठा बोलने से किसी का कुछ भी नहीं जाता है। साधु संत या मानव हो सभी को अच्छा बोलना चाहिए। ऐसा कभी नहीं बोलना चाहिए जिससे किसी को तकलीफ हो। जीवन में किसी के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। सभी के साथ एक समान व्यवहार करना चाहिए। एक सामान व्यवहार करने से दूसरों के नजर में सम्मान बना रहता है। अगर व्यवहार सही नहीं होगा तो कोई पसंद नहीं करेगा। मानव भव मिला है तो धन की कमाई के साथ धर्म की कमाई भी कर लेना चाहिए। ऐसा करने वाले मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है। ऐसा नहीं किया तो यह अनमोल जीवन नर्क में बदल जाएगा। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को दोपहर के प्रवचन में पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी के संस्मरण एवं प्रेरणा से संग्रहित जिस पुस्तक का प्रकाशन हुआ है, का विमोचन किया जाएगा।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में कान सिंह राजपुरोहित की स्मृति में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित (कालापा) की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन रखा गया था। जिसमें जांच के दौरान 56 लोगों को चिकित्सकीय परामर्श के बाद चिन्हित कर आँखों के ऑपरेशन हेतु कोयम्बत्तूर स्थित अरविंद नेत्र अस्पताल भेजा गया। सभी मरीज आंखों का ऑपरेशन करवा कर पुनः बन्नूर पहुंचे। समाजसेवा महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि हमारे जीवन में आंखों का बहुत बड़ा महत्व है। आंखें हमें दुनिया को देखने और समझने की सामर्थ्य प्रदान करती हैं। वे हमें रंग, रूप, चीजों की दूरी और अन्य चीजों को देखने में सहायक हैं। हम आंखों की मदद से अपने परिवार, दोस्त, और दुनिया के साथी को भी देख सकते हैं, जो हमारे जीवन में खास होते हैं। आँखों की दृष्टि सही सलामत है, तो दुनिया में जीने का आनंद है। मरीजों ने प्रायोजक महेंद्र सिंह राजपुरोहित का आभार जताया। इस अवसर पर गवरी देवी, राजेश सिंह, संतोष कंवर, वन्या कंवर, विराट सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा के तहत बाइक रैली का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), बेंगलूरु मंडल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर में एक बाइक रैली का आयोजन किया। इस रैली को बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. श्रेयांस चिंचवड़े और अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंडल कार्यालय से शुरू होकर, रैली रेलवे क्वार्टर और बिन्नी मिल्स रोड से होते हुए केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर वापस लौटी। आरपीएफ बाइक सवारों ने गर्व से राष्ट्रीय गौरव, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाया। यह रैली राष्ट्र की सुरक्षा और उसके मूल्यों को बनाए रखने के प्रति रेलवे सुरक्षा बल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रत्नत्रयी की आराधना से ही आत्मा का कल्याण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म के तीन उपदेश, जिन्हें रत्नत्रयी भी कहा जाता है, सम्यक दर्शन (सही विश्वास), सम्यक ज्ञान (सही ज्ञान), और सम्यक चरित्र (सही आचरण) हैं। ये तीनों जैन धर्म के अनुयायियों के लिए मोक्ष प्राप्त करने के मार्ग में आवश्यक माने जाते हैं। प्रथम सम्यक दर्शन जिसका अर्थ है, सच्चे सिद्धांतों में विश्वास रखना, सच्चे देव, शास्त्र और गुणों में श्रद्धा रखना। यह जैन धर्म के मूल सिद्धांतों में विश्वास है। द्वितीय सम्यक ज्ञान जिसका अर्थ है, सही ज्ञान प्राप्त करना, जो वस्तुओं और परिस्थितियों को उनके यथार्थ रूप में समझता है। यह ज्ञान जैन धर्म के सिद्धांतों और दर्शन को समझने से प्राप्त होता है। तीसरा सम्यक चरित्र जिसका अर्थ है, सही आचरण करना, जो अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य जैसे व्रतों का पालन करके प्राप्त होता है। यह जैन धर्म के नैतिक नियमों का पालन है। इन तीनों रत्नों का पालन करके, जैन धर्म के अनुयायी अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं और मोक्ष की प्राप्ति के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं।

हमारे जीवन का लक्ष्य अरिहंत बनने का हो: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य हो कि हम भी अरिहंत बने। क्योंकि आत्मा ही परमात्मा बनती है। हम अपनी आत्मा से साक्षात्कार करें और अपने स्वरूप को पहचाने। हमारी आत्मा अनंत शक्तिमान है। हमने ही अपने कर्मों से इस पर आवरण लगा दिए हैं और लाचार बना के रखा है।

इससे पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि हमारा रसोई घर एक मंदिर के समान है। मंदिर में बनने वाला भोजन ही प्रसाद है, औषधि है। यही भोजन रस बन कर व्यक्तित्व का निर्माण करता है। सही रीति से किया गया भोजन भजन बन जाता है। भजन मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। हम भोजन बनाते वक्त मन को निर्मल सात्विक और निर्विकार रखें। भोजन बना कर शुद्ध भावना भावे। भोजन करते वक्त भी मन को शांत रखें। भोजन की प्रतिलेखना करें। टी वी, मोबाइल, समाचार पत्र न देखते हुए भोजन करें और मन में यह भावना रखें कि कोई अतिथि आ जाए तो उन्हें भी भोजन कराएं। कृषक के प्रति कृतज्ञता रखें। भगवान महावीर ने नयसार के भव में मुनि को शुद्ध आहार बहरा कर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर लिया था। भगवान महावीर की वाणी दुख में भी सुख का अहसास कराती है। क्योंकि प्रभु की वाणी में भेदभाव नहीं होता है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बसवनगुडी में महिला मंडल ने बड़े धूम धाम से सुहाग के लिए तीज उत्सव मनाया। यह उत्सव अपने पति की लंबी उम्र के लिए होता है। इस मौके पर नारी महिला मंडल की शारदा चौहान, दुर्गा, पूजा, सीमा, कंचन, संगीता, रिंकू, ज्योति, कोमल, शारदा भाटी, निकिता, सरोज आदि महिलाएं मौजूद रहीं।*

धर्मस्थल के खिलाफ दुष्प्रचार की निंदा करते हुए राज्य भर में विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल के विरुद्ध झूठा प्रचार करने का आरोप लगाते हुए जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। धर्मस्थल के विरुद्ध न केवल षड्यंत्र और झूठा प्रचार किया जा रहा है, बल्कि धर्म की उपस्थिति को भी बदनाम किया जा रहा है। रायचूर, बागलकोट, चामराजनगर, गदग, मैसूरु, कलबुर्गी, चिक्कमगलूरु, तुमकुरु, शिवमोग्गा, दावणगेरे, रामनगर सहित विभिन्न स्थानों पर ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। धर्मस्थल के पक्ष में नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि झूठा प्रचार करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। अन्यथा, संघर्ष और तीव्र किया जाएगा। धर्मस्थल के धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े के विरुद्ध झूठा प्रचार किया जा रहा है। कई लोग झूठे आरोप लगा रहे हैं जिससे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल को नुकसान पहुँच रहा है और भक्तों के मन को ठेस पहुँच रही है। गिरीश मथानवर, महेश तिमारोडी, समीर, जयंत और अन्य लोग झूठा प्रचार कर रहे हैं, इनके पीछे कौन है? प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि मामले की उचित जाँच की जाए। बेलगावी में, हजारों महिलाओं, किसानों और धर्मस्थल संघ के भक्तों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और शहर के चेन्नम वट्टा से जिला कलेक्टर कार्यालय तक मार्च निकाला और सरकार को एक याचिका सौंपी। भक्तों ने अपना रोष व्यक्त किया कि जमीन खोदकर धर्मस्थल को अपवित्र किया जा रहा है, जैसा कि किसी ने गुमनाम रूप से बताया। चिक्कमगलूरु में 2000 से ज्यादा भक्तों ने अपना रोष व्यक्त करने के लिए एक रैली निकाली और चेतावनी दी कि अगर धर्मस्थल को बदनाम करने की कोशिश कर रहे उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे उन्हें करारा सबक सिखाएँगे। शहर के तालुक कार्यालय से आजाद पार्क तक विरोध रैली के अलावा, भुवनेश्वरी वट्टा में भी अपना रोष व्यक्त करने के लिए एक मानव श्रृंखला बनाई गई। गदग कलबुर्गी में विभिन्न धार्मिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि धर्मस्थल स्थित मंजूनाथ स्वामी मंदिर और वीरेंद्र हेगड़े परिवार को कलंकित करने की साजिश रची जा रही है और हम इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। कोप्पल में जैन समुदाय और धर्मस्थल के श्रद्धालुओं ने महेश तिमारोडी और गिरीश मथान्नावर के खिलाफ अपना रोष व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। दावणगेरे-तुमकुरु में भी विरोध प्रदर्शन कर रहे श्रद्धालुओं ने चेतावनी दी कि वे धर्म की रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। वे 20 अगस्त को धर्मस्थल तक एक विशाल जुलूस निकालकर श्रद्धालुओं की शक्ति का प्रदर्शन भी करेंगे। उन्होंने मांग की है कि धर्मस्थल को अपवित्र करने का काम तुरंत बंद किया जाए।

सांसद ने मेंगलूरु को प्रमुख डिजिटल केंद्र बनाने के लिए अलग डेटा सेंटर एसईजेड की मांग की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से मेंगलूरु को एक प्रमुख 'डेटा सेंटर हब' में बदलने और एक अलग डेटा सेंटर विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है, जिससे शहर भारत के डिजिटल विकास में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सके।

नई दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सचिव एस कृष्णन के साथ एक बैठक के दौरान, सांसद ने मेंगलूरु की विशाल क्षमता, रणनीतिक लाभों और मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला।

उन्होंने शहर की भौगोलिक और अवसंरचनात्मक खूबियों कम भूकंपीय जोखिम, प्रचुर जल संसाधन और अंतरराष्ट्रीय पनडुब्बी इंटरनेट केबल मार्गों से निकटता की ओर इशारा किया, जो इसे केबल लैंडिंग स्टेशन के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के बुनियादी ढांचे से क्षेत्रीय इंटरनेट की गति बढ़ेगी और साथ ही भारत की डेटा क्षमता और सुरक्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कैप्टन चौटा ने इस बात पर जोर दिया कि बड़े पैमाने के डेटा केंद्रों को अब दुनिया भर में आवश्यक बुनियादी ढाँचा माना जाता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, वित्तीय प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का आधार हैं। उन्होंने कहा कि मेंगलूरु में भारत की क्षेत्रीय डेटा रीढ़ के रूप में उभरने की अपार संभावनाएँ हैं और उन्होंने एक समर्पित डीसीएसईजेड के निर्माण के माध्यम से निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए नीतिगत उपायों का आह्वान किया। भारत एआई मिशन के तहत, उन्होंने मेंगलूरु में कई एआई-संबंधित परियोजनाएँ लाने, स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान और पोषण के लिए एआई हैकथॉन आयोजित करने, शहर और उसके आसपास के क्षेत्र को एक आईटी और नव-ाचार केंद्र के रूप में विकसित करने, अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने, डेटा अवसंरचना क्षेत्र में विनिर्माण को बढ़ावा देने और न्यू मेंगलूरु बंदरगाह के माध्यम से निर्यात बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। कैप्टन चौटा ने इस बात पर जोर दिया कि मेंगलूरु को राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप एक रणनीतिक डिजिटल और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा बेंगलूरु जैसे आईटी शहरों से आगे बढ़कर, हमारा उद्देश्य यहाँ आईटी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देना, अपने क्षेत्र को एक सिलिकॉन बीच बनाना और मेंगलूरु को एक डेटा सेंटर हब बनाना है। मैंने इस बारे में अपना दीर्घकालिक दृष्टिकोण मंत्रालय के साथ साझा किया है और भारत एआई मिशन परियोजनाओं को हमारे शहर में लाने पर चर्चा की है।

कोप्पल के गवी सिद्दप्पा हत्याकांड का मामला विधानसभा में गूंजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोप्पल गवी सिद्दप्पा हत्याकांड को विधानसभा में उठाने वाले भाजपा सदस्यों ने बुधवार को इस बात पर रोष व्यक्त किया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने एक हिंदू कार्यकर्ता की हत्या को हल्के में लिया है। विधानसभा के शून्यकाल के दौरान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि वाल्मीकि समुदाय के एक हिंदू कार्यकर्ता गवी सिद्दप्पा नामक युवक की दूसरे समुदाय के सैयद नामक व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी, क्योंकि वह कथित तौर पर दूसरे धर्म की एक युवती से प्रेम करता था। हत्या से एक दिन पहले, सैयद ने इंस्टाग्राम पर कुल्हाड़ी पकड़े हुए पोस्ट किया था और कहा था कि अगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एहतियाती कदम उठाए होते तो हत्या टाली जा सकती थी। कोप्पल में हिंदू संगठनों द्वारा कोप्पल बंद का आह्वान करने के बाद, पुलिस ने तीन-चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गवी सिद्दप्पा के पिता निंगप्पा ने शिकायत दर्ज कराई थी। गवी सिद्दप्पा एक गरीब परिवार से हैं और राज्य सरकार को उनके परिवार के सदस्यों को 50 लाख रुपये का मुआवजा, दो

एकड़ जमीन और सरकारी नौकरी देनी चाहिए। यह सुहास शेट्टी की हत्या जैसी ही एक हत्या है और इसकी जाँच राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों का स्थानीय पुलिस पर से विश्वास उठ गया है। इस दौरान, कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज तंगदागी स्पष्टीकरण देने के लिए आगे आए। पार्टी विधायक राघवेंद्र हितनाल भी स्पष्टीकरण देने के लिए आगे आए। लेकिन भाजपा विधायकों ने उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण और भाजपा व जनता दल (एस) के सभी विधायक खड़े होकर अपना विरोध जताने लगे। उन्होंने नारे लगाए कि हत्या के तीन दिन बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और सरकार को अपने गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार पर शर्म आनी चाहिए। इस अवसर पर, मंत्री प्रियांक खड़गे, चेलुवरायस्वामी, एम.बी. पाटिल, लक्ष्मी हेब्बालकर और अन्य की विपक्षी दलों के सदस्यों के साथ बहस हुई। सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच शोरगुल के कारण यह सुनना असंभव था कि कौन क्या कह रहा है। अध्यक्ष यू.टी. खादर ने हस्तक्षेप किया और कहा कि स्थायी आदेश और अन्य नियमों में गंभीर मामलों पर चर्चा करने का प्रावधान है। शून्यकाल में चर्चा की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार है, तो वह आज या कल चर्चा का जवाब देगी। भाजपा के सुरेश कुमार, अरगा ज्ञानेंद्र और अन्य ने बीच में ही टोकते हुए पूछा कि अध्यक्ष सरकार होने पर संदेह क्यों व्यक्त कर रहे हैं। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मेरी कन्नड़ सही नहीं है, आपको समझना चाहिए। विपक्षी सदस्यों ने टोकते हुए कहा कि आपकी कन्नड़ सही है और यह राय भी सही है कि सरकार नहीं है।

बेंगलूरु मेट्रो: येलो लाइन के लिए चौथी ट्रेन के डिब्बे हेब्बागोडी डिपो पर पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के येलो लाइन बेड़े में एक और कोच जुड़ गया है। चौथी ट्रेन का एक कोच मंगलवार की रात को कोलकाता स्थित टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के कारखाने से बेंगलूरु के हेब्बागोडी डिपो पहुँच गया। बीएमआर-सीएल अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन के बाकी पाँच कोच अभी रास्ते में हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया तीन कोच अभी शहर के बाहरी इलाके में विभिन्न स्थानों पर हैं और रात डिपो पहुँच सकते हैं, जबकि दो अन्य आंध्र प्रदेश में हैं और 14 अगस्त की रात तक डिपो पहुँचने की उम्मीद है। डिपो में सभी कोचों के असेंबल हो जाने के बाद, उन्हें व्यावसायिक सेवा में लाने से पहले 20 दिनों तक परीक्षण से गुजरना होगा। अधिकारी ने आगे कहा ट्रेन सेट को विभिन्न प्रकार के परीक्षणों से गुजरना होगा, जिसमें सिग्नलिंग, दूरसंचार और बिजली आपूर्ति नेटवर्क के साथ सिस्टम एकीकरण शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 अगस्त को उद्घाटन की गई येलो लाइन का व्यावसायिक संचालन 11 अगस्त को केवल तीन ट्रेनों के साथ शुरू हुआ। सीमित बेड़े के कारण व्यस्त समय में प्रतीक्षा अवधि 25 मिनट से अधिक हो जाती है, जिससे भीड़भाड़ बढ़

जाती है। नए ट्रेनसेट से आवृत्ति में सुधार होने की उम्मीद है, हालाँकि बीएमआ-रसीएल को इष्टतम सेवा स्तर प्राप्त करने के लिए और अधिक सेटों की आवश्यकता होगी। इस कॉरिडोर की ट्रेनें संचार-आधारित ट्रेन नियंत्रण (सीबीटीसी) तकनीक से लैस हैं, जो नम्मा मेट्रो के लिए पहली बार चालक रहित संचालन को सक्षम बनाती हैं। सीबीटीसी को ट्रेनों के बीच के अंतराल को वर्तमान 150 सेकंड से घटाकर 90 सेकंड तक करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालाँकि, शुरुआती दौर में, ट्रेनों को मैन्युअल रूप से संचालित करने के लिए प्रशिक्षित लोकोमोटिव पायलटों को तैनात किया जा रहा है। आर.वी. रोड को बोम्मासंद्रा से जोड़ने वाली 18.82 किलोमीटर लंबी येलो लाइन, नम्मा मेट्रो नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त है, जो दक्षिणी इलाकों और इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी को बेंगलूरु के शेष मेट्रो नेटवर्क से जोड़ती है। हालांकि इस लाइन का निर्माण कार्य लगभग एक साल पहले पूरा हो गया था, लेकिन चालक रहित ट्रेनसेट की खरीद में रुकावटों के कारण इसके चालू होने में देरी हुई। 2019 में, चीनी रोलिंग स्टॉक निर्माता सीआरआरसी को 216 कोचों की आपूर्ति के लिए 1,578 करोड़ का अनुबंध इस शर्त पर दिया गया था कि वह भारत में एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित करे। सीआरआरसी इस आवश्यकता को पूरा करने में विफल रही, जिसके कारण बीएमआरसीएल को कई नोटिस जारी करने पड़े और 372 करोड़ की बैंक गारंटी वापस लेने पर विचार करना पड़ा। स्थिति को सुधारने के लिए, सीआरआरसी ने कोलकाता स्थित टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की, जिससे उत्पादन शुरू हो सका। इस व्यवस्था के बावजूद, आपूर्ति समय में लगातार देरी हो रही है, जिससे बीएमआरसीएल को न्यूनतम बेड़े के साथ येलो लाइन को खोलना पड़ा। येलो लाइन के शुभारंभ के एक दिन बाद, 11 अगस्त को, नम्मा मेट्रो ने अपनी अब तक की सबसे अधिक एकल-दिवसीय सवारियाँ हासिल कीं। बीएमआरसीएल के आंकड़ों के अनुसार, तीनों चालू लाइनों पर कुल 10,48,031 यात्रियों ने यात्रा की। पर्पल लाइन (लाइन 1) पर 4,51,816 यात्रियों ने यात्रा की, ग्रीन लाइन (लाइन 2) पर 2,91,677 यात्रियों ने यात्रा की, और नव-उद्घाटित येलो लाइन (लाइन 3) पर वाणिज्यिक सेवा के पहले दिन 52,215 यात्रियों ने यात्रा की। इंटरचेंज स्टेशनों पर 2,52,323 अतिरिक्त यात्रियों ने यात्रा की।

बीएमआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछला रिकॉर्ड 4 जून को बना था, जब केवल पर्पल और ग्रीन लाइनें, जिनकी लंबाई 76.95 किलोमीटर थी, चालू थीं और 9,66,732 लोगों ने मेट्रो से यात्रा की थी।

डेढ़ महीने के भीतर वितरित किए जाएंगे बी-खाते: मंत्री प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने विधानसभा में बताया कि अगले डेढ़ महीने में ई एसेट सॉफ्टवेयर के माध्यम से फॉर्म 11बी खाते जारी करने के लिए कदम उठाए जाएँगे। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा से निष्कासित विधायक बसन गौड़ा आर. पाटिल यतनाल के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने कहा कि कर्नाटक ग्राम स्वराज एवं पंचायत राज संशोधन विधेयक पर 29 आपत्तियाँ प्राप्त हुई हैं, जिनकी जाँच की जाएगी और अगले 15 दिनों में नियम बनाए जाएँगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में फॉर्म 11, बी खाते जारी नहीं किए जा रहे हैं। पिछले दो वर्षों में 1237 करोड़ रुपये का कर संग्रह किया गया है। यह देश में राज्य ग्रामीण विकास विभाग द्वारा एकत्रित किया गया सबसे अधिक कर है। उन्होंने कहा कि इस कर राशि का उपयोग पंचायतों के विकास के लिए किया जाएगा। ई एसेट समस्याओं के सुधार के लिए एक समिति का गठन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि दिशांका ऐप की कमियाँ ध्यान में लाई जाती हैं, तो उन्हें ठीक किया जाएगा। राज्य की सभी पंचायतों में माइक्रोग्रिड की अवधारणा लागू की जाएगी और बिजली खरीदी जाएगी। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में इस अभिनव माइक्रोग्रिड परियोजना के लिए निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत, बिजली का उपयोग स्ट्रीट

लाइट और पंचायत कार्यालयों के लिए किया जाएगा और शेष बिजली ग्रिड को सौंप दी जाएगी। भाजपा विधायक ऐहोल दुर्योधन महालिंगप्पा के एक प्रश्न के उत्तर में, खड़गे ने कहा कि ग्राम पंचायत सीमा में नियमित संपत्तियों के लिए निर्धारित प्रपत्र 9 और 11ए जारी किए जा रहे हैं, जबकि अनियमित संपत्तियों के लिए पंचायत विकास अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से प्रपत्र 11बी जारी किया जा रहा है। विधायकों के विवेकानुसार, नियमों को सरल बनाया जाएगा और ग्रामीण सड़कों की मरम्मत और विकास के लिए अनुदान दिया जाएगा। विधायक जगदीश शिवय्या गुडागुंती के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि विधायकों के विवेकानुसार 15 से 18 किलोमीटर सड़कों का विकास किया जाएगा। यदि स्कूल जाने के लिए सड़क नहीं है, तो सड़क की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने धनराशि उपलब्ध कराने का वादा किया है और इस संबंध में जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के तहत राज्य भर में सड़क विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। जामखंडी विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2024-25 में भारी बारिश और बाढ़ के कारण 518.10 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। इन सड़कों की मरम्मत के लिए 518.10 लाख रुपये और 12 पुलों की मरम्मत के लिए 17 लाख रुपये की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स की मंजूरी के बिना तीन-चार जिलों में बोरवेल खोदे गए हैं और अगर मुख्यमंत्री अनुमति देते हैं, तो उनके भुगतान के लिए कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले बोलते हुए, जगदीश शिवय्या गुडागुंती ने कहा कि हमारे निर्वाचन क्षेत्र की सड़कें जर्जर अवस्था में हैं और वाहन नहीं चल रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए बोरियों में भरकर ले जाया जा रहा है। लोग उन्हें कोस रहे हैं। कृषि और बागवानी उत्पादों को ले जाने के लिए कोई उचित सड़क नहीं है। उन्होंने 10 करोड़ रुपये के अनुदान की मांग की।

बेंगलूरु सहित राज्य में अगले एक सप्ताह तक बारिश जारी रहेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मौसम विभाग ने कहा है कि राजधानी बेंगलूरु समेत कई जिलों में बारिश जारी है और अगले एक हफ्ते तक जारी रहने की संभावना है। बेंगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, दावणगेरे, रायचूर, धारवाड़, हुब्बल्ली, हासन, चिक्कमगलूरु और अन्य जिलों में बारिश हो रही है और अगले एक हफ्ते तक जारी रहने की संभावना है। इस संदर्भ में, तटीय क्षेत्रों को छोड़कर सभी जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। धारवाड़ जिले में भारी बारिश हो रही है और नवलगुंड में एक मकान ढह गया है, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक नाले के किनारे स्थित मकान ढह गया है। परिवार बेघर हो गया है और आश्रय के लिए संघर्ष कर रहा है। मौसम विभाग के सूत्रों ने बताया कि अगले एक हफ्ते तक बेंगलूरु में गरज के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। रायचूर जिले में भारी बारिश हो रही है और नदियाँ उफान पर हैं। तेज बहाव वाली धारा पार करने गया एक किसान अपनी बैलगाड़ी समेत बह गया। शुक्र है कि किसान और एक बैल तैरकर किनारे तक पहुँच गए, लेकिन एक और बैल और चार मेढ़े बह गए। मस्की शहर में हिरेहल्ला नदी का पानी तेजी से बह रहा था। फिर भी, एक किसान ने धारा पार करने की कोशिश की, लेकिन तेज पानी में बह गया। वह एक पेड़ की टहनी पकड़कर किसी तरह किनारे तक पहुँच गया और अपनी जान बचाई।

बाल विवाह रोकने के लिए अक्का फोर्स की होगी स्थापना: मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी आर. हेब्बालकर ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि बाल विवाह रोकने के लिए 15 अगस्त से अक्का फोर्स की शुरुआत की जाएगी। प्रश्नकाल के दौरान जेडीएस विधायक दल के नेता सी.बी. सुरेश बाबू के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को मैसूरु, बेलगावी और मेंगलूरु में अक्का फोर्स की शुरुआत की जाएगी। इसमें महिला पुलिसकर्मी और वरिष्ठ एनसीसी कैडर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम अपने विभाग से वाहन उपलब्ध कराएँगे। ये वाहन कॉलेजों में जाकर कॉलेज छोड़ने वाले बच्चों की जानकारी जुटाएँगे। इसका उद्देश्य बाल विवाह को कम करना है। बाल विवाह को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए दस विभागों की एक समिति बनाई गई है। यह एक सामाजिक अभिशाप है और इसे जड़ से मिटाना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए वे बाल विवाह रोकथाम संशोधन विधेयक ला रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 2022-23 में बाल गर्भावस्था के 405, 2023-24 में 709 और 2024-25 में 685 मामले सरकार के संज्ञान में आए हैं। प्रत्येक जिले में एक बाल संरक्षण समिति होगी। इसी जानकारी के अनुसार, इतनी संख्या में बाल गर्भावस्था के मामले सामने आए हैं। विधायक ने कहा कि राज्य में 26 हजार बाल गर्भावस्था के मामले हैं, जो गलत जानकारी है। सोशल मीडिया पर भी अंकुश लगाया जाना चाहिए। कुछ समुदाय बाल विवाह कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम उस पर भी अंकुश लगा रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन काम करेगी। उन्होंने कहा कि संकटग्रस्त या पीड़ित बच्चों की सुरक्षा की जाएगी, चाहे वे किसी भी समय कॉल करें। राज्य में 26 हजार बाल गर्भावस्था की जानकारी है। 4 महीनों में 900 से अधिक लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ है। स्वास्थ्य, पुलिस, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से इसे नियंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हाई स्कूल स्तर पर यौन शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की नियुक्ति, स्थानांतरण/पदस्थापना करेगी। विधायक किरण कुमार कोडगी के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि इसमें सरकार या मंत्री का कोई हस्तक्षेप नहीं है। हमने पहाड़ी जिलों में स्थानांतरण संबंधी नियमों में ढील दी है। उडुपी जिले में 52 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई है। आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किए जा रहे हैं। विद्या गोविंदा पुजारी को मानदेय के आधार पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति के अगले ही दिन उनकी नियुक्ति की जा सकती है। हस्तक्षेप करते हुए विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि यदि नियुक्ति दिशानिर्देशों के अनुसार नहीं की जाती है, तो वे लिखित रूप से मंत्री के संज्ञान में लाएंगे और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

बेंगलूरु में रात भर हुई बारिश से जलमग्न हुए जंक्शन, अधिकारी अपने वाहनों में फंसे रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में बुधवार की सुबह ऑफिस जाने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि रात और सुबह की बारिश के कारण बेंगलूरु के प्रमुख चौराहों पर जलभराव हो गया, जिससे कई इलाकों में वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी), हेब्बल जंक्शन, नागवारा, बल्लारी रोड, कोरमंगला और तावरेकेरे के कुछ हिस्सों में भीषण यातायात जाम की सूचना मिली। कई जगहों पर तैनात यातायात कर्मियों को जलभराव वाले हिस्सों को साफ करते देखा गया। शहर के दक्षिणी हिस्से में इंटरमीडिएट रिंग रोड, खासकर कोरमंगला, ओल्ड मद्रास रोड (ओएमआर) और सेंट जॉन्स जंक्शन (सरजापुर और मराठाहल्ली सड़कों को जोड़ने वाले) के पास, जाम की स्थिति रही जिससे इन प्रमुख सड़कों को जोड़ने वाली गलियों में वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर भर में आठ पेड़ उखड़ गए और कम से कम 16 जगहों पर पेड़ों की टहनियाँ टूटने की घटनाएँ हुईं। पेड़ों को हटाने का काम अभी जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शहर में दिन भर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने तथा 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है।

धर्मस्थल मामला: एसआईटी को आज 13वें स्थान की जीपीआर रिपोर्ट मिलेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल स्नान घाट के पास एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा चिन्हित 13वें स्थान पर जीपीआर का उपयोग करते हुए तलाशी अभियान पूरा हो गया है और टीम गुरुवार तक एसआईटी को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। एसआईटी इस टीम द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर खुदाई शुरू करेगी। सोमवार को दिल्ली से मेंगलूरु पहुँची जीपीआर टीम ने उसी दिन 13वें स्थान पर एक प्रायोगिक निरीक्षण किया। उस स्थान पर लगे पेड़ों को हटाया गया और मंगलवार को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बताए गए क्षेत्र का हर इंच निरीक्षण किया गया। इस बीच, एसआईटी ने 13वें स्थान पर खुदाई शुरू कर दी है और 10 फीट चौड़ा और 10 फीट गहरा गड्ढा खोदा है, लेकिन कंकाल का कोई निशान नहीं मिला है। एसआईटी उसका पोस्टमार्टम कराने पर विचार कर रही है क्योंकि अब तक खुदाई किए गए 16 स्थानों पर कोई महत्वपूर्ण सबूत नहीं मिला है। छठे स्थान पर केवल कुछ हड्डियाँ मिलीं, और अन्य किसी भी स्थान पर कोई महत्वपूर्ण निशान नहीं मिले। एसआईटी ने शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए स्थानों पर खुदाई की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए, एसआईटी शिकायतकर्ता की शारीरिक जाँच कराने का निर्णय ले रही है।

राजन्ना के जाने से खाली हुए सहकारिता मंत्री पद के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू

डी.के. सुरेश दौड़ में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

के.एन. राजन्ना के मंत्रिमंडल से बाहर होने के बाद खाली हुए सहकारिता विभाग को लेकर कांग्रेस में भारी खींचतान चल रही है। राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया है, जबकि एपेक्स बैंक और केएमएफ अध्यक्ष पदों के लिए चुनाव लंबित हैं। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश, जो उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाई भी हैं, केएमएफ अध्यक्ष पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। इसके अलावा, मलूर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के.वाई. नंजेगौड़ा, वर्तमान केएमएफ अध्यक्ष भीमा नायक और विधायक राघवेंद्र हितनाल सहित कई लोग भी इस पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। मंत्री सतीश जारकीहोली का गुट मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी राघवेंद्र हितनाल को केएमएफ अध्यक्ष बनाने की कोशिश कर रहा था। राजन्ना अप्रत्यक्ष रूप से इसका समर्थन कर रहे थे। इस समय, मतदाता सूची में अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बयान देने के बाद राजन्ना मंत्रिमंडल से अपनी जगह खो चुके हैं। एक गुट मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर दबाव बना रहा है कि वे खाली किए गए सहकारिता विभाग को योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर को सौंप दें।

लेकिन मंत्री सतीश जारकीहोली इस बात पर अड़े हैं कि यह विभाग उन्हें दिया जाए। सहकारिता विभाग मुख्यमंत्री के पास ही रखा जाए या उन्हें दिया जाए, अन्यथा गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर को दिया जाए। सहकारिता विभाग वर्तमान में बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल रहा है। यशस्विनी योजना सहकारी क्षेत्र में सदस्यों की नियुक्ति सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। केएमएफ और शीर्ष अध्यक्ष पद कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठित हैं। कांग्रेस के प्रभावशाली लोग और प्रभावशाली लोगों के परिवार के सदस्य इन पदों को पाने के लिए पैरवी कर रहे हैं। राजन्ना के जाने से डी.के. शिवकुमार का गुट राहत की सांस ले रहा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इन सभी पदों के लिए अपने मनचाहे लोगों को चुनना उनके लिए आसान होगा। राजन्ना को मंत्रिमंडल से हटाने के बाद अंतर्मुखी हो चुके मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपने ही गणित में लगे हुए हैं। इस स्तर पर इस बात को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है कि सहकारिता विभाग किसे मिलेगा।

दिनेश गूलीगौड़ा गारंटी कार्यान्वयन समिति के राज्य उपाध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने विधान परिषद के विधायक दिनेश गूलीगौड़ा को गारंटी कार्यान्वयन समिति का राज्य उपाध्यक्ष नियुक्त करने का आदेश जारी किया है।

दिनेश गूलीगौड़ा वर्तमान में मांड्या स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं।

वे इससे पहले एक दशक से भी अधिक समय तक केपीसीसी मीडिया विभाग के प्रमुख और केपीसीसी मीडिया इकाई के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे हैं।

दक्षिण कन्नड़ में लेटराइट खनन के लिए नए नियम जल्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार दक्षिण कन्नड़ और अन्य तटीय जिलों में कानून के अनुसार लेटराइट पत्थर खनन की अनुमति देने के लिए नए नियम लागू करने वाली है। इस मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर और दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव की अध्यक्षता में विधान सौधा में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, खान एवं भूविज्ञान मंत्री एस एस मल्लिकार्जुन, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे, उत्तर कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री मंकल वैद्य, उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, तटीय जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न दलों के विधायक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को लेटराइट खनन में आने वाली बाधाओं को दूर करने और पूर्व की तैयारी बैठकों में चर्चा किए गए संशोधित नियमों को लागू करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। विभाग गैर-व्यावसायिक लेटराइट खदानों के लिए लाइसेंसिंग को सरल बनाने हेतु एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार कर रहा है। दिनेश गुंडू राव ने विभाग को निर्देश दिया कि खनन लाइसेंस शीघ्र और आसानी से, अधिमानतः आवेदन के एक महीने के भीतर, जारी किए जाएँ। उन्होंने स्थानीय निर्माण और आवास परियोजनाओं में लेटराइट की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया और अधिकारियों से वास्तविक खनिकों के आवेदनों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए, यू टी खादर ने विभाग को निर्माण कार्यों के लिए भूमि समतलीकरण और ड्रिलिंग से संबंधित मुद्दों का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने रॉयल्टी दरों में कमी और जिले में लेटराइट खनन को सुगम बनाने के लिए एक वैधानिक ढाँचे की भी माँग की।

अवैध खनन पर एक सप्ताह तक चली कार्रवाई में 7 टिप्पर और 10 टन रेत जब्त

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेत खनन पर प्रतिबंध के बावजूद, उडुपी जिले में अवैध गतिविधियाँ बेरोकटोक जारी हैं और पुलिस ने इस हफ्ते कई वाहनों को जब्त किया है। 11 अगस्त को, ब्रह्मवार पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों या परमिट के यदताडी से हेराडी तक लगभग 1.5 यूनिट रेत ले जा रहे एक टिपर को रोका।

लगभग 8,000 रुपये मूल्य की रेत, सरकार को रॉयल्टी का भुगतान किए बिना एक नदी से अवैध रूप से निकाली गई थी। कुक्कुडे स्थित आईएसएफ फैक्टरी के पास एक अन्य घटना में, लगभग 0.75 यूनिट रेत ले जा रहा एक टिपर रुकने का इशारा करने पर तेजी से भाग गया। चालक वाहन छोड़कर भाग गया। बिना किसी कागजात के ले जाई जा रही रेत को जब्त कर लिया गया और ब्रह्मवार पुलिस स्टेशन में दोनों मामले दर्ज किए गए। 5 अगस्त को, एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने कसाबा गाँव में पंचगंगावली नाले पर छापा मारा और दो वाहनों में लादे जा रहे 4,000 रुपये मूल्य के 80 प्लास्टिक बैग रेत बरामद किए। कुंडापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कुलंजे गाँव के बाकुडे इलाके में, 9 अगस्त की रात को, शेडिमाने नदी से अवैध रूप से खनन की गई 45,000 रुपये कीमत की नौ यूनिट रेत से लदे तीन टिप्पर पाए गए। 18 लाख रुपये कीमत के इन वाहनों को जब्त कर लिया गया।

शंकरनारायण पुलिस ने मामला दर्ज किया और एक आरोपी चरण हेगड़े को 11 अगस्त को बेलवे गाँव के तारेकट्टे से गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी हरिराम शंकर के अनुसार, ज्यादातर अवैध रेत खनन रात में होता है, और अपराधी पुलिस की नजर से बचने के लिए छोटे वाहनों और मछली परिवहन ट्रकों का भी इस्तेमाल करते हैं। कई लोग बिना दस्ता-वेजों वाले पुराने ट्रकों का इस्तेमाल करते हैं, यह सोचकर कि जब्ती के गंभीर परिणाम नहीं होंगे। पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

भूमि चोरों के खिलाफ सख्त कानून लागू किए जाएंगे: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने विधान परिषद को बताया कि सरकारी जमीन हड़पने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने वाला संशोधित कानून इस महीने के अंत तक लागू हो जाएगा। सदस्य रामोजी गौड़ा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि अब तक सरकारी जमीन हड़पने वाले कानून से बच रहे थे। वे कई तरीकों से कानून से बच रहे थे, जिसमें अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि नए कानून में कई सख्त कानूनी उपाय शामिल किए गए हैं। अब से, नया कानून सरकारी जमीन हड़पने वाले किसी भी व्यक्ति या यहाँ तक कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हड़पने वालों की मदद करने वाले अधिकारियों

के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि जिला पंजीकरण अधिकारियों को सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा रद्द करने का अधिकार दिया गया है। कुछ प्रभावशाली लोग सरकारी जमीन हड़पकर अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लेते थे। वे उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय जाकर स्थगन आदेश प्राप्त कर लेते थे। जमीन मालिक, कानूनी लड़ाई लड़ने में असमर्थ, इस निष्कर्ष पर पहुँच रहे थे कि उन्हें आधे मुआवजे से ही संतोष करना पड़ेगा। उन्होंने कहा इन सभी अनियमितताओं को रोकने के लिए हमने एक नया नियम बनाया है। इसका मसौदा तैयार है और अब जमीन हड़पना इतना आसान नहीं होगा। चाहे कितना भी दबाव क्यों न हो, हम इस नियम को लागू करेंगे।

पाकिस्तानी कमांडोज के साथ मुठभेड़ में भारतीय जवान शहीद

जम्मू, 13 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तरी कश्मीर के उड़ी सेक्टर में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना द्वारा घुसपैठ की कोशिश नाकाम करने के बाद आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। सेना का कहना था कि यह हमला पाक सेना के कमांडो द्वारा किया गया था जिसे सैन्य भाषा में बैट हमला कहा जाता है। यह हमला भारतीय सीमा चौकी पर कब्जा करने के लिए किया गया था। जबकि इस बीच जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर इसलिए रखा गया है क्योंकि बताया जा रहा है कुछ आतंकी उस पार से घुसने में कामयाब हुए हैं जो फिदायीन हमलों को अंजाम दे सकते हैं।

अधिकारियों के बकौल, उनके निशाने पर जम्मू-पठानकोट हाईवे पर स्थित सैनिक संस्थानों के साथ ही इंटरनेशनल बार्डर के साथ-साथ गुजरने वाली रेल लाइन भी है। बीएसएफ के बाद सेनाधिकारियों ने भी ऐसी आशंका

प्रकट की है।

सैनिकों ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के साथ एक संक्षिप्त लेकिन भीषण गोलीबारी की जिसमें एक जवान ने बहादुरी से देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना ने हमलावरों का पता लगाने के लिए इलाके में घुसपैठ रोधी और बैट (बार्डर एक्शन टीम) अभियान शुरू किया है। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक सेक्टर में तलाशी अभियान जारी था।

दूसरी ओर अधिकारी यह बताने में असमर्थता जाहिर कर रहे हैं कि घुसने वाले आतंकी कितनी तादाद में हैं पर वे कहते हैं कि कुछ दल एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर क्रास करने में उस समय कामयाब रहे जब पाक सेना ने उन्हें इस ओर धकेला है। पिछले कई दिनों से एलओसी पर पाक सेना द्वारा ड्रोनों की आड़ में सुरक्षाबलों का ध्यान बंटा कर ऐसे प्रयासों को कामयाब बनाया गया है। हालांकि जम्मू सीमा पर फिलहाल फायरिंग की कोई घटना नहीं हुई है पर बरसात के कारण उन नदी-नालों के इलाकों से तारबंदी को पहुंचे नुक्सान का लाभ आतंकियों ने उठाया है जिन्हें पाक रेंजर पिछले कई दिनों से अग्रिम ठिकानों पर ले आए थे। बीएसएफ अधिकारियों का कहना था कि 5 अगस्त से ही इंटरनेशनल बार्डर के पार वाले पाक सैन्य ठिकानों पर नागरिकों की आवाजाही बढ़ी थी जो दरअसल आतंकी ही हैं।

अधिकारी कहते हैं कि घुसने वाले आतंकी जम्मू में जम्मू-पठानकोट हाइवे पर सैन्य संस्थानों के अतिरिक्त इंटरनेशन बार्डर के साथ-साथ चलने वाली जम्मू-पठानकोट रेल लाइन को निशाना बना सकते हैं। जबकि कश्मीर में भी घुसपैठ कर चुके आतंकी सैन्य संस्थानों को निशाना बनाने का इरादा लिए हुए हैं। हमलों को रोकने की खातिर हाईवे पर गश्त को बढ़ाया गया है तथा नाके स्थापित किए जा रहे हैं जबकि रेल लाइन की सुरक्षा की खातिर अतिरिक्त जवानों को तैनात किया जा रहा है। जानकारी के लिए अतीत में ऐसे ही दावों के बीच आतंकी कई बार हमलों को अंजाम देकर बीसियों मासूमों को मौत के घाट उतारने में कामयाब रहे हैं।

भारत-सिंगापुर के बीच स्वास्थ्य, कौशल सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-सिंगापुर के बीच यहां बुधवार को सम्पन्न मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में दोनों पक्षों के बीच स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में विकास सहयोग पर सहमति बनी।

सम्मेलन में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय दल और सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग ने अपने दल का नेतृत्व किया।

भारतीय दल में श्रीमती सीतारमण के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शामिल थे।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने आईएसएमआर के तहत सहयोग और समन्वय के लिए निर्धारित गए छह स्तंभों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें , डिजिटलीकरण, कौशल विकास, पारिस्थितिकी की दृष्टि से विकास के स्वस्थ मार्ग , स्वास्थ्य सेवा एवं चिकित्सा, उन्नत विनिर्माण और सम्पर्क सुविधाओं को मजबूत बनाने के विषय शामिल हैं।

चर्चा के दौरान भारतीय दल ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 में सिंगापुर यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है।

सिंगापुर की ओर से वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री एवं गृह मंत्री के षणमुगम, विदेश मंत्री विवियन बाला , डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री एवं गृह मंत्री सुश्री जॉसेफीनी तेओ योग ली मिन, जनशक्ति मंत्री एवं व्यापार एवं उद्योग मंत्री टैन सी लेंग और कार्यवाहक परिवहन मंत्री एवं वरिष्ठ वित्त राज्य मंत्री जेफरी सिओ ने भी बैठक में भाग लिया।

शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने आवास पर तिरंगा फहराया

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बुधवार को यहां अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

बाद में श्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा आज 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

मोदी जी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज देश को एकता के सूत्र में पिरोने और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रबल बनाने वाला जन-अभियान बन गया है। यह अभियान दर्शाता है कि असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग, तप और समर्पण से जिस

आजाद भारत का सपना साकार किया था, उसे विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए 140 करोड़ देशवासी संकल्पित हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकार हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश भर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करती है ।

मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव कराने के लिए आयोग का धन्यवाद : राहुल

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा है कि उसके कारण उन्हें मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव हुआ है।

श्री गांधी ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में कथितरूप से मृत घोषित लोगों के साथ फोटो खिंचवाने और चाय पीने के बाद आयोग पर इस तरह का तंज कसा है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, जीवन में बहुत दिलचस्प अनुभव हुए हैं, लेकिन कभी 'मृत लोगों' के साथ चाय पीने का मौका नहीं मिला था। इस अनोखे अनुभव के लिए,

धन्यवाद चुनाव आयोग।

कांग्रेस ने एक बयान में कहा, बिहार के उन सात मतदाताओं के साथ पार्टी नेता राहुल गांधी चाय पी रहे हैं जिन्हें चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मृत घोषित हैं। चुनाव आयोग की एसआईआर सूची में उन्हें 'मृत' बताया गया है।

पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग ने मृत, प्रवासी आदि घोषित लोगों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रकाशित नहीं की है। ज़मीनी स्तर पर हमारी टीमें इन लोगों की पहचान केवल इसलिए कर पायी क्योंकि वे अनौपचारिक रूप से दो-तीन मतदान केंद्रों में चुनाव आयोग की आंतरिक जानकारी प्राप्त करने में कामयाब रहीं।

ये सात मतदाता उस निर्वाचन क्षेत्र के दो-तीन मतदान केंद्रों में अन्यायपूर्ण तरीके से हटाए गए मतदाताओं का केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं। यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है - यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक मताधिकार का हनन है।

कांग्रेस ने कहा कि बेंगलुरु में वोट चोरी का पर्दाफाश होने के बाद, यह स्पष्ट है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में भी समझौता किया गया है। जब जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया जाता है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाली की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिका पर गुरुवार सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली एक पीठ इस मामले में हस्तक्षेपकर्ताओं में से एक द्वारा 'संविधान के अनुच्छेद 370 के संबंध में' दायर याचिका पर सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत में 14 अगस्त को सुनवाई के लिए जारी वाद सूची में इसका जिक्र किया गया है। अदालत उस याचिका पर सुनवाई करेगी जिसमें केंद्र सरकार द्वारा अदालत को दिए गए आश्वासन के अनुसार, उसे (केंद्र को) दो महीने के भीतर समयबद्ध तरीके से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इसजज़हूर अहमद भट और अन्य ने अक्टूबर, 2024 में अदालत में आवेदन दायर किया था। एक अन्य याचिका इरफान हाफिज लोन ने दायर की थी। याचिका में दावा किया गया था कि समयबद्ध तरीके से जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली

न करना संघवाद के विचार का उल्लंघन है, जो संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। याचिका में कहा गया है, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाए ताकि लोग अपनी व्यक्तिगत पहचान में स्वायत्तता का आनंद ले सकें और देश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

याचिका में कहा गया है कि अगर जल्द से जल्द ऐसा निर्देश पारित नहीं किया गया तो इससे देश के संघीय ढांचे को गंभीर नुकसान होगा।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि भारतीय राजनीतिक इतिहास में संविधान संशोधन के बिना किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने और विधायिका सहित केंद्र शासित प्रदेश बनाने का कोई उदाहरण नहीं है।

इसमें यह भी कहा गया है कि किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने से संबंधित राज्य के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन होता है।

याचिका में कहा गया है, जम्मू-कश्मीर एक अलग राज्य है जिसने कई संघर्षों और कठिनाइयों का सामना किया है और इस क्षेत्र के विकास और इसकी अनूठी संस्कृति का जश्न मनाने में मदद के लिए एक मज़बूत संघीय ढाँचे की आवश्यकता है।

ग्यारह दिसंबर- 2023 के फैसले के कई महीने बीत जाने के बाद भी आज तक जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है, जो जम्मू-कश्मीर के निवासियों के अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और संघवाद के मूल ढाँचे का भी उल्लंघन कर रहा है।

उच्च समिति पहुंची आपदाग्रस्त धराली, किया मूल्यांकन

देहरादून, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के तहत आपदा प्रभावित क्षेत्र धराली में बुधवार को शासन की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति ने व्यापक निरीक्षण कर, पुनर्वास एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक पहलुओं का मूल्यांकन किया।

समिति के सदस्यों ने प्रभावित परिवारों, जन प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत विचार-विमर्श कर उनके सुझाव संकलित किए। प्रभावित ग्रामीणों ने जांगला, लंका एवं कोपांग में विस्थापन की मांग रखते हुए केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण की तर्ज पर धराली का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर आपदा पीड़ित कौशिक पंवार ने सेब उत्पादकों के लिए सड़क मार्ग के समीप सुरक्षित भंडारण के लिए शेड निर्माण कराए जाने की मांग रखी। जिलाधिकारी, (डीएम),उत्तरकाशी, प्रशांत आर्य ने आश्वासन देते हुए कहा कि सड़क मार्ग के बहाल होते ही शेड का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाएगा।

समिति अध्यक्ष डॉ.सुरेंद्र नारायण पांडेय ने कहा कि यह त्रासदी अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। केंद्र एवं राज्य सरकार शासन और प्रशासन इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। क्षति की भरपाई के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

डीएम श्री आर्य ने बताया कि आपदा में क्षतिग्रस्त फसलों एवं सेब के वृक्षों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। सड़क मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। प्रभावित परिवारों को राहत धनराशि वितरित की जा चुकी है तथा समुचित मात्रा में खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, सर्च एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, युकाडा, डॉ.आशीष चौहान और अपर सचिव हिमांशु खुराना ने कहा कि विस्थापन के लिए प्रभावित परिवारों को उपयुक्त विकल्प प्रदान किए जाएंगे। जिनके आधार पर, विस्थापन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का संपूर्ण विवरण तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

उत्तर प्रदेश में बदले स्कूली बच्चों को दंड देने के नियम

अब शारीरिक हिंसा नहीं कर सकेंगे अध्यापक

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के प्राथमिक स्कूलों में बच्चों को दंड देने के मामले में बदलाव किया गया है। अध्यापक अब किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा नहीं कर सकेंगे। प्रदेश के निजी और सरकारी विद्यालयों में गुरु जी न तो बच्चों को फटकारेंगे, न छड़ी से पीटेंगे, न चिकोटी काटेंगे न चांटा मारेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को किसी भी प्रकार के शारीरिक व मानसिक दंड न दिए जाने के निर्देश का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है।

विभाग की ओर से राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से जारी निर्देश का हवाला देते हुए कहा है कि विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को किसी प्रकार की शारीरिक व मानसिक दंड न दिए जाने के विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए बच्चों को भी बताएं कि वे इसके विरोध में अपनी बात कह सकते हैं। इसे संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाएं। महानिदेशक शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि हर स्कूल जिसमें छात्रावास हैं, जेजे होम्स, बाल संरक्षण गृह भी शामिल हैं, में एक ऐसी व्यवस्था की जाए, जहां बच्चे अपनी बात रख सकें। ऐसे संस्थानों में किसी एनजीओ की सहायता ली जा सकती है। हर स्कूल में एक शिकायत पेटिका भी होनी चाहिए, जहां छात्र अपनी शिकायत दे सकें। अभिभावक शिक्षक समिति शिकायतों की समीक्षा करें। शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा है कि शिक्षा विभाग ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर ऐसी व्यवस्था करें कि बच्चों की शिकायत और कार्रवाई की समीक्षा की जा सके। आरटीई के नियमों का अनुपालन कराते हुए किसी बच्चे को शारीरिक दंड नहीं दिया जाएगा।

उसका मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाएगा। इसका उल्लंघन करने वालों पर अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी। किसी बच्चे के साथ जाति, धर्म, लिंग आधारित दुर्व्यवहार या भेदभाव भी नहीं किया जाएगा। इन आदेशों का सभी स्कूल सख्ती से पालन कराएंगे। बच्चों को झाड़ना, परिसर में दौड़ाना, चपत जमाना, घुटनों के बल बैठाना, यौन शोषण, प्रताड़ना, कक्षा में अकेले बंद कर देना, बिजली का झटका देना, अपमानित करके नीचा दिखाने, शारीरिक व मानसिक रूप से आघात पहुंचाना प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने प्रारंभ की तिरंगा-यात्रा

भारत माता और महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता का भाव है तिरंगा यात्रा

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आजादी के 78 वर्ष पूरे कर रहा है।

आजादी के इस अमृत काल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीयता, क्रांतिकारियों-महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव और प्रगाढ़ हो। यह हर जन, हर घर तक पहुंचे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा के माध्यम से इसे हम सभी देख रहे हैं। तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक

तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ किया। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया।

सीएम ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम

शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शौर्य, पराक्रम, सामर्थ्य और शक्ति को दुनिया ने देखा है। इसे लेकर जब दुनिया अचंभित है तो हर भारतीयों का दायित्व बनता है कि भारत का सम्मान ऊंचा बनाए रखें। सीएम ने अपील की कि 140 करोड़ भारतवासी स्वयं के स्वार्थों की तिलांजलि देकर राष्ट्रमाता के चरणों में समर्पित होकर तिरंगा को हर घर पर लगाकर देश की आजादी के इस समारोह में भागीदार बनें। सीएम ने कहा कि सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का कुत्सित प्रयास करने वालों तथा समाज, क्षेत्र, भाषा, जाति समेत अनेक वादों के नाम पर बांटने वाले तत्वों को बेनकाब करें।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 2047 तक का विराट लक्ष्य विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत सभी के सामने है। सीएम ने कहा कि उनके संकल्पों के साथ जुड़कर विकसित उत्तर प्रदेश-

आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन का हिस्सा व मंत्र बनाएंगे। समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, जया देवी, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और जनप्रतिनिधियों के साथ हाथ में तिरंगा लेकर भारत मां की जयकार, वंदे मातरम की गूंज के साथ यात्रा का नेतृत्व किया। सीएम ने अपने आवास से तिरंगा यात्रा को रवाना भी किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट गाइड्स, युवाओं आदि के साथ सेल्फी भी ली। तिरंगा यात्रा को देख लग रहा था कि लखनऊ की सड़कों पर समूचा भारत उमड़ पड़ा है।

सपा सांसद बर्क के अवैध निर्माण पर कोर्ट सख्त

30 दिन का अल्टीमेटम, फिर चलेगा बुल्डोजर

संभल, 13 अगस्त (एजेंसियां)। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनके मकान पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। प्रशासन ने बिना नक्शा पास कराए बने मकान के हिस्से को हटाने का आदेश दिया है और 30 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलेगा।

जियाउर्रहमान बर्क पर आरोप है कि उन्होंने अपने मकान का कुछ हिस्सा बिना नक्शा पास कराए बनाया। एसडीएम कोर्ट ने जांच के बाद पाया कि मकान का 1 मीटर गहरा और 14 मीटर लंबा हिस्सा अवैध है।

कोर्ट ने इसे हटाने का आदेश दिया और बर्क को 30 दिन का समय दिया। साथ ही, धारा 9 के तहत 1.35 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। अगर बर्क इस हिस्से को नहीं हटाते, तो प्रशासन बुलडोजर चलाकर इसे ध्वस्त करेगा। एसडीएम विकास चंद्र ने साफ कहा कि आदेश का पालन न होने पर सख्त कार्रवाई होगी।

यह पहली बार नहीं है जब जियाउर्रहमान बर्क विवादों में हैं। पिछले साल संभल में हिंसा के बाद उनका नाम चर्चा में आया था। तब उन पर हिंसा भड़काने के आरोप लगे थे, जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। इसके अलावा, अवैध निर्माण का यह मामला पहले से ही एसडीएम कोर्ट में चल रहा था। प्रशासन ने पहले भी उनके मकान को लेकर नोटिस जारी किया था और जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर ही कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। संभल प्रशासन इस मामले में कोई ढील नहीं दे रहा। कोर्ट ने साफ निर्देश दिए हैं कि तय समय में अवैध निर्माण नहीं हटा तो बुलडोजर कार्रवाई होगी। यह मामला अब स्थानीय लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया है।

अपराधियों और भूमाफिया से साठगांठ में नौकरशाह शामिल

एसआईटी ने तैयार की सात पुलिसकर्मियों की फाइल

कानपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर में कमिश्नरी पुलिस के सात पुलिसकर्मियों की फाइल एसआईटी ने तैयार कर ली है। इनके अपराधियों और भूमाफिया से साठगांठ होने के सबूत मिले हैं। इनमें इंस्पेक्टर, दरोगा, प्रोन्नत होकर आईपीएस बने दो अफसर और पीपीएस अधिकारी भी शामिल हैं। यह लिस्ट बुधवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय भेजी गई।

अधिवक्ता अखिलेश दुबे, दीनू उपाध्याय और अन्य के साथ मिलकर प्रॉपर्टी संबंधी कार्य करने की शिकायतें आई थीं। अभी कई पुलिसकर्मी ऐसे हैं जिनपर भूमाफिया से संपर्क रखने के आरोप हैं। शहर की पुलिस की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। पहले अपराधियों के साथ साठगांठ के आरोप लगते थे। अब भूमाफियाओं के साथ इनके संबंध की बात सामने आई है। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के पास लोगों की कई शिकायतें आई थीं। इन शिकायतों को जांच के लिए उन्होंने एसआईटी के पास भेजा।

एसआईटी की जांच में सात पुलिसकर्मी ऐसे मिले हैं, जो स्वयं चकेरी, कल्याणपुर, सचेंडी, नौबस्ता, महाराजपुर, बिठूर, उन्नाव, कानपुर देहात में जमीन संबंधी कार्य कर रहे हैं। उनकी फाइल तैयार हो गई है।

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने बताया कि ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसआईटी से रिपोर्ट मांगी गई है। बुधवार या बृहस्पतिवार से कार्रवाई का सिलसिला शुरू होगा। यह पुलिसकर्मी नियमित रूप से भूमाफिया और अपराधियों के संपर्क में रहे हैं। राजपत्रित अधिकारियों की रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि सबसे पहले कमिश्नरी के पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यूपीपीएससी ने तीन पूर्व अधिकारियों के खिलाफ दी सीबीआई जांच की मंजूरी

प्रयागराज, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अपर निजी सचिव (एपीएस) भर्ती परीक्षा-2010 में हुई धांधली के मामले में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने अपने तीन पूर्व अफसरों के खिलाफ सीबीआई को जांच शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह जानकारी आयोग की ओर से दाखिल जवाबी हलफनामे में सामने आई है।

आयोग की भर्ती परीक्षाओं की जांच कर रही सीबीआई ने एपीएस भर्ती-2010 में हुई धांधली के मामले में चार अगस्त 2021 को एफआईआर दर्ज की थी और तत्कालीन सिस्टम एनालिस्ट गिरीश गोयल, तत्कालीन अनुभाग अधिकारी विनोद कुमार सिंह और तत्कालीन समीक्षा अधिकारी लाल बहादुर पटेल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा-17 ए के तहत के लिए जांच की अनुमति मांगी थी।

आखिरकार सीबीआई निदेशक के चेतावनी भरे पत्र के बाद आयोग ने चार साल बाद तत्कालीन अफसरों की जांच करने की अनुमति दे दी है। प्रदेश सरकार ने चार सितंबर 2018 को आयोग की एपीएस भर्ती परीक्षा-2010 में बरती गई अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराने की संस्तुति की थी। सीबीआई की प्रारंभिक जांच में आयोग के कुछ तत्कालीन अफसरों के खिलाफ भर्ती में अनियमितता बरतने के पुख्ता प्रमाण मिले थे। नियुक्ति विभाग ने तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी थी लेकिन अपने अफसरों के विरुद्ध जांच की अनुमति नहीं दी थी।

ऐसे में सीबीआई ने चार अगस्त 2021 को मामले में एफआईआर दर्ज करा दी थी। उसमें तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक का नाम तो था लेकिन आयोग के अफसरों के नामों का खुलासा नहीं किया गया था। जांच को आगे बढ़ाने के लिए सीबीआई लगातार आयोग से अनुमति मांग रही थी और शासन से भी हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया जा रहा था लेकिन आयोग अनुमति नहीं दे रहा था। इस पर सीबीआई निदेशक ने 26 मई 2025 को मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर जांच की अनुमति दिलाने की मांग की थी और 30 दिन में अनुमति न मिलने की स्थिति में जांच को बंद करने की चेतावनी दी थी। सीबीआई निदेशक का पत्र मिलने के बाद शासन ने सक्रियता दिखाते हुए आयोग से जवाब-तलब किया। जिसके बाद आयोग ने दिनांक 25 जून 2025 को सीबीआई को पत्र भेजकर अनुमति दी।

एपीएस भर्ती के तहत दूसरे चरण में शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट होता है। परीक्षा में पांच फीसदी तक की गलती अनुमन्य थी। साथ ही पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी न मिलने की स्थिति में आयोग अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए अतिरिक्त तीन फीसदी गलती (कुल आठ फीसदी) को अनुमन्य करते हुए अन्य अभ्यर्थियों को भी मौका दे सकता था।

मथुरा से आए स्कूली छात्रों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

मंत्री संदीप सिंह ने छात्रों से की बात और दिए सवालों के जवाब

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मथुरा जिले के परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर, वृन्दावन से विधानसभा पहुंचे छात्र बुधवार को उस समय गदगद हो उठे, जब बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने उनके सवालों का धैर्यपूर्वक और बेबाकी से जवाब दिया। विधानसभा की कार्यवाही और संसदीय बारीकियों से परिचित होने आए बच्चों की आंखों में भविष्य को लेकर गहरी जिज्ञासा थी, जबकि मंत्री संदीप सिंह के शब्दों में समाधान की स्पष्टता झलक रही थी। उनके सौम्य व्यवहार से छात्रों के चेहरों पर आश्वस्ति का भाव साफ नजर आ रहा था।

पूरी बातचीत में मंत्री संदीप सिंह बच्चों की हर जिज्ञासा को शांत करते रहे और उन्हें यह भरोसा भी दिलाते रहे कि उनकी सोच, सवाल और सपनों को सरकार गंभीरता से सुन रही है और उस पर काम कर रही है। सबसे पहले, परिषदीय विद्यालयों के पाठ्यक्रम को लेकर उठे सवाल पर मंत्री संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि पाठ्यक्रम तैयार करने का कार्य भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का है, जहां विशेषज्ञ इस पर काम करते हैं। पहले हम एससीईआरटी के माध्यम से पाठ्यक्रम बनाते थे, लेकिन अब एनसीईआरटी को फॉलो किया जा रहा है। परिषदीय विद्यालयों के बच्चे भी अब एनसीईआरटी के मानक पाठ्यक्रम से पढ़ रहे हैं।

जर्जर स्कूल भवन और मर्जर पर सवाल आया तो मंत्री ने छात्रों को बताया कि किसी भी स्कूल को बंद नहीं किया गया है। जर्जर भवनों को तोड़कर नए स्कूल बनाने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही सभी जर्जर विद्यालय नया रूप ले लेंगे। एक छात्र ने मुगलों का इतिहास पढ़ने के साथ ही जिले के इतिहास और स्थानीय महान व्यक्तित्वों की जानकारी पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग रखी। इस पर उन्होंने कहा कि हम जिलावार इतिहास और व्यक्तित्व पर आधारित एक किताब तैयार कर रहे हैं, जिसे जल्द ही कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को पढ़ाया जाएगा। भविष्य में इसे पाठ्यक्रम में भी जोड़े जाने की योजना है।

आरक्षण के सवाल पर उन्होंने साफ किया कि आरक्षण राष्ट्रीय स्तर की नीति है, जिसे कोई भी राज्य बदल नहीं सकता। हम इसके मानकों का पूरी तरह पालन कर रहे हैं।

नई शिक्षा नीति से जुड़े सवाल पर मंत्री ने बताया कि कक्षा एक में प्रवेश के लिए बच्चे की न्यूनतम आयु छह वर्ष तय की गई है। इससे पहले उसे प्री-प्राइमरी में पढ़ाया जायेगा, ताकि वह पहली कक्षा में जाने के लिए तैयार हो सके। विभिन्न बोर्डों के आसान व यूपी बोर्ड के कठिन प्रश्न-पत्रों पर उठे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पेपर बनाने का कार्य समिति करती है, इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता।

श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास गठन का अध्यादेश विधानसभा से मंजूर

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा ने बुधवार को बांके बिहारी मंदिर निर्माण अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। अब मंदिर का न्यास चढ़ावा, सम्पत्ति और प्रशासन से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां संभालेगा। सदन में बुधवार सुबह 11 बजे विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हुई। इसमें सरकार विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रही है, जबकि विपक्ष के सवालों का दौर भी जारी है। इस दौरान सत्र में बांके बिहारी कॉरिडोर आर्डिनेंस विधेयक भी पास हो गया है।

अध्यादेश स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल सम्पत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट/उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई सम्पत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक/तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं। मंदिर की सम्पत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल एवं अचल सम्पत्तियां सम्मिलित मानी जाएंगी।

सरकार ने कहा है कि न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। स्वामी हरिदास के समय से चली आ रही रीति-रिवाज, त्योहार, समारोह और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या परिवर्तन के जारी रहेंगे। न्यास दर्शन का समय तय करेगा, पुजारियों की नियुक्ति करेगा और वेतन, भत्ते/प्रतिकर निर्धारित करेगा। साथ ही भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा मंदिर के प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी न्यास पर होगी।

न्यास गठन के बाद श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रसाद वितरण, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए अलग दर्शन मार्ग, पेयजल, विश्राम हेतु बेंच, पहुंच एवं कतार प्रबंधन कियोस्क, गौशालाएं, अन्नक्षेत्र, रसोईघर, होटल, सराय, प्रदर्शनी कक्ष, भोजनालय और प्रतीक्षालय जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। न्यास में 11 मनोनीत और 7 पदेन सदस्य होंगे। मनोनीत सदस्य वैष्णव परंपराओं/संप्रदायों/पीठों से 3 प्रतिष्ठित सदस्य (जिनमें साधु-संत, मुनि, गुरु, विद्वान, मठाधीश, महंत, आचार्य, स्वामी सम्मिलित) हो सकते हैं। सनातन धर्म की परंपराओं/संप्रदायों/पीठों से 3 सदस्य (उसी श्रेणी के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व) हो सकते हैं। सनातन धर्म की किसी भी शाखा/संप्रदाय से 3 सदस्य (प्रतिष्ठित व्यक्ति/शिक्षाविद/विद्वान/उद्यमी/वृत्तिक/समाजसेवी) हो सकते हैं। गोस्वामी परंपरा से 2 सदस्य- स्वामी हरिदास जी के वंशज; एक राज-भोग सेवादारों और दूसरा शयन-भोग सेवादारों का प्रतिनिधि.सभी मनोनीत सदस्य सनातनी हिंदू होंगे। उनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा।

पदेन सदस्य में मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद के सीईओ, बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार का नामित प्रतिनिधि शामिल होंगे। यदि कोई पदेन सदस्य सनातन धर्म को नहीं मानने वाला/गैर-हिंदू हुआ, तो उसकी जगह उससे कनिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाएगा।

संपादकीय

जवाबदेही चुनाव आयोग की

जवाबदेही चुनाव आयोग की है। यदि 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं और उस मुद्दे पर करीब 300 सांसद सडक़ पर हैं, तो यह कोई सामान्य परिस्थिति नहीं है। चुनाव आयोग कन्नी नहीं काट सकता और न ही विपक्षी नेता के हलफनामे का इंतजार कर सकता। संविधान ने निष्पक्ष और तटस्थ निर्वाचन का दायित्व चुनाव आयोग को सौंपा है, लिहाजा सम्यकु जवाबदेही भी उसी की है। आयोग को 'वोट चोरी' पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। औसत नागरिक न्यायपालिका, संसद और चुनाव आयोग के प्रति श्रद्धा और सम्मान के भाव रखता है। वे भाव खंडित नहीं होने चाहिए। हालांकि आयोग ने शनिवार को सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर आश्वस्त किया है कि जो 65 लाख सवालिया मतदाता बिहार की मतदाता-सूची से बाहर किए गए हैं, उनके पक्ष सुने जा सकते हैं। अभी तक सूची में दर्ज योग्य और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, तो उन्हें बाकायदा नोटिस जारी किए जाएंगे, उनके स्पष्टीकरण सुने जाएंगे, तब आयोग निर्णय लेगा कि वे पात्र मतदाता हैं अथवा नहीं। बिहार के संदर्भ में यह प्रक्रिया एक सितंबर तक जारी रहेगी। सर्वोच्च अदालत में मंगलवार और बुधवार को इस मामले पर सुनवाई तय की गई थी। उसके बाद ही कोई फैसला सामने आएगा, लेकिन चुनाव आयोग की फजीहत नहीं होनी चाहिए। जिस तरह के विशेषण, रूपक और उपमाएं आयोग के लिए मीडिया में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे अशोभनीय और अमर्यादित हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। चुनाव आयोग पर 'भाजपाई' होने के जो आरोप चस्पां किए जा रहे हैं, आयोग उन पर न तो खामोश रहे और न ही आरोपों का खंडन करे। उसे आरोपित मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए और देश के सामने सार्वजनिक करना चाहिए कि 'वोट चोरी' के आरोप कितने तथ्यात्मक हैं और कितने पूर्वाग्रही हैं? विपक्ष ने आरोप लगाए हैं कि एक ही पते पर 80,100 या उससे अधिक मतदाता बनाए गए हैं। ऐसी खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए, लेकिन इसकी सामाजिक और कामकाजी पृष्ठभूमि भी जाननी चाहिए। वैसे हम बता दें कि देश में 45 करोड़ से अधिक लोग प्रवासी हैं। उन्हें पुराने घर का पता छोड़ कर नए ठिकाने का पता जोडऩा पड़ता है। यह प्रक्रिया असंगठित क्षेत्र के कामगारों और मजदूरों के लिए बहुत कठिन है। मतदाताओं के नाम कटने और जोडऩे की गतिविधियां और समीक्षाएं होती रही हैं। भारत में 95 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। महानगरों में 30 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं, जिनके पास एक निश्चित पता नहीं है। वोटर आई कार्ड पाने के लिए वे उस व्यक्ति पर निर्भर रहते हैं, जो उन्हें 'घर का पता' इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। देश में निर्माण-स्थल पर काम करने वाले करीब 1 करोड़ मजदूर उसी स्थल पर रहते हैं अथवा आसपास रहते हैं या ठेकेदार के किसी पते पर रहने को विवश हैं। क्या उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं है? ऐसे लोगों का स्थायी या पुश्तैनी पता कैसे हो सकता है? हमारा दावा यह नहीं है कि एक ही पते पर कई मतदाताओं के कार्ड बनाने की प्रक्रिया में धांधलेबाजी नहीं है। राजनीतिक दल अपना वोट बैंक पुख्ता करने के लिए ऐसा करते रहे हैं, लेकिन समग्रता में यह मामला बेहद संवेदनशील है। चुनाव आयोग को भी समझना चाहिए। हमारा मानना है कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

चुनाव आयोग कन्नी नहीं काट सकता और न ही विपक्षी नेता के हलफनामे का इंतजार कर सकता। संविधान ने निष्पक्ष और तटस्थ निर्वाचन का दायित्व चुनाव आयोग को सौंपा है, लिहाजा सम्यकु जवाबदेही भी उसी की है। आयोग को 'वोट चोरी' पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। औसत नागरिक न्यायपालिका, संसद और चुनाव आयोग के प्रति श्रद्धा और सम्मान के भाव रखता है। वे भाव खंडित नहीं होने चाहिए। हालांकि आयोग ने शनिवार को सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर आश्वस्त किया है कि जो 65 लाख सवालिया मतदाता बिहार की मतदाता-सूची से बाहर किए गए हैं, उनके पक्ष सुने जा सकते हैं। अभी तक सूची में दर्ज योग्य और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, तो उन्हें बाकायदा नोटिस जारी किए जाएंगे, उनके स्पष्टीकरण सुने जाएंगे, तब आयोग निर्णय लेगा कि वे पात्र मतदाता हैं अथवा नहीं। बिहार के संदर्भ में यह प्रक्रिया एक सितंबर तक जारी रहेगी। सर्वोच्च अदालत में मंगलवार और बुधवार को इस मामले पर सुनवाई तय की गई थी। उसके बाद ही कोई फैसला सामने आएगा, लेकिन चुनाव आयोग की फजीहत नहीं होनी चाहिए। जिस तरह के विशेषण, रूपक और उपमाएं आयोग के लिए मीडिया में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे अशोभनीय और अमर्यादित हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। चुनाव आयोग पर 'भाजपाई' होने के जो आरोप चस्पां किए जा रहे हैं, आयोग उन पर न तो खामोश रहे और न ही आरोपों का खंडन करे।

कुछ अलग

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मोदी वैबिनेट ने मंगलवार को वुछ अहम पैसले लिए जिनकी जानकारी सूचना एवं प्रासारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देते हुए कहा कि चार नईं सेमीकण्डक्टर की मंजूरी दी गईं है, इससे पहले भी सरकार 6 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी जा चुकी है। ये चार प्रोजेक्ट ओडिशा, आंध्र प्रादेश और पंजाब में स्थापित होंगे। इन पर 4,594 करोड़ रुपए का निवेश होगा। भारत में जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक्स का महत्व बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सेमीकण्डक्टर का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। भारत इस वक्त कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन और इलेक्ट्रानिक उपकरणों की माव्रेट का लीडर बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि सेमीकण्डक्टर के क्षेत्र में वह खुद ही आत्मनिर्भर बने। सच तो यही है कि भारत ने जबसे इलेक्ट्रानिक उत्पाद के क्षेत्र में विकास किया है, सेमीकण्डक्टर के लिए उसकी निर्भरता अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया पर थी। लेकिन भारत सरकार की वैबिनेट ने सेमीकण्डक्टर के महत्व का एहसास करते हुए दिसम्बर 2021 में इंडिया सेमीकण्डक्टर मिशन को स्वीवृति दी और 76000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ देश की इस महत्वाकांक्षी योजना को एक बार फिर आगे बढ़ाने का प्रायास किया गया है।

आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

ललित गर्ग

धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे "आज़ादी" को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है।

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे "आज़ादी" को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है? आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है। जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत

ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है। दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं। भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़यिां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे- "अब भी खरे हैं तालाब।" आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए। आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है। आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है।

देश दुनिया से

अमरीकी दादागिरी का कड़ा जवाब

अमेरिका भारत के खिलाफ टैरिफ वॉर के जरिये दादागिरी दिखाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है। इसका मतलब है कि अब भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लग गया। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वाले आदेश पर दस्तखत भी कर दिए हैं। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा, जबकि पहला 25 फीसदी वाला टैरिफ 7 अगस्त से लागू होगा। अब सवाल है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ बम क्यों फोड़ा, आखिर उनकी क्या मजबूरी है, इसका भारत पर क्या असर होगा और अब भारत का अगला कदम क्या होगा? सबसे पहले जानते हैं कि अमेरिका ने अभी क्या किया है। डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत अपने दोस्त रूस से यारी खत्म करे। उससे तेल न खरीदे। इसके लिए अमेरिका ने प्रेशर पॉलिटिक्स का सहारा लिया है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का आदेश जारी किया। इस फैसले के पीछे भारत की ओर से रूस से तेल खरीद जारी रखना बताया गया है। वाइट हाउस का कहना है कि यह कदम यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है। सत्य यह है कि अमेरिका अपनी शर्तों पर भारत के साथ ट्रेड डील चाहता है। वहीं, भारत अपने छोटे किसानों के हितों के लिए अमेरिका के मनमाने को ट्रेड डील को मानने को तैयार नहीं है। भारत नहीं चाहता कि ऐसे किसी ट्रेड डील से भारत के छोटे किसानों और कारोबारियों को घाटा हो। इसी प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत डोनाल्ड ट्रंप बार-बार टैरिफ की धमकी से भारत को मजबूर करना चाहते हैं। यही वजह है कि पहले उन्होंने 25 फीसदी का टैरिफ लगाया था। अब उन्होंने इसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप जब से सत्ता में आए हैं, वह रूस-यूक्रेन जंग को खत्म कराने की जद्दोजहद में लगे हैं। वह हर कोशिश कर चुके हैं, मगर सफलता नहीं मिली। ऐसे में मजबूरी में उन्होंने

रूस को तोडने के लिए भारत को अपना हथियार बनाया है। यह जगजाहिर है कि भारत अपने दोस्त रूस से तेल खरीदता है। ट्रंप का मानना है कि तेल से होने वाली कमाई का इस्तेमाल रूस युद्ध में कर रहा है। यही वजह है कि ट्रंप को लगता है कि अगर रूस से भारत तेल नहीं खरीदेगा तो उसकी कमर टूट जाएगी और पुतिन युद्ध में सरेंडर कर देंगे। मगर हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। भारत साफ कर चुका है कि वह अपनी जरूरतों के हिसाब से रूस से तेल खरीदता है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ पर भारत ने कहा कि अमेरिका का यह कदम अनुचित, अविवेकपूर्ण और तर्कहीन है। अमेरिका के इस कदम का असर भारत की अर्थ व्यवस्था पर व्यापक तौर पर पडने की संभावना है। 50 फीसदी टैरिफ का असर कपड़ा, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर बुरा असर पडने की आशंका है। जिन क्षेत्रों को इन शुल्कों से नुकसान होगा, उनमें कपड़ा/परिधान, रत्न और आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते, पशु उत्पाद, रसायन, बिजली और यांत्रिक मशीनरी शामिल हैं। निर्यातकों के अनुसार, इस कदम से अमेरिका को भारत के 86 अरब डॉलर के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। दवा, ऊर्जा उत्पादों (कच्चा तेल, परिष्कृत ईंधन, प्राकृतिक गैस, कोयला और बिजली) महत्वपूर्ण खनिज और इलेक्ट्रॉनिक्स इत्यादि की एक विस्तृत श्रृंखला पर ये टैरिफ लागू नहीं होंगे। अमेरिका ने जिन देशों पर टैरिफ लगाए हैं, उनमें सबसे अधिक भारत और ब्राजील पर ही हैं। जी हां, भारत और ब्राजील 50 फीसदी टैरिफ वाले देशों की कैटेगरी में हैं। अमेरिका ने म्यांमार पर 40 प्रतिशत, थाईलैंड और कंबोडिया पर 36 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 35 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, चीन और श्रीलंका पर 30 प्रतिशत, मलेशिया पर 25 प्रतिशत, फिलीपींस और वियतनाम पर 20 प्रतिशत टैरिफ यानी शुल्क लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस को तोडऩे के चक्कर में भारत से पुठपंगा ले रहे हैं। वैसे भी ट्रंप की यह चाल भारत पर अपनी दादागिरी का दबाव बनाने की ही है। भारत इससे कैसे निपटे यह अब अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत के पास अभी वक्त व कुछ विकल्प हैं। भारत अब ट्रेड डील पर अमेरिका से बातचीत कर सकता है और इस टैरिफ को कम करवा सकता है। 21 दिनों की मोहलत में भारत और अमेरिका आपस में बातचीत करके बीच का रास्ता निकाल सकते हैं। दूसरा विकल्प यह होगा कि भारत इसे विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ में इस टैरिफ को चुनौती दे। तीसरा विकल्प राजनीतिक है। भारत को अब रूस और चीन के साथ मिलकर अपनी तिकड़ी को मजबूत करना चाहिए। रूस हमारा आजमाया हुआ दोस्त है और चीन के साथ हमारी सांस्कृतिक सांझ है। वैसे भी चीन अमेरिका का विरोधी है और विरोधी का विरोधी दोस्त होता है। ताजा हालात यह है कि अमेरिका के टैरिफ के जवाब में भारत ने भी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। माना जा रहा है कि भारत भी अमेरिका से आने वाले सामान पर समान टैक्स लगा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद इस बात को लेकर काफी चर्चा हो रही थी कि भारत क्या कदम उठाएगा। अब भारत ने अमेरिका से बदला लेने का प्लान बना लिया है। भारत, अमेरिका से आने वाले कुछ सामानों पर टैक्स लगाने की तैयारी कर रहा है। यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि अमेरिका ने भारत से आने वाले स्टील और एल्यूमीनियम पर 50 फीसदी तक ड्यूटी बढ़ा दी है। क्या सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है।

आप का नजरिया

मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के लिए एक अजीब सी पहेली बनते जा रहे हैं। चीन और रूस जैसे अमेरिका के धुर विरोधियों की बात तो छोड़िए यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप के मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं। भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं। दो महीने के दौरान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने दो बार अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की है। जाहिर है कि दोनों के बीच चल रही बातचीत इतनी गंभीर और खुफिया है कि टेलीफोन पर करने की बजाय ट्रंप आमने-सामने की बात करने के लिए उन्हें सीधे अपने देश ही बुला लेते हैं। जबकि पाकिस्तान में एक निर्वाचित सरकार है, जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। ट्रंप अमेरिका को पाकिस्तान को प्राथमिकता देने वाले पुराने दौर में वापस ले जा रहे हैं जिसका अंजाम अमेरिका को 9/11 के भयानक आतंकवादी हमले के रूप में झेलना पड़ा था। वो इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि पाकिस्तान का साथ देने का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को ही ताकत देना है। मुनीर ने हाल ही में बीजिंग जाकर चीनी नेताओं से भी मुलाकात की थी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भी चीन ने पाकिस्तान को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए हर तरह से सहयोग देने की बात कही थी। आपको बता दें कि, पाकिस्तान को मिलने वाले 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। मिसाइल से लेकर परमाणु क्षमता तक, पाकिस्तान की हर कामयाबी के पीछे चीन का ही हाथ माना जाता है। जाहिर सी बात है कि ऐसे में ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बढ़ावा देकर या यूं भी कह सकते हैं कि भड़का कर पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकवादी संगठनों और चीन के एक ऐसे गठजोड़ को मजबूती दे रहे हैं जो न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि एशिया सहित पूरी दुनिया की शांति को भंग कर देगा। भारत ने परमाणु हथियारों के लिए 'नो फर्स्ट यूज़' की नीति घोषित कर रखी है वहीं अमेरिका की धरती पर जाकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख खुलेआम भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भारत के खिलाफ बयान देते-देते मुनीर अब भारत के उद्योगपतियों को भी धमकाने लगे हैं। इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि व्यापार को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुके ट्रंप के इशारे पर ही मुनीर ने मुकेश अंबानी को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। सारी हदों को पार करते हुए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के सबसे बड़े उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी का जिक्र करते कहा कि उन्होंने पहले भी 'सूरह फ़ील' के साथ अंबानी की तस्वीर ट्वीट करवाई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान अगली बार क्या करेगा। आपको बता दें कि 'सूरह फील' इस्लामी इतिहास में उस घटना को दर्शाता है, जिसमें अल्लाह ने दुश्मन के हाथियों की फौज पर पक्षियों से पत्थर बरसवाए थे। मुकेश अंबानी भारत के सबसे बड़े उद्योगपति और एशिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक हैं। अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय को संबोधित करने के दौरान मुकेश अंबानी का नाम और उनकी तस्वीर दिखाकर असीम मुनीर ने ट्रंप के इशारे पर यह बताने की कोशिश की है, कि पाकिस्तान का निशाना सिर्फ सैन्य ठिकाने या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक प्रतीक और भारत के दिग्गज कारोबारी भी हो सकते हैं। अमेरिका की धरती से ऐसे भड़काऊ बयान देकर असीम मुनीर ये संदेश भी देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन हासिल है। यह अपने आप में किसी विडंबना से कम नहीं है कि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी जताते हुए दुनिया भर में पांच युद्धों को रोकने एवं सुलझाने का दावा कर रहे हैं, रूस-यूक्रेन लड़ाई को रोकने के लिए 15 अगस्त को पुतिन के साथ बैठक करने जा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तान को भड़का कर दुनिया को विश्व युद्ध की तरफ ढकेल रहे हैं।

दृष्टि कोण

विश्व हिन्दू परिषद के विभिन्न आन्दोलन

विश्व हिन्दू परिषद देश धर्म संस्वृति के लिए काम करने वाला संगठन है, इसके द्वारा समय-समय पर तमाम अभियान और आन्दोलनों को चलाया गया है। हम देखे की परिषद के द्वारा अस्पृश्यता निवारण के लिये बड़ा जन आन्दोलन हिन्दू समाज के भीतर चलाने का काम किया। विश्व हिन्दू परिषद ने अपनी स्थापना से ही हिन्दू-हिन्दू भाईं-भाईं और हिन्दवः सोदरा सव्रे, न हिन्दू पतितों भवेत। जिसका अर्थ है सब हिन्दू आपस में सहोदर है कोईं यहाँ पतित नही, कोईं निमन्न नहीं, कोईं उच्च नहीं हम सब एक पूर्वज की संतान है हम सब हिदू है। भारत के इतिहास में हिन्दू समाज पर प्रहार समय समय पर होता रहा है मुस्लिम शासन काल में अस्पृश्यता का वर्णन हमे सर्व प्रथम दिखता है, जब मलेक्छ और हिन्दू इस प्रकार दो पहचानो को हम देखते है। इसके बाद भारत में वाल्मीकि जाति और चमड़े के बहुतायत प्रयोग आदि का भी कम ही वर्णन है, मेगस्थनीज़, फ़ाहियान, हेनसांग कितने ही विदेशी यात्रियों ने भारत की समाज व्यवस्था पर लिखा परंतु किसी ने भी अस्पृश्यता का कोईं वर्णन नहीं किया। इसका अर्थ अस्पृश्यता का हिन्दू समाज से कोईं लेना-देना नहीं है। सर्वप्रथम कार्यं को जाति का रूप देने का वुवृत्य अंग्रेजी सरकार द्वारा किया गया वरन्‌उससे पूर्व कार्यं व्यक्ति की योग्यता पर आधारित था ना की किसी जन्म पर। ऋग्वेद में चार वर्णो का उल्लेख हमे मिलता वही महाभारत में भगवान वृष्ण के मुख से निकले शब्द चातुर्वर्ष्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः। तस्य कर्तारमपि मां विद्धयकर्तारमव्ययम्? भगवान कहते है यह चार वर्ण मेरे द्वारा बनाये गए है, जिनका आशय गुणों, कर्मो से है ना की किसी जन्म से। इस तरह कर्म पर आधारित व्यवस्था को जन्म के आधार पर स्थापित करने का दुष्कर कार्यं परतंत्रता के काल खण्ड में हुआ। विश्व हिन्दू परिषद मानता है, कि अलग-अलग काल खण्डों में तथा वैदिक काल, स्मृति काल और बाद के कालो में अस्पृश्यता को लेकर भी जो-जो कहा गया है, वह उस काल परिस्थिति की रचना थी। परंतु आज हम जिस युग में रह रहे इसमें इन सब में संशोधन की आवश्यकता है, सामाजिक संबंध समानता और भ्रातृत्व पर आधारित होने चाहिए। परिषद यह भी मानता है कि युगानुरूप संहिताए बदली नहीं जा सकती ऐसा कहना व्यर्थ है। विश्व हिन्दू परिषद धर्माचायरे और धर्मगुरुओं से संपर्व कर उनके बीच में इन विषयों पर संज्ञान लेने का आग्रह करते है। अस्पृश्यता निवारण की दृष्टि से परिषद ने अनुसूचित समाज की बस्तियों में सेवा के कई प्रकल्पों को प्रारंभ किया, इन बस्तियों में संतों की पदयात्राएँ निकाली, समरसता भोज सहज भाव से अपने बन्धुओं में भोजन, उनके गृह कार्यंव्रामों मे सम्मिलित होना। 1970 में पंढरपुर महाराष्ट्र के अधिवेशन में अस्पृश्यता पर विशेष चर्चा हुईं, श्रृंगेरी, और द्वारिका शंकराचार्यो के द्वारा अस्पृश्यता प्रतिबंध की बात कही गईं। कहीं इसे इस अधिवेशन में रखा गया। विश्व हिन्दू परिषद का ही प्रयास था, जब काशी में 80 के दशक में गौरक्ष पीठ के संत अवैधनाथ जी के नेतृत्व में तमाम संतों के साथ डोम राजा के यहाँ भोजन किया गया। इसी काल में मीनाक्षीपुरम मंदिर में दलितों के प्रवेश को निषेध किया गया था। इसके चलते कईं परिवारों ने ईंसाईं रिलीजन को स्वीकार करने की बात की तभी परिषद एवं अवैधनाथ जी के प्रयासो के परिणाम स्वरूप मीनाक्षीपुरम की यह घटना होते-होते रुक गया। दलित समाज को मंदिर में प्रवेश भी सुनिाति हुआ। विश्व हिन्दू परिषद कहती है कि हम किसी भी असमानता के भाव को नहीं मानते सभी हिन्दू सहोदर है और हमारा ध्येय इस हिन्दू समाज में एकत्व भाव को जागृत करना, इसलिए परिषद कहता है मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्र समानता। इसी प्रकार से गौरक्षा आन्दोलन को लेकर हम सभी जानते है की गऊ माता हिन्दुओं के लिए सदैव से एक प्रमुख मानबिंदु रहा है। धरमिक दृष्टि से ही नहीं सांस्वृतिक और आर्थिक दृष्टि से भी वह हिन्दुओं के लिए पूजनीय और वन्दनीय रही है। भारत में हिन्दू समाज सनातन काल से गाय माता को पूजनीय मान कर उनकी पूजा आराधना करता है। विश्व हिन्दू परिषद ने अपनी स्थापना के बाद प्रथम विश्व हिन्दू सम्मेलन में प्रस्ताव पारित करके गोरक्षा पर विशिष्ट ध्यानकर्षण किया गया था। गौरक्षा के साथ- साथ हमारे प्रेरणा पुंजो के लिए संघर्ष परिषद् ने किया श्री राम जन्मभूमि मुत्ति हेतु एक जन अभियान परिषद ने लिया 23 मार्च, 1983 में उत्तर प्रदेश के शहर मुजफ्फरनगर में आयोजित हिन्दू सम्मेलन से, सम्मेलन में कांग्रेस के नेता तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री दाऊदयाल खन्ना जी ने रामजन्मभूमि, अयोध्या, वृष्ण जन्मभूमि, मथुरा तथा वाराणसी के काशी विश्वनाथ की मुत्ति का आह्वान किया।

चीन की नई सुपरफास्ट मैग्लेव ट्रेन 600 किमी प्रति घंटा से भी तेज दौड़ी

बीजिंग,13 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन की नई सुपरफास्ट मैग्लेव ट्रेन 600 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा रफ्तार से दौड़ सकती है। हैरान करने वाली बात यह है कि अब यह ट्रेन पूरी तरह शांत और आरामदेह सफर का वादा करती है। ट्रेन की सबसे खास तकनीक है 'शॉकवेव किलर सिस्टम', जो सुरंग में घुसते समय होने वाले धमाके जैसी तेज आवाज को रोकने में सक्षम है।

मैग्लेव तकनीक की खासियत यह है कि इसमें ट्रेन ट्रैक को छूती नहीं है, बल्कि चुंबकीय बल से हवा में तैरती हुई चलती है, जिससे घर्षण नहीं होता और रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन जब कोई तेज रफ्तार ट्रेन सुरंग में प्रवेश करती है, तो हवा दबती है और एक विस्फोट जैसी आवाज होती है, जिसे 'टनल बूम' कहा जाता है। यह आवाज आसपास की इमारतों, इंसानों और जानवरों पर भी बुरा असर डालती है। पारंपरिक ट्रेनों में यह असर आमतौर पर 6 किलोमीटर लंबी सुरंगों में होता है, लेकिन मैग्लेव की रफ्तार इतनी तेज है कि केवल 2 किलोमीटर की सुरंग में भी टनल बूम हो सकता है। इस समस्या का समाधान ढूंढते हुए चीनी वैज्ञानिकों ने सुरंग के मुहाने पर खास तरह के 100 मीटर लंबे 'साउंडप्रूफ बफर' लगाए हैं।

यह बफर हवा को धीरे-धीरे बाहर निकालने का रास्ता देते हैं, जिससे ट्रेन के प्रवेश से पहले ही दबाव कम हो जाता है और टनल बूम नहीं बनता। यह बिल्कुल वैसा ही काम करता है जैसे बंदूक में साइलेंसर जिससे गोली चलने की आवाज दब जाती है। इस तकनीक के कारण अब सफर और भी ज्यादा शांत और स्मूद हो गया है। यात्रियों के मुताबिक ट्रेन में किसी तरह का मशीनी शोर सुनाई नहीं देता, सिर्फ एक हल्की चुंबकीय गूंज महसूस होती है। पहले 2004 में चीन ने शंघाई एयरपोर्ट और शहर के बीच मैग्लेव ट्रेन शुरू की थी, जिसकी स्पीड 460 किमी/घंटा थी। लेकिन 2021 में लॉन्च की गई नई जनरेशन की मैग्लेव ट्रेन इससे कहीं ज्यादा तेज और उन्नत है। अब उम्मीद है कि बीजिंग से शंघाई के बीच नई मैग्लेव लाइन बिछाई जाएगी। इस पर सफर करने में महज 2.5 घंटे लगेंगे, जो अभी की तुलना में लगभग आधा है। इतना ही नहीं, यह सफर एक घरेलू फ्लाइट जितना तेज होगा, लेकिन किराया आधा और प्रदूषण भी बेहद कम। यही वजह है कि यह तकनीक भविष्य की यात्रा का नया मापदंड बनती जा रही है। चीन के अलावा जापान भी पीछे नहीं है। वहां टोक्यो से ओसाका तक 'चुओ शिंकानसेन' नामक मैग्लेव लाइन पर काम चल रहा है, जिसकी रफ्तार 505 किमी/घंटा होगी। हालांकि यह प्रोजेक्ट देरी का शिकार है।

न्यूज ब्रीफ

व्हाइट हाउस ने कहा- अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक रिपोर्ट में मुद्रास्फीति बाजार की उम्मीदों से बेहतर

वाशिगंटन। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है, की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) रिपोर्ट से साफ है कि मुद्रास्फीति एक बार फिर बाजार की उम्मीदों से बेहतर रही और स्थिर बनी हुई है। इससे अमेरिकी परिवारों और व्यवसायों के लिए लागत कम करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। आधिकारिक तौर पर व्हाइट हाउस से भेजी गई विज्ञप्ति में लेविट ने कहा कि डर फैलाने वाले लोग आंकड़ों से लगातार गलत साबित हो रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ अरबों डॉलर कमा रहे हैं। लघु व्यवसायों का आशावाद पांच महीने के उच्चतम स्तर पर है। वास्तविक मजदूरी बढ़ रही है। अमेरिकी नागरिकों ने राष्ट्रपति ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट एजेंडा यानी अमेरिका को फिर से समृद्ध बनाने पर अपना भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से मुद्रास्फीति 1.9 प्रतिशत पर स्थिर है। जुलाई में नागरिकों की वास्तविक औसत साप्ताहिक आय में वृद्धि हुई। अमेरिकियों का वास्तविक वेतन पिछले वर्ष की तुलना में 1.3 फीसद बढ़ा है और राष्ट्रपति ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से हर महीने इसमें वृद्धि हुई है। अमेरिकी कामगारों के वेतन में वृद्धि मुद्रास्फीति को मात दे रही है। रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में गिरावट जारी है। जुलाई में अंडों की कीमतों में एक बार फिर गिरावट आई। राष्ट्रपति ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से अंडों की कीमत 20 फीसद कम हो गई है ।

शिनजियांग-तिब्बत रेल परियोजना को 2025 में ही शुरू करेगा चीन, भारत चिंतित

बीजिंग। चीन अपनी महत्वाकांक्षी शिनजियांग-तिब्बत रेल परियोजना को 2025 में शुरू करने की तैयारी में है। यह परियोजना भारत के लिए चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि इसका एक हिस्सा पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास अक्साई चिन से होकर गुजरेगा। यह परियोजना चीन की 2035 तक तिब्बत में 5,000 किलोमीटर का रेल ढांचा स्थापित करने की योजना का हिस्सा है। अक्साई चिन, जिसे भारत अपना अभिन्न अंग मानता है, रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहाँ से चीन का जी-219 राजमार्ग भी गुजरता है। इस रेल लिंक से चीन को सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और उपकरणों की तेजी से आवाजाही करने में मदद मिलेगी। इससे भारत के लिए सुरक्षा चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं। यह परियोजना उस समय में शुरू हो रही है जब 2020 के पूर्वी लद्दाख में हुए सैन्य विवाद का समाधान हाल ही में हुआ है।

कुत्ता लेकर बर्फीले पहाड़ पर गया था मौसम विज्ञानी, 66 साल बाद खुला राज़

वॉशिंगटन । ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के अनुसार, जनवरी 2025 में पोलिश अंटार्कटिक टीम ने इकोलॉजी

ग्लेशियर के पास चट्टानों और बर्फ में उनके अस्थि अवशेष और जैसे घड़ी, स्वीडिश चाकू, रेडियो उपकरण और स्की पोल सहित 200 से ज्यादा निजी सामान बरामद किए गए। डीएनए परीक्षण से उनकी पहचान की गई। तब पता चला कि अंटार्कटिका में 66 साल पहले लापता हुए ब्रिटिश वैज्ञानिक डेनिस 'टिंक' बेल के अवशेष आखिरकार मिल गए हैं। 25 वर्षीय बेल 26 जुलाई 1959 को किंग जॉर्ज आइलैंड के एडमिरल्टी बे में एक ग्लेशियर पर काम करते हुए गहरी बर्फीली दरार में गिर गए थे। उस समय वे फॉकलैंड आइलैंड्स डिपेंडेंसी सर्वे (अब ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे) में बतौर मौसम वैज्ञानिक काम करते थे। डेनिस बेल के भाई डेविड बेल (86) ने कहा, 'मैंने तो अपने भाई को खोजने की उम्मीद छोड़ दी थी। यह चमत्कार है, मैं अब भी यकीन नहीं कर पा रहा।' जुलाई 1959 में बेल और उनके साथी जेफ स्टोक्स डॉगस्लेज के साथ एक ग्लेशियर सर्वे मिशन पर निकले थे। अपने थके हुए हस्की कुत्तों का हौसला बढ़ाने के लिए बेल बिना स्की पहने आगे बढ़ते रहे और फिर अचानक दरार में गिर गए। स्टोक्स ने उन्हें बेल्ट के सहारे ऊपर खींचने की कोशिश की, लेकिन बेल्ट टूट गई और बेल दोबारा गहराई में समा गए। इसके बाद उनकी कोई आवाज नहीं आई और खोज अभियान भी असफल रहा। जलवायु परिवर्तन के चलते अंटार्कटिका के कई ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे दशकों पुराने लापता लोगों के शव और सामान सामने आ रहे हैं।

बलूच लिबरेशन आर्मी को पहले भी घोषित किया जा चुका है आतंकी समूह, बाल-बांका नहीं बिगड़ा

क्वेटा (बलूचिस्ता) पाकिस्तान ,13 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी सूची में शामिल करने पर बलूचिस्तान के मुद्दों पर केंद्रित ऑनलाइन समाचार आउटलेट द बलूचिस्तान पोस्ट ने बुधवार को विश्लेषकों के हवाले से खबर में लिखा कि इसका प्रभाव प्रतीकात्मक होने की संभावना है। साथ ही वाशिंगटन का यह कदम इस्लामाबाद के साथ मधुर होते संबंधों और नए व्यापार समझौतों के बीच आया है, लेकिन इससे समूह के आतंकवाद पर अंकुश लगाने में कोई खास मदद नहीं मिलेगी। बीएलए का वित्तपोषण और संचालन अमेरिकी प्रतिबंधों की पहुंच से बाहर के नेटवर्कों पर आधारित है।

बेशक अमेरिकी विदेश विभाग ने बलूच बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी विदेशी आतंकवादी संगठनों (एफटीओ) की सूची में शामिल कर लिया है पर इससे कुछ खास फर्क नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित अलगाववादी समूह बीएलए को पहले भी अमेरिका ने 2019 और ब्रिटेन ने 2006 में आतंकवादी संगठन घोषित किया था। खबर के अनुसार, इस्लामाबाद के लिए यह कदम एक कूटनीतिक जीत है। लेकिन व्यावहारिक रूप से विश्लेषकों का कहना है कि इससे बीएलए की संचालन क्षमता पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

रिपोर्ट के विवरण पर केंद्रित अपनी खबर में साफ किया है कि इस समूह का अस्तित्व दो मुख्य संसाधनों पर निर्भर करता है। वह है धन और जनशक्ति। इसका वित्तपोषण अमेरिकी या पश्चिमी स्रोतों, या औपचारिक बैंकिंग चैनलों पर नहीं, बल्कि अवैध गतिविधियों पर निर्भर करता है। बीएलए की पश्चिम में कोई प्रत्यक्ष राजनीतिक उपस्थिति नहीं है और इसके सदस्य अमेरिका या यूरोप की यात्रा नहीं करते हैं, जिससे यात्रा प्रतिबंधों या संपत्ति जब्त होने का प्रभाव सीमित हो जाता है। 2019 में इसी तरह की सूची में शामिल किए जाने से यह समूह कमजोर नहीं हुआ और मजीद ब्रिगेड को सूची में शामिल करने से इसमें कोई बदलाव आने की संभावना नहीं है। कुछ मामलों में ऐसे उपाय किसी उग्रवादी समूह की छवि को भी मजबूत कर सकते हैं, जिससे वह संघर्ष में एक प्रमुख कारक बन सकता है।

मानना है कि यह घोषणा वाशिंगटन और इस्लामाबाद के एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के दो हफ्ते से भी कम समय बाद आई है। इसके अमेरिकी कंपनियों को संसाधन संपन्न बलूचिस्तान में पाकिस्तान के अप्रयुक्त तेल भंडार के विकास में मदद करने की अनुमति मिलने की उम्मीद है, साथ ही पाकिस्तान के निर्यात पर शुल्क भी कम किया जाएगा। यह उस दौर से भी मेल खाता है जिसे पर्यवेक्षक हाल के वर्षों में अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों के सर्वश्रेष्ठ दौर के रूप में वर्णित करते हैं। पाकिस्तान सरकार ने डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भी नामित किया है। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि यह नामांकन एक कूटनीतिक लेन-देन का हिस्सा है, जैसा कि 2019 में हुआ था, जब ट्रंप प्रशासन ने अफगानिस्तान में अमेरिका-तालिबान शांति वार्ता को सुगम बनाने में पाकिस्तान की महत्वपूर्ण भूमिका के बाद बीएलए को काली सूची में डाल दिया था।

विश्लेषण किया गया है कि इतिहास ऐसे कई उदाहरण प्रस्तुत करता है जहां वाशिंगटन ने ऐसे उपायों का इस्तेमाल निर्णायक आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों के बजाय राजनीतिक औजार के रूप में किया है। अमेरिका ने एक बार अफगानिस्तान के हक्कानी नेटवर्क के वरिष्ठ नेताओं पर करोड़ों डॉलर का इनाम रखा था। इनमें सिराजुद्दीन हक्कानी शामिल थे। हक्कानी अब तालिबान सरकार के गृहमंत्री हैं। इनमें अब्दुल अजीज हक्कानी और याह्या हक्कानी का नाम भी शामिल थे। बाद में अमेरिका ने चुपचाप कदम पीछे खींच लिए।

सीरिया में अमेरिका ने हयात तहरीर अल-शाम जिसे पहले अल-नुसरा फ्रंट कहा जाता था, को एक विदेशी आतंकी समूह (एफटीओ) घोषित किया था और उसके नेता अहमद अल-शरा (अबू मोहम्मद अल-जोलानी) को पकड़ने के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा था। अमेरिका ने इस साल की शुरुआत में इनाम और एफटीओ का दर्जा दोनों हटा दिए गए। इस तरह के उलटफेर दर्शाते हैं कि ऐसे कदम बदलते भू-राजनीतिक हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए बीएलए के लिए, जिसे अमेरिका या उसके सहयोगियों से न तो धन मिलता है और न ही वैधता, इस कदम से स्थायी व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना नहीं है।

रही बात पाकिस्तान की तो वाशिंगटन का यह कदम संघीय सरकार के इस दावे को पुष्ट करता है कि बीएलए कोई स्थानीय आंदोलन नहीं है। बलूच लड़ाकों के लिए यह दशकों से चल रहे संघर्ष में उनके कथित महत्व को पुष्ट कर सकता है। वाशिंगटन की प्रतिबंध सूची से दूर बलूचिस्तान के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और सीमावर्ती इलाकों में असली लड़ाई जमीन, संसाधनों और राजनीतिक नियंत्रण के लिए लड़ी जाती रहेगी, चाहे अमेरिकी प्रतिबंध के साथ हो या उसके बिना।

डोनबास से सेना नहीं हटाएगा यूक्रेन : राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव,13 अगस्त (एजेंसियां)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि वे रूस के उस प्रस्ताव को खारिज करेंगे, जिसमें यूक्रेन से पूर्वी डोनबास क्षेत्र से अपनी सेनाएं हटाने की मांग की गई है। जेलेंस्की ने कहा कि ऐसा करने से यूक्रेन अपनी मजबूत रक्षा रेखाएं खो देगा और रूस को आगे के आक्रामक अभियानों के लिए खुला रास्ता मिल जाएगा।

राष्ट्रपति ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा केवल तब हो सकती है जब रूस युद्धविराम के लिए सहमत हो और यूक्रेन के लिए ठोस सुरक्षा गारंटियां उस चर्चा का हिस्सा हों। उन्होंने जोर दिया कि यूक्रेन से संबंधित किसी भी बातचीत में यूक्रेन की भागीदारी अनिवार्य है।

जेलेंस्की के अनुसार, रूस का मौजूदा प्रस्ताव यह है कि वह यूक्रेन के अन्य क्षेत्रों में अपनी सैन्य प्रगति रोक देगा, बशर्ते कीव डोनबास क्षेत्र से अपनी सेनाएं पीछे हटा ले। डोनबास में डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्र शामिल हैं, जहां 2022 से युद्ध तेजी से जारी है।

राष्ट्रपति ने बताया कि वर्तमान में यूक्रेन डोनेट्स्क क्षेत्र का लगभग 30 फीसदी हिस्सा, यानी करीब 9,000 वर्ग किलोमीटर भूमि, पर नियंत्रण बनाए हुए है। इस क्षेत्र में यूक्रेनी सेनाओं ने मजबूत किलेबंदी और रणनीतिक ऊंचाइयों पर नियंत्रण स्थापित किया हुआ है, जो रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन ने डोनबास से अपनी सेना हटा ली, तो रूस को जापोरिज़्झिया और ड्नीप्रो क्षेत्रों तक सीधा रास्ता मिल जाएगा। इससे खारकीव पर भी खतरा बढ़ जाएगा।

जेलेंस्की ने कहा, क्षेत्रीय मुद्दों को सुरक्षा गारंटियों से अलग नहीं किया जा सकता। उनका यह बयान यूक्रेन की इस नीति को दोहराता है कि कोई भी समझौता उसकी संप्रभुता और रक्षा क्षमताओं से समझौता नहीं कर सकता।

उल्लेखनीय है कि जेलेंस्की का यह बयान उस समय आया है जब आगामी शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में शिखर बैठक प्रस्तावित है। ट्रंप ने हाल में संकेत दिया था कि किसी संभावित शांति समझौते में क्षेत्रीय अदला-बदली भी शामिल हो सकती है।

अमेरिका ने की तारीफ कहा-पाक आतंकियों के खिलाफ कर रहा है कार्रवाई

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में हुई जानमाल की हानि पर संवेदना व्यक्त की, जिसमें जाफर एक्सप्रेस आतंकी हमला और खुजदार में स्कूल बस पर बम धमाका शामिल हैं। संयुक्त बयान के मुताबिक, संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन आतंकवादी संगठनों को नियंत्रित करने में पाकिस्तान की निरंतर सफलताओं की सराहना की है जो क्षेत्र और विश्व की शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। इससे एक दिन पहले अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और इसके उग्रवादी धड़े मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया। आपको बता दें बीएलए दशकों से पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी आंदोलन चला रही है और इस क्षेत्र की स्वतंत्रता की मांग करती है। अमेरिका ने बीएलए को 2019 में स्पेशली डिजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, 2019 के बाद से बीएलए ने कई और हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिनमें मजीद ब्रिगेड के हमले भी शामिल हैं। रविवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने चार दिवसीय भारत-पाक संघर्ष के बाद दूसरी बार अमेरिका का दौरा किया।

दक्षिण कोरिया की पूर्व प्रथम महिला किम कियोन ही गिरफ्तार, पति पहले से जेल में

सियोल (दक्षिण कोरिया),13 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन ही को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व प्रथम महिला किम कियोन ही को उनके खिलाफ लगे कई आरोपों से जुड़े सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका के चलते हिरासत में लेने का वारंट जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार, सियोल कोर्ट ने आयातित कार डीलर डॉयच मोटर्स के शेयर मूल्य में हेरफेर, रिश्वतखोरी के एक मामले और 2022 के उपचुनाव में प्रभाव डालने के आरोप में किम की कथित संलिप्तता की जांच कर रही विशेष वकील टीम के अनुरोध पर गिरफ्तारी वारंट को मंजूरी दे दी। किम मंगलवार सुबह अदालत पहुंचीं। वह सुनवाई में शामिल हुईं। उन्होंने कथित तौर पर अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों से इनकार किया। लगभग चार घंटे बाद सुनवाई समाप्त हुई। इसके बाद अदालत ने वकीलों की विशेष टीम और किम के कानूनी प्रतिनिधियों की दलीलों की समीक्षा की और नौ घंटे बाद किम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। विशेष वकील ने अपनी दलीलों के समर्थन में अदालत में 848 पन्नों की एक रिपोर्ट पेश की और कथित तौर पर किम को हिरासत में न लेने की स्थिति में सबूतों के नष्ट होने की आशंका पर चिंता जताई। किम के वकीलों ने दावा किया कि उनके खराब स्वास्थ्य के कारण हिरासत में रखना अनुचित होगा। बताया गया है कि दोपहर 2:35 बजे अदालत की सुनवाई समाप्त होते ही पूर्व प्रथम महिला बिना किसी सवाल का जवाब दिए बाहर निकल गईं। उन्हें बाहर निकलते ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस उन्हें पश्चिमी सियोल के गुरो-गु स्थित सियोल दक्षिणी हिरासत केंद्र ले गई। अदालत के अदालत पर किम हिरासत में आने वाली पहली पूर्व प्रथम महिला बन गईं। यह पहली बार है जब दक्षिण कोरिया में किसी पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को एक साथ हिरासत केंद्र रखा जाएगा। किम के पति पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को इस समय ग्योंगगी प्रांत के उइवांग स्थित सियोल हिरासत केंद्र में रखा गया है।

अनुकूल परिस्थितियों में अमेरिका से सीधे परमाणु वार्ता कर सकता है ईरानः उपराष्ट्रपति अरेफ

यूरेनियम संवर्धन छोड़ने की मांग को ईरान ने बताया मजाक

तेहरान,13 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मदरेजा अरेफ ने मंगलवार को कहा कि यदि परिस्थितियां अनुकूल हों तो ईरान अमेरिका के साथ सीधे परमाणु मुद्दों पर बातचीत कर सकता है। राज्य मीडिया के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

अरेफ ने अमेरिका की उस मांग को मजाक बताया जिसमें तेहरान से यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह छोड़ने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि यह शर्त यथार्थ से परे है। उन्होंने कहा कि ईरान का शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु तकनीक विकसित करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत संरक्षित है और इसे किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जा सकता।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी वार्ता की शुरुआत के लिए सबसे पहले समानता और आपसी सम्मान का माहौल होना जरूरी है। यदि बातचीत की मेज पर आने का मतलब यह है कि हमें अपने वैध अधिकारों से हाथ धोना पड़े, तो ऐसी वार्ता का कोई औचित्य नहीं।

ज्ञात हो कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच छठे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता जून में अचानक रोक दी गई थी। इसका कारण इज़राइल और अमेरिका द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर किए गए हवाई हमले बताए जाते हैं, जिनसे देश की कुछ प्रमुख परमाणु सुविधाओं को नुकसान पहुंचा। इन हमलों के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ गया था।

अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों का आरोप है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम की आड़ में परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश कर रहा है। ईरान इन आरोपों को लगातार खारिज करता आया है और दावा करता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण उद्देश्यों, जैसे ऊर्जा उत्पादन और चिकित्सा शोध, के लिए है।

सामाजिक तनाव बढ़ाता है इन्फ्लेमेशन को : अध्ययन

लंदन। क्रॉनिक इन्फ्लेमेशन महिलाओं में कमजोरी, सामाजिक असमानता और हृदय रोग (सीवीडी) के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हो सकता है। ताजा अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। इस शोध में 37 से 84 वर्ष की उम्र की 2,000 से अधिक महिलाओं के ब्लड सैंपल का विश्लेषण किया गया। इन सैंपल में 74 इन्फ्लेमेशन से संबंधित प्रोटीनों की जांच की गई। शोध का उद्देश्य यह समझना था कि शरीर में इन्फ्लेमेशन कैसे सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं ने ऐसे 10 प्रोटीनों की पहचान की जो न सिर्फ कमजोरी और सामाजिक वंचना से जुड़े पाए गए, बल्कि इनमें से चार प्रोटीन (टीएनएफएसएफ14, एचजीएफ, सीडीसीपी1 और सीसीएल11) हृदय रोग के खतरे से भी सीधे जुड़े मिले। विशेष रूप से सीडीसीपी1 नामक प्रोटीन का दिल की धमनियों के अवरोध और संकुचन से गहरा संबंध सामने आया। शोध से यह संकेत मिलता है कि ये प्रोटीन सामाजिक असमानता, उम्र बढ़ने और हृदय रोग के बीच एक बायोलॉजिकल लिंक की तरह काम कर सकते हैं। यह अध्ययन केवल एक समूह तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे अलग आबादी पर भी दोहराया गया, जिससे इसके निष्कर्षों की वैधता और व्यापकता को पुष्टि मिली। किंग्स कॉलेज लंदन की रिसर्च एसोसिएट डॉ. यू लिन के अनुसार, इन प्रोटीनों की पहचान से यह स्पष्ट हुआ कि सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कारकों के बीच एक साझा जैविक मार्ग मौजूद हो सकता है।

वेस्टइंडीज ने पाक को 203 रनों से दी करारी शिकस्त, खत्म किया 34 साल का इंतजार

तरौबा,13 अगस्त (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज ने मंगलवार को पाकिस्तान को करारी शिकस्त देते हुए 34 साल बाद वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। तीसरे और आखिरी वनडे में कैरेबियाई टीम ने 295 रन का लक्ष्य देकर मेहमानों को मात्र 92 रन पर समेट दिया और 203 रनों से जीत दर्ज की, जो पाकिस्तान के खिलाफ उनका अब तक का सबसे बड़ा वनडे अंतर है। इस जीत के नायक रहे तेज़ गेंदबाज़ जेडन सील्स, जिन्होंने 8.2 ओवर में 6 विकेट झटके। यह पुरुष वनडे क्रिकेट में किसी वेस्टइंडीज गेंदबाज़ के संयुक्त रूप से दूसरे सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हैं। वहीं, कप्तान शाई होप ने नाबाद शतक (100*) जमाते हुए टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकाला। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए वेस्टइंडीज ने शुरुआती 43 ओवर तक धीमी बल्लेबाज़ी की और 200 रन के पार नहीं पहुंच पाए थे। लेकिन 44वें ओवर में होप ने मोहम्मद नवाज़ को लगातार दो छक्के लगाकर रफ्तार पकड़ी। इसके बाद होप और जस्टिन ग्रीव्स ने अंतिम 7 ओवरों में 100 रन जोड़ते हुए स्कोर 294/5 तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सील्स ने पहले ओवर में सैम अयूब को आउट किया और फिर अब्दुल्ला शफीक को भी बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। तीसरा झटका उन्होंने मोहम्मद रिज़वान को दिया, जिनकी ऑफ बेल गेंद से हल्के से छूकर गिर गई। इसके बाद उन्होंने बाबर आज़म को एलबीडब्ल्यू कर पाकिस्तान को 23/4 पर ला दिया।

बाकी बल्लेबाज़ों में कोई भी टिककर नहीं खेल पाया। सलमान अली आगा और हसन नवाज़ ने कुछ समय जरूर बिताया, लेकिन रनगति लगातार बढ़ती रही। गुडाकेश मोती और रोस्टन चेज़ ने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा। अंततः सील्स ने नसीम शाह और हसन अली को भी चलता किया, जबकि आखिरी रन आउट के साथ पाकिस्तान की पारी 92 पर सिमट गई।

न्यूज ब्रीफ

आईओए ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली को मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को यहां अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए देश की बोली को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को मेज़बान शहर बनाते हुए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया है, लेकिन भारत को अंतिम बोली के लिए 31 अगस्त से पहले प्रस्ताव जमा करने होंगे। कनाडा के इस दौड़ से बाहर हो जाने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावना बढ़ गई है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों का एक दल हाल ही में अहमदाबाद आया और आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की। इस महीने के अंत में राष्ट्रमंडल खेलों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा नवंबर के अंतिम सप्ताह में ग्लासगो में मेज़बान देश का फैसला करेगी। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी की थी ।

भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली जीत दर्ज की

ब्रिसबेन। भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी पहली जीत दर्ज की है। उसने बुधवार को इयान हीली ओवल में खेले गए पहले वनडे मैच में ताहलिया मैकग्राथ की ऑस्ट्रेलिया ए की टीम को तीन विकेट से हरा दिया। यह जीत भारत ए के लिए खास रही, क्योंकि इससे पहले टीम तीनों टी20 मैच हार चुकी थी। 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए ने 42 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। यास्तिका भाटिया ने 59 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि शैफाली वर्मा (36) और धारा गुज्जर (31) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। राघवी बिष्ट 25 रन बनाकर नाबाद रहीं और मध्य ओवरों में ऑस्ट्रेलिया ए के वापसी के प्रयास को नाकाम करते हुए भारत को जीत दिलाई। इससे पहले भारत ए की कप्तान राधा यादव ने तीन विकेट लिए, जबकि तितास साधु और मिन्नू मणि ने दो-दो विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम 214 रनों पर ढेर हो गई। अनिका लियरोयड 92 रन बनाकर नाबाद रहीं, लेकिन उनके साथी रन बनाने में नाकाम रहे। रेचल ट्रेनमैन (51) ने मुख्य सहयोग दिया, लेकिन वह रन आउट हो गईं। दोनों टीमें अब 15 और 17 अगस्त को इसी मैदान पर दो और वनडे मैच खेलेंगी। इसके बाद 21 अगस्त से एलन बॉर्डर फील्ड में एक अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट मैच होगा।

एथलेटिक्सः गुलवीर सिंह ने हंगरी में 3000 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

नई दिल्ली। भारतीय मिडिल और लॉन्ग डिस्टेंस धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित हंगेरियन एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की 3000 मीटर स्पर्धा में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। गुलवीर ने 7 मिनट 34.49 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर फिनिश किया। केन्या के मैथ्यू किपसांग ने 7 मिनट 33.23 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान हासिल किया।गुलवीर का इस इवेंट में पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7 मिनट 38.26 सेकंड था, जो उन्होंने फरवरी 2025 में बोस्टन यूनिवर्सिटी डेविड हेमरी वेलेंटाइन इनविटेशनल में बनाया था। 27 वर्षीय गुलवीर 5000 मीटर और 10,000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। हाल ही में उन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इन दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे। गुलवीर ने 5000 मीटर में 13 मिनट 01.00 सेकंड के प्रवेश मानक से बेहतर प्रदर्शन कर आगामी विश्व चैंपियनशिप (टोक्यो) के लिए क्वालीफाई किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द की , एक सप्ताह में सरेंडर करने के आदेश

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां)।

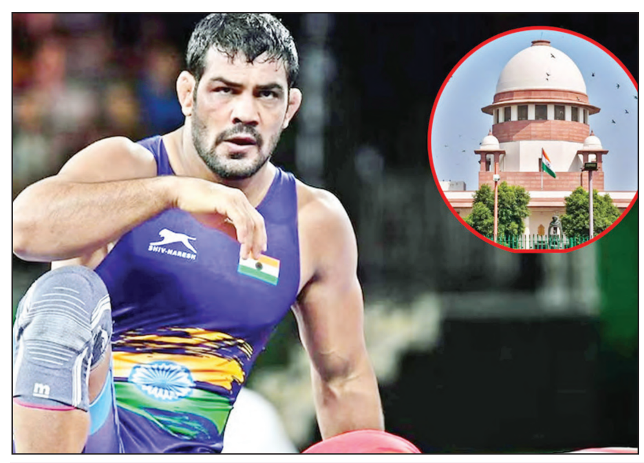

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। सुशील जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सुशील को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने के लिए कहा है। सागर के पिता ने सुशील को जमानत दिये जाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सागर की हत्या 4 मई 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र में हुए झगड़े में हुई थी। इस दौरान उनके दो दोस्तों पर भी हमला हुआ था। आरोप है कि यह हमला सुशील कुमार और उनके साथियों ने संपत्ति विवाद के कारण किया गया। सागर हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में उसकी मौत हो गयी थी। वहीं उसके साथी भी गंभीर रुप से घायल हुए।

इस मामले के बाद सुशील कुमार फरार हो गये थे। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 23 मई 2021 को मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया था। तब सुशील एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी की स्कूटी पर रकम लेने पहुंचे थे। गिरफ्तारी के बाद उनसे उन्हें रेलवे की नौकरी से निलंबित कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अक्टूबर 2022 में कई धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत उनपर आरोप तय किए गए।

दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में सुशील को साजिश का मास्टरमाइंड बताया। पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने कुश्ती जगत में अपना दबदबा कायम करने के लिएही ये हमला करवाया। वहीं सुशील ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे पहले ही साढ़े तीन साल जेल में रहे हैं। मुकदमे में अब तक 222 में से केवल 31 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। इन्हीं आधारों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें जमानत दी थी, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि सुशील कुमार ने बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में रजत पदक जीता था। वहीं एशियाई खेलों में उनके नाम स्वर्ण पदक है। इसके अलावा भी इस पहलवान के नाम कई कुश्ती स्पर्धाओं में पदक हैं।

शमी के भारत-वेस्टइंडीज सीरीज से वापसी करने की उम्मीदें

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं हालांकि इससे पहले उन्हें दिलीप ट्रॉफी में अपनी फिटनेस साबित करने के साथ ही बेहतर प्रदर्शन भी करना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई के अधिकारी ने , शमी का टेस्ट करियर खत्म नहीं हुआ है. लेकिन अब सबकुछ उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेगा। 28 अगस्त से शुरु हो रही दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर हमारी नजरें रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी फिटनेस देखनी होगी वे रणजी मैचों में एक स्पेल में तीन-चार ओवर गेंदबाजी करते थे और मैदान से बाहर चले जाते थे इसलिए यह देखना होगा कि उनका शरील लंबे स्पेल के लिए कितना तैयार हुआ है। यह उनके साथ सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है।' शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मैच दो साल पहले खेला था। इसके बाद उन्होंने एकदिवीसय में वापसी तो की पर इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में उन्हें जगह नहीं मिली थी। शमी ने अंतिम बार टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेला था, जो जून 2023 में खेला गया था। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस मैच में 4 विकेट लिए थे। इसके बाद शमी को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के लिए आराम दिया गया था। वह चोटिल होने के कारण 5 टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाए। जब भारतीय टीम जून में इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई तब बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने शमी से बात की थी पर उन्हें अपनी फिटनेस पर भरोसा नहीं था। इसी कारण उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था।

कप्तान शुभमन के दिलीप ट्रॉफी में खेलने से अच्छा संकेत जाएगा : गावस्कर

मुम्बई,13 अगस्त (एजेंसियां)।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य खिलाड़ियों के घरेलू क्रिकेट में खेलने के फैसले की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा है कि घरेलू क्रिकेट में शुभमन के खेलने से अन्य क्रिकेटरों को भी एक अच्छा संकेत जाएगा। गावस्कर ने बांग्लादेश दौरा स्थगित होने के बाद उसकी जगह टीम को श्रीलंका नहीं भेजने के क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले को भी सही कदम बताया है। श्रीलंकाई बोर्ड ने भारतीय टीम को दौरे पर भेजने का प्रस्ताव दिया था पर बोर्ड ने स्वीकार नहीं किया।

बीसीसीआई के श्रीलंका टीम न भेजने के फैसले को भी सही बताया

गावस्कर ने लिखा, यह अच्छा है। बांग्लादेश का दौरा अगले साल तक के लिए स्थगित होने के बाद भी बीसीसीआई टीम को सफेद गेंद सीरीज के लिए इस महीने श्रीलंका भेजे जाने के लालच में नहीं आया। ऐसा करके बोर्ड ने घरेलू क्रिकेट को महत्व दिया है जो एक सकारात्मक बात है। अब अधिकतर बड़े खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसमें शुभमन उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करेंगे। यह इस टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा रहेगा। इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध होकर कप्तान ने टीम के दूसरे सदस्यों को भी इसमें खेलने के स्पष्ट संकेत दे दिये हैं।

दलीप ट्रॉफी इस महीने से शुरू हो रही है। इसके साथ ही इस साल के घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार जब जब कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम न हो और फिटनेस का मसला न हो तो सभी क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा।

अंपायर धर्मसेना भी हुए सिराज के प्रशंसक

कोलंबो। श्रीलंकाई अंपायर कुमार धर्मसेना ने भी भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की प्रशंसा की है। धर्मसेना भारत- इंग्लैंड सीरीज में अंपायर थे। ओवल टेस्ट में जिस प्रकार सिराज ने जैक क्रॉली को धीमी यॉर्कर पर बोल्ड किया था उसकी सभी ने प्रशंसा की थी पर धर्मसेना सबसे अधिक प्रभावित अंतिम विकेट के तौर पर गस एटकिंसन को की गयी गेंद पर हुए थे। उनका कहना है कि वह इस प्रकार की गेंदबाजी देखकर वह अपने को खुशकिस्मत मान रहे हैं। सिराज ने अपनी यॉर्कर से एटकिंसन का ऑफ स्टंप उड़ा दिया था। उसकी एक तस्वीर को सोशल मीडिया में भेजते हुए धर्मसेना ने लिखा, बहुत भाग्यशाली हूं कि सबसे अच्छी जगह से इस गेंद को देखा। ओवल टेस्ट के अंतिम दिन गस एटकिंसन के आउट होने के साथ ही भारतीय टीम ने मुकाबला जीत लिया था। एटकिंसन गंभीर रूप से चोटिल क्रिस वोक्स के साथ इंग्लैंड को जीत के करीब ले जा रहे थे। एटकिंसन 17 रन बनाकर खेल रहे थे और उन्होंने एक छक्का भी लगाया था। सिराज ने अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर एंटकिंसन का ऑफ स्टंप गिराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। सीरीज का दूसरा 5 विकेट हॉल। आखिरी टेस्ट में वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। सिराज ने सीरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट झटके। उनके लिए यह इंग्लैंड दौरा बहुत ही खास और यादगार रहा।

ईडी के सामने पेश हुए सुरेश रैना

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना बुधवार को ऑनलाइन बेटिंग ऐप (अवैध सट्टेबाजी) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। ईडी ने रैना को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। जिसके बाद ही वह पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय पहुंचे। रैना इस ऑनलाइन बेटिंग ऐप के ब्रांड एंबेसडर हैं और ईडी इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। पुलिस ने यह भी पाया है कि ये ऐप्स सीधे तौर पर कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

ईडी के अनुसार रैना का नाम इस मामले में उनके कुछ विज्ञापनों और एंडोर्समेंट्स के कारण जोड़ा जा रहा है। ईडी की टीम ने पूछताछ में रैना से ऑनलाइन ऐप के साथ उनके संबंधों, एंडोर्समेंट डील और किसी भी वित्तीय लेन-देन की पूरी जानकारी मांगी है। यह पूछताछ 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत हुई।

जांच में यह सामने आया है कि जब ऐप यूजर द्वारा पेमेंट की जाती थी तो रोजाना रिसीवर का नाम और ब्यौरा बदल जाता था, लेकिन बाद में पैसा ऑनलाइन ऐप अकाउंट में पहुंच जाता था। इसी कारण ईडी को संदेह हुआ। इस ऐप के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा था।

इस प्रकार से जुड़े मामलों में रैना के अलावा कई अन्य हस्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईडी की जांच का दायरा कई करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी तक फैला हुआ है। जांच एजेंसी इन प्लेटफॉर्म्स के सभी प्रमोटर्स और उनसे जुड़े तमाम लोगों से पूछताछ कर रही है।

वहीं यह प्लेटफॉर्म अपने को कौशल-आधारित खेलों की मेजबानी करने वाला प्लेटफॉर्म बताता है, पर इनमें ऐसे एल्गोरिथम का इस्तेमाल किया गया है, जो मौजूदा भारतीय कानूनों के तहत उन्हें जुए की श्रेणी में रखते हैं। ऑन लाइन ऐप ने भी रैना को गेमिंग एम्बेसडर बनाते हुए उन्हें जिम्मेदारर एंबेसडर बताया था।

वहीं ईडी की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि रैना के खिलाफ कोई सीधा आपराधिक मामला दर्ज किया गया है या उनसे फिलहाल सिर्फ जानकारी के लिए पूछताछ की गई है। इससे पहले भी ही कई मशहूर हस्तियों का नाम सामने आ चुका है जिनसे पूछताछ हुई है। सोमवार को एक्टर राणा दग्गुबाती फिल्म की व्यस्तताओं के कारण 23 जुलाई को जारी अपने समन को स्थगित करने की मांग के बाद हैदराबाद में ईडी के सामने पेश हुए थे। मई में तेलंगाना पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के प्रचार से कथित संबंध के आरोप में दग्गुबाती और प्रकाश राज समेत 25 प्रसिद्ध अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ और भी लोगों को नोटिस जारी किए जा सकते हैं। ईडी एफआईआर में कई अन्य हस्तियों के वित्तीय लेनदेन और डिजिटल ट्रेल्स की भी जांच कर रही है, जिनमें अभिनेता मांचू लक्ष्मी, निधि अग्रवाल, अनन्या नागल्ला और टेलीविजन एंकर श्रीमुखी शामिल हैं।

रोजर बिन्नी का सितंबर तक बीसीसीआई अध्यक्ष रहना तय

मुम्बई,13 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी 70 साल के हो गये हैं। ऐसे में बोर्ड के नियमों के अनुसार उनके आगे अध्यक्ष रहने का फैसला बोर्ड की अगले माह होने वाली आम वार्षिक बैठक (एजीएम) के जरिये तय होगा। इस प्रकार वह सितंबर तक तो अध्यक्ष बने रहेंगे। नियमों के अनुसार राष्ट्रीय खेल विधेयक के पारित होने के बाद अब बोर्ड अध्यक्ष के पद पर 75 साल की उम्र तक रहा जा सकता है। बिन्नी साल 2022 में सौरव गांगुली की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। अगर बीसीसीआई की राज्य इकाइयों उनके नाम पर तैयार होती हैं तो बिन्नी 75 वर्ष की आयु तक बोर्ड अध्यक्ष रह सकते हैं।

वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया, 'बिन्नी सितंबर में होने वाली बोर्ड बैठक तक पद पर बने रहेंगे। उन्हें नया कार्यकाल मिलेगा या नहीं, यह इस बात से तय होगा कि बीसीसीआई के सदस्य और उससे जुड़े अन्य लोग क्या फैसला लेते हैं। बीसीसीआई राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में आएगा पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम बोर्ड पर लागू नहीं होगा क्योंकि उसे केन्द्र सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलता। बीसीसीआई की कानूनी टीम भी अब विधेयक का अध्ययन कर रही है। वहीं एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रीय खेल विधेयक अभी-अभी पारित हुआ है, इसलिए हमारे पास कोई भी फैसला लेने से पहले इसका अध्ययन करने और चर्चा करने के लिए कुछ समय है।' उन्होंने साथ ही कहा, 'निश्चित रूप से विधेयक में चर्चा के लिए अन्य बिंदु भी हैं और सीनियर खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ सहित सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा।

डीपीएल 2025 : ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने पुरानी दिल्ली 6 को आखिरी ओवर में हराया

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे संस्करण के एक रोमांचक मुकाबले में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरानी दिल्ली 6 को पांच विकेट से हराया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राइडर्स ने धमाकेदार शुरुआत की। ओपनर अर्पित राणा और सुजल सिंह ने पहली गेंद से ही दबदबा बनाया और 149 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। अर्पित ने 52 गेंदों पर आतिशी 87 रन बनाए, जबकि सुजल ने 46 गेंदों पर 59 रन की पारी खेली। हालांकि, 17वें ओवर में मैच ने करवट ली जब पुरानी दिल्ली 6 के गेंदबाजों ने ताबड़तोड़ प्रहार करते हुए दोनों सेट बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और स्कोर 149/0 से 160/5 कर दिया। लेकिन नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए मयंक रावत ने नाबाद 22 रन (10 गेंद) बनाकर टीम को 19.4 ओवर में जीत दिलाई। इससे पहले, पुरानी दिल्ली 6 ने 182/8 का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। प्रणव पंत ने 41 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली, जबकि समार्थ सेठ (35 रन, 23 गेंद) और कप्तान वंश बेदी (28 रन, 11 गेंद) ने तेजतर्रार योगदान दिया।

आईटीआर की डेडलाइन खत्म होने के बाद भी बिना जुर्माना भरे कर सकेंगे टीडीएस रिफंड का दावा

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां)।

इनकम टैक्स टीडीएस और पीएफ में लोगों को समझने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कुछ लोग टीडीएस को ही पीएफ समझते हैं, तो कुछ को पता ही नहीं होता है कि टीडीएस एक इनकम टैक्स की तरह ही है। यही नहीं सबसे बड़ी दिक्कत तब आती है जब इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तारीख निकल जाती थी और लोग टीडीएस रिफंड का दावा करते थे, लेकिन इसमें या तो आप पर जुर्माना लगता था या फिर आपको

नया इनकम टैक्स विधेयक लोकसभा में पास, करदाताओं को मिलेगी राहत

पैसा नहीं मिल पाता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी दिक्कतों को दूर करने के लिए सरकार नया इनकम टैक्स बिल लेकर आ रही है, जिससे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। यह नया इनकम टैक्स बिल बेहद आसान होगा, ताकि आम जनता इसे समझ सके। बता दें इनकम टैक्स विधेयक लोकसभा में पास हो गया है। संसद ने मंगलवार को नए आयकर विधेयक को पारित कर दिया है। अब इस बिल को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। यह नया विधेयक करीब 64 साल पुराने आयकर विधेयक 1961 की जगह लेगा। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने बताया कि देर से आईटीआर भरने वालों के लिए नए बिल में राहत दी गई है जैसे- अभी तक पुराने बिल में ड्यू डेट के बाद इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने पर रिफंड नहीं मिलता था। अब नए बिल में कोई भी व्यक्ति जिसका टीडीएस कटता है और उसने पिछले चार सालों में अगर इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं किया है, तो अब वह इसे फाइल कर सकता है। उसका उसे पूरा रिफंड मिलेगा, उसके ऊपर कोई जुर्माना भी नहीं लगेगा। अब आप देर से आईटीआर फाइल करके भी अपना रिफंड पा सकेंगे। बता दें 1961 के आयकर विधेयक में करदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन निकल जाने के बाद रिफंड नहीं मिलता था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक करोड़ से ...

8 अगस्त को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से इस बात के लिए स्पष्टीकरण मांग लिया कि उन्होंने उन्होंने चुनाव आयोग को यह क्यों लिखा कि पश्चिम बंगाल एसआईआर के लिए तैयार है। बंगाल में आखिरी बार वर्ष 2002 में एसआईआर हुआ था और उसी के आधार पर 2004 की मतदाता सूची तैयार की गई थी। अब जब 22 साल बाद फिर से एसआईआर की तैयारी है, लेकिन उसकी पेशबंदी में विरोध शुरू हो गया है।

7 अगस्त 2025 को प्रकाशित रिसर्च पेपर (इलेक्टोरल रॉल इन्फ्लेशन इन वेस्ट बंगालः अ डेमोग्राफिक रीकंसट्रक्शन ऑफ लेजिटिमेट वोटर काउंट्स) यह दिखाता है कि पश्चिम बंगाल की 2024 की वोटर लिस्ट में लगभग 1 करोड़ फर्जी नाम हो सकते हैं। यह 13.69 प्रतिशत का वोटर इन्फ्लेशन है। यह रिसर्च आईआईएम विशाखापत्तनम के डॉ. मिलन कुमार, एसपी जैन और डॉ. विधु शेखर ने किया है। उन्होंने सरकारी आंकड़ों जैसे कि वोटर लिस्ट, जनगणना और सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया और हर चरण पर रक्षात्मक तरीका अपनाया, ताकि अनुमान नीचे रहे। शोध पत्र में कहा गया है, हम सभी पात्र युवाओं के पूर्ण पंजीकरण को मानते हैं, उच्च उत्तरजीविता संभावनाओं को लागू करते हैं, और हालिया वृद्धि के बजाय दशकीय रुझानों के आधार पर प्रवासन का मॉडल तैयार करते हैं। इससे हमें वैध मतदाता आबादी का एक निम्न-सीमा अनुमान लगाने में मदद मिलती है। फिर हम इस आंकड़े की तुलना 2024 के लिए चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित आधिकारिक मतदाता सूची से करते हैं।

यह शोध 2024 तक पश्चिम बंगाल में वैध मतदाता आबादी के अनुभवजन्य अनुमान तीन चरणों में प्रस्तुत करता है: (1) 2004 की मतदाता सूची से बचे लोगों का अनुमान, (2) 1986 और 2006 के बीच जन्मे नए मतदाता समूहों से जुड़ाव, और (3) शुद्ध स्थायी प्रवास के लिए समायोजन। इसके बाद शोधकर्ताओं ने मतदाता सूची में अनुमानित अधिशेष की गणना करने के लिए परिणामों का संश्लेषण किया। 2004 की मतदाता सूची में 4.74 करोड़ पंजीकृत मतदाता दर्ज थे। शोध में इस जनसंख्या को छह आयु समूहों में विभाजित किया गया और 2001 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करते हुए, आयु-विशिष्ट 20-वर्षीय उत्तरजीविता दरों का उपयोग किया गया। इन अनुमानों से 2004 की मतदाता सूची के अनुसार, अनुमानित 3.74 करोड़ जीवित मतदाता प्राप्त होते हैं।

इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि 2004 और 2024 के बीच लगभग 3.01 करोड़ नए पात्र व्यक्ति नामांकित होंगे। इसके बाद, शोध ने 2001 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करके स्थायी बाहरी और आंतरिक प्रवास का अनुमान लगाया। विश्लेषण में पाया गया कि 2001 और 2011 के बीच पश्चिम बंगाल में प्रवासियों की कुल संख्या में गिरावट आई है। 2001 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करते हुए तथा सीएजीआर के माध्यम से अनुमान लगाते हुए शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि इस अवधि के दौरान पश्चिम बंगाल से कुल 17.86 लाख व्यक्तियों का स्थाई प्रवास हुआ।

विश्लेषण के अनुसार, वैध मतदाताओं की अनुमानित संख्या (2024) 6,57,06,849 है, जबकि आधिकारिक मतदाता सूची (2024) के अनुसार मतदाताओं की संख्या 7,61,24,780 है। यह अनुमानित 1,04,17,931 मतदाताओं का अधिशेष दर्शाता है, जो प्रतिशत के हिसाब से 13.69 प्रतिशत है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने जानबूझकर ऊंची सर्वाइवल रेट, ज्यादा पंजीकरण और धीमी माइग्रेशन रेट मानी, ताकि कम से कम फर्जीवाड़ा दिखे, फिर भी इतना बड़ा अंतर मिला। इसका मतलब है कि असल वोटर इन्फ्लेशन इससे भी ज्यादा हो सकता है।

इस रिसर्च के अनुसार, इतने ज्यादा फर्जी नाम होने से चुनावों की निष्पक्षता पर खतरा पैदा होता है, क्योंकि कई सीटों पर जीत का अंतर इससे छोटा होता है। इसका फायदा धोखाधड़ी, फर्जी वोटिंग और राजनीतिक गड़बड़ी में उठाया जा सकता है। रिसर्च सुझाव देता है कि वोटर लिस्ट को आधार, सिविल रजिस्ट्रेशन और माइग्रेशन डेटा से जोड़ा जाए। एल्गोरिदम से ऑटोमेटिक चेकिंग हो जैसे 100 साल से ऊपर के हजारों वोटर, एक ही व्यक्ति के कई रजिस्ट्रेशन आदि और हर तीन महीने में जनसांख्यिकीय ऑडिट हो।

पश्चिम बंगाल और ऐसे राज्य जहां पिछले कई सालों से एसआईआर नहीं हुई है, वहां घर-घर जाकर वोटर वेरिफिकेशन होना चाहिए। पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में 2024 में 13.69 प्रतिशत यानी 1 करोड़ से ज्यादा फर्जी नाम हो सकते हैं। यह चुनाव की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाता है और जरूरी है कि सरकार व चुनाव आयोग इस पर तुरंत और सख्त कदम उठाए।

मतदाता सूची...

वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की इस दलील के बावजूद कि आधार को स्वीकार न करना अनुचित था, लेकिन अन्य दस्तावेजों के विकल्प भी दिए गए थे, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रक्रिया वास्तव में सबको साथ में लेकर चलने वाली है। इससे पहले 12 अगस्त को शीर्ष अदालत ने कहा था कि मतदाता सूची में नागरिकों या गैर-नागरिकों को शामिल करना या बाहर करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर में आधार और मतदाता कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं करने के अपने रुख को दोहराया।

पीएम मोदी ट्रंप...

हालांकि, संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस के लिए वक्ताओं की सूची अभी प्रारंभिक है। अगले कुछ हफ्तों में कार्यक्रमों और वक्ताओं में बदलाव की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वर्ष का सबसे व्यस्त राजनयिक सत्र माना जाने वाला यह सम्मेलन हर साल सितंबर में शुरू होता है। इस साल यह सत्र इज़राइल-हमास युद्ध और यूक्रेन संघर्ष के बीच आयोजित हो रहा है।

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले ही यह सवाल उठने लगा है कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे या नहीं। विशेषज्ञों का आकलन है कि पीएम मोदी की (संभावित) मुलाकात में व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने से लेकर एक टैरिफ पर सहमति बनाना शामिल होगा। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद सुलझने में कई पहलुओं की भूमिका होगी। इनमें रूस यूक्रेन युद्ध और दूसरा भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता शामिल है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत की नजर 15 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात पर है।

ट्रंप और पुतिन के बीच मुलाकात के पहले ही पीएम मोदी ने व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बात की है। भारत ने दोनों देशों के नेताओं को यह बात बता दी है कि संघर्ष का समाधान ही भारत के हित में है। व्यापारिक समझौते के पहलू की बात करें तो भारतीय और अमेरिकी वार्ताकार समझौते पर पहुंचने के करीब थे लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वार्ताकारों के बीच हुए समझौते से खुश नहीं थे। ऐसे में वार्ताकारों को सौदे की शर्तों पर आगे चर्चा करनी होगी और उन्हें नई शर्तें पेश करनी होंगी क्योंकि रेड लाइन खींच दी गई है। दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार के नए लक्ष्य यानि मिशन 500 पर केंद्रित हैं, जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी ज़्यादा बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि इसी साल फरवरी में पीएम मोदी ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। दोनों ही इस बात पर भी सहमत हुए थे कि ट्रेड की महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए उन्हें नए निष्पक्ष व्यापार नियमों की आवश्यकता होगी और उन्होंने इसी साल पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा भी की थी। एक व्यापक बीटीए को संपन्न करने के लिए अमेरिका और भारत ने माल और सेवा क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत और गहरा करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की सहमति जताई थी। इसके अलावा दोनों ही एक दूसरे के बाजार तक पहुंच को विस्तार देने के साथ ही टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने तथा सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति हुए थे।

6 महीने पहले जो सहमति हुई थी वह पूरा प्लान ही अब मुश्किल दौर से गुज़र रहा है। अधिकारियों और वार्ताकारों को सितंबर के आखिरी हफ़्ते तक मुद्दों को सुलझाकर किसी समझौते पर पहुंचना होगा। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा में सभी ज़रूरी बातों पर सहमति बनने की उम्मीद है। अब इस यात्रा को निर्धारित करने के लिए, पहले कदम के तौर पर, भारतीय पक्ष ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के लिए एक भाषण समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है। फिलहाल यह 26 सितंबर की सुबह के लिए निर्धारित किया गया है। ट्रंप 23 सितंबर को भाषण देंगे।

बलूचिस्तान के...

हमलों और हाल में कराची और ग्वादर में आत्मघाती हमलों के आधार पर लिया गया है।

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने इस निर्णय की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बलूच आतंकी नहीं, बल्कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के शिकार हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बलूच नेताओं को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया गया है। महरंग बलूच, बेबर्ग जेहरी जैसे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया गया है। इधर पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं और सार्वजनिक रूप से लोगों के एक जगह इकट्ठे होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम बलूचों की आवाज दबाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ऐसी अनेक रिपोर्ट हैं कि बलूच नेताओं को जेलों में बिना आरोप के रखा गया है, जहां से उन्हें जमानत तक नहीं लेने दी जा रही है, उन्हें उनके परिवारों से मिलने नहीं दिया गया है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी साल 2000 के दशक में अस्तित्व में आई थी। यह संगठन पाकिस्तान से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग करता है। इस संगठन की फिदायीन इकाई, मजीद ब्रिगेड नौजवान बलूचों को कड़ा प्रशिक्षण देकर फिदायीन हमलों के लिए तैयार करती है। इसका नाम बलूच स्वतंत्रता सेनानियों लांगो और मजीद के नाम पर रखा गया है। बलूच समुदाय से शरी बलूच, सुमैया कलंदरानी जैसी महिलाएं भी मजीद ब्रिगेड में शामिल हैं, जो बलूच आंदोलन में एक नया मोड़ आने का संकेत देता है।

बलूच नेता मीर यार बलूच ने कहा है कि बलूच लोगों ने कभी अमेरिकी हितों पर हमला नहीं किया। इसके उलट, पाकिस्तान ने आतंकवादियों को पनाह दी और अमेरिका विरोधी रैलियां आयोजित कीं। इस ओर पाकिस्तान का दोहरा रवैया रहा है। बलूच कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को बढ़ावा देता है, लेकिन बलूचों को आतंकी घोषित कर लोकतांत्रिक आवाज को दबाना चाहता है।

उधर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के हमलों ने चीन को भी चिंतित किया हुआ है। पिछले दिनों जाफर एक्सप्रेस के अपहरण ने चीन को आतंकवाद विरोधी सहयोग की पेशकश करने पर मजबूर किया था। बलूचिस्तान में पाकिस्तान का दमन और अमेरिका द्वारा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकी संगठन घोषित करना एक जटिल अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य बन गया है। जहां पाकिस्तान इसे अपनी कूटनीतिक जीत मानता है, वहीं बलूच कार्यकर्ता इसे अन्यायपूर्ण और दोहरे मानदंडों का उदाहरण बताते हैं। बलूच आंदोलन अब सिर्फ एक इलाकाई विद्रोह नहीं, बल्कि मानवाधिकार, लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय न्याय मांगता आंदोलन बन चुका है।

बलूचिस्तान वो इलाका है जो पाकिस्तान को ईरान और अफगानिस्तान से जोड़ता है। बलूचिस्तान को अलग देश बनाने की मांग होती है। ये पाकिस्तान का सबसे बड़ा हिस्सा है। पाकिस्तान ने बलूचियों के साथ काफी दुर्व्यवहार किया जाता रहा है। पाकिस्तानी फौज की दमनकारी नीति, आर्थिक और सामाजिक शोषण की वजह से बलूचिस्तानी की आजादी की मांग को लेकर बलूच लिबरेशन आर्मी का गठन किया गया। इससे जुड़ा माजिद ब्रिगेड भी है। 1948 में पाकिस्तान ने इस प्रांत को अपने में मिला लिया था। ये पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, लेकिन आबादी सबसे कम है। 2023 की जनगणना के मुताबिक पाकिस्तान की आबादी करीब 24 करोड़ है, लेकिन बलूचिस्तान की आबादी मात्र 1.5 करोड़ है।

बलूच 1948 से ही पाकिस्तान से आजादी की मांग करते आ रहे हैं। उनके राजा को धोखा देकर पाकिस्तान ने इलाके पर कब्जा किया था। दरअसल जब भारत का बंटवारा हुआ और प्रांतों को भारत या पाकिस्तान या फिर आजाद रहने का विकल्प दिया गया तो बलूचिस्तान ने फैसला नहीं लिया था कि उसे किसके साथ जाना है या अलग मुल्क बन कर रहना है। स्थिति का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने राजा अहमद यार खान को मजबूर किया कि वह पाकिस्तान में अपने रियासत कलात का विलय कर दें। हालांकि इसके खिलाफ पहला विद्रोह 1948 में ही हो गया था।

तिलक देवाशर की किताब द बलूचिस्तान कोरंड्रम के अनुसार, कलात के खान ने अंग्रेजों से कहा था कि वह आजाद रहना चाहते हैं। इसको लेकर दस्तावेज भी अंग्रेजों द्वारा भेजे गए कैबिनेट मिशन को दिए थे। मजे की बात यह है कि इस काम में मोहम्मद अली जिन्ना ने उनकी सहायता की थी। जिन्ना कलात के खान के वकील थे। कलात के खान और कलात के प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री की 1947 में बलूचिस्तान के भविष्य को लेकर बैठक हुई थी। हमद यार खान ने कहा कि पाकिस्तान में शामिल होना जनता के विरोध के कारण चुनौतीपूर्ण था। इसके अलावा भारत वाले विकल्प को पाकिस्तान की चिंताओं पर नकार दिया गया था।

अहमद यार खान ने दावा किया कि नेहरू उनसे नफरत करते थे और कांग्रेस ने कभी उन पर भरोसा नहीं किया। कलात के विदेश मंत्री डगलस येट्स फेल ईरान में शामिल होने के पक्ष में थे। उन्होंने इसे बलोच एकता के लिए फायदेमंद करार दिया था। गौरतलब है कि बड़ी बलोच आबादी ईरान में रहती है। हालांकि, कलात के खान अफगानिस्तान में भी शामिल होने के पक्ष में थे लेकिन इस पर भी नहीं बात बन पाई। अंत में लंदन वाला विकल्प भी नकार दिया गया। इसके बाद कलात के खान के पास कोई विकल्प शेष नहीं बचे थे। इसी बीच पाकिस्तान ने लासबेला, मकरान और खरान को मिला लिया। अब कलात बीच में फंस गया और उसके पाकिस्तान में मिलने के सिवा कोई चारा न रहा। बलूच के पाकिस्तान में मिलने में नेहरू के ढीलेढाले रवैये का अहम रोल था।

बलूचियों का कहना है कि पाकिस्तानी सरकार ने अब तक सिर्फ इस प्रांत को लूटा है और लोगों की उपेक्षा की है। मिनरल्स से भरपूर इस प्रांत में कोयला,सोना, तांबा, गैस की बहुतायत है। फिर भी पाकिस्तान जैसे भिखारी देश का ये सबसे गरीब इलाका है। आज भी पाकिस्तान का सबसे बड़ा बंदरगाह ग्वादर इसी क्षेत्र में है। ये चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी के लिए काफी अहम है। बलूचिस्तान के सुई इलाके में 1950 के ही दशक में गैस का पता चला था। इस गैस की लूट मचा दी गई। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में इस गैस की सप्लाई नहीं दी बल्कि पंजाब और सिंध तक पहुंचाई। यहां तक कि 1990 का दशक आते-आते यह गैस लगभग खत्म हो गई। इसके बाद पाकिस्तान के हुक्मरानों ने बलूचिस्तान में जमीन बेच दी। वर्तमान में बलूचिस्तान का ग्वादर बंदरगाह और एयरपोर्ट चीन के अधीन है। स्थानीय लोग इसका विरोध करते हैं।

बलूचिस्तान में अयस्क और खनिज भरे हुए हैं। पाकिस्तान ने यह भी चीन को लगभग बेच दिए हैं। इससे भी बलोच लोगों में गुस्सा है। बलूचिस्तान में स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पाकिस्तान ने नहीं पहुंचाई हैं। ऐसे में विद्रोह के लिए लोग मजबूर हो रहे हैं। बलोच महिलाएं भी इस विद्रोह में शामिल हैं। इन महिलाओं को पाकिस्तानी फौज ने अत्याचार का शिकार बनाया है। पाकिस्तान द्वार कब्जा कर लिए जाने के बाद बलूचियों ने अलग राष्ट्र की स्थापना के लिए संघर्षरत रहे हैं। इनका कहना है कि प्रांत के संसाधनों का बड़ा हिस्सा उनके प्रांत के काम आना चाहिए। 2000 के दशक में बलूचिस्तान की आजादी की मांग को लेकर बीएलए यानी बलूच लिबरेशन आर्मी की स्थापना की गई। बलूच राष्ट्रवादी नेता नवाब खैर बख्श मर्री के बेटे बलाच मर्री ने इसकी स्थापना की।

बलूचिस्तान में विद्रोह को दबाने के लिए पाकिस्तानी फौज ने प्रदर्शन करने वाले निर्दोष बलूचों पर हवाई हमले किए। उनपर गोलियां बरसाईं। 2006 में बलूच के बड़े नेता नवाब अकबर बुगती की हत्या पाकिस्तानी फौजी शासक परवेज मुशर्रफ ने करवा दी। उनके शव तक को परिवार को नहीं सौंपा। इसके बाद बलोच और भी भड़क गए। पाकिस्तानी सरकार एक के बाद एक बलूची नेताओं की हत्या करने लगे। एक साल बाद बलूची नेता बलाच मरी की भी हत्या कर दी गई। पाकिस्तानी हुक्मरान ने बीएलए पर प्रतिबंध लगा दिया। ये विद्रोह 2005 में उस वक्त और ज्यादा भड़क गई जब बलूचिस्तान में तैनात एक फौज के मेजर ने एक बलोच लड़की के साथ बलात्कार किया। उस पर कार्रवाई करने के बजाय परवेज मुशर्रफ ने उसे बचाया और बलोच लोगों को धमकाया।

बीएलए प्रतिबंध के बावजूद पूर्ण स्वतंत्रता की मांग को लेकर संघर्ष कर रहा है। बशीर जैब बलूच बीएलए ने फिलहाल नेतृत्वकर्ता माने जाते हैं। संगठन में महिलाओं को भी शामिल किया गया है। माजिद ब्रिगेड का नेतृत्व हम्माल रेहान के हाथों में है। संगठन की ट्रेनिंग में रहमान गुल बलूच का अहम रोल है। वो पाकिस्तानी फौज के पूर्व अधिकारी हैं। बीएलए चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी का विरोधी है। संगठन का मानना है कि ये आर्थिक शोषण के लिए बनाया गया है। इसलिए पाकिस्तान में हुए कई हमलों को बीएलए ने अंजाम दिया है। 2024 में कराची हवाई अड्डा और ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण के परिसर में हमला शामिल है। 2025 में क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर बीएलए ने किया था। 2018 में पाकिस्तान स्थित चीन के वाणिज्य दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी संगठन ने ली थी। बलूचिस्तान में 5 बार बड़े विद्रोह की आग भड़क चुकी है। अगर 1980-90 का दशक छोड़ दिया जाए तो अब तक लगातार हर दशक में बलूच विद्रोही उठ खड़े हुए हैं। वर्तमान में बलूचिस्तान में चल रही लड़ाई की चिंगारी 2005 में भड़की थी। तब से पाकिस्तानी फौज के साथ बलूच लिबरेशन आर्मी की टक्कर होती रहती है।

ट्रंप के दंभ को...

यह तल्खी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद हुई है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने और यूक्रेन युद्ध को कथित तौर पर बढ़ावा देने के चलते भारत पर टैरिफ लगाया है। साथ ही अमेरिकी सरकार इन दिनों पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने में जुटी है। ऐसे में भारत भी अपने सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के रूस दौरे पर दोनों देशों के बीच सैन्य तकनीक सहयोग से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। भारत स्थित रूसी दूतावास ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

सरला भट्ट...

सरला कश्मीर के सौरा स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में नर्स के रूप में कार्यरत थीं। आतंकी उन्हें उठाकर ले गए। पांच दिन बाद सड़क पर उनका शव पड़ा मिला था।

वह 14 अप्रैल 1990 का दिन था, जब सरला भट्ट एसकेआईएमएस के हब्बा खातून हॉस्टल से आतंकियों ने उनका अपहरण कर लिया। सरला भट्ट का पांच दिन तक कुछ पता नहीं लगा। उनके साथ गैंगरेप किया गया। उन्हें बुरी तरह टॉर्चर किया गया। 19 अप्रैल 1990 को उनका क्षत-विक्षत शव सड़क पर पड़ा मिला था। सरला भट्ट के शव के पास एक नोट भी मिला था, जिसमें उन्हें पुलिस का मुखबिर बताया गया था। इस मामले में निगीन पुलिस थाने में एफआईआर (संख्या 56/1990) दर्ज की गई थी। हालांकि, एफआईआर में हिंदू नर्स के साथ रेप का कोई जिक्र तक नहीं है। इस बर्बर मामले में जेकेएलएफ के पूर्व नेता पीर नूरुल हक शाह उर्फ एयर मार्शल का भी नाम सामने आया था। एसआईए को जब सरला भट्ट मामले की जांच सौंपी गई तो जेकेएलएफ का सरगना यासीन मलिक और उसके साथियों के खिलाफ काफी सबूत मिले। इसी के आधार पर एसआईए ने यासीन मलिक और उसके गुर्गों के घरों पर छापेमारी की है। यासीन मलिक अभी दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद है।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने अदालत से यासीन मलिक को फांसी की सजा सुनाने की मांग कर रखी है। यासीन मलिक पर 1990 में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार में शामिल होने के भी आरोप हैं। सरला भट्ट केवल एकलौता नाम नहीं है, जिनकी बर्बरता से हत्या की गई। 1980-90 तक ऐसे 700 कश्मीरी पंडितों की घाटी में हत्या कर दी गई। ये हत्या कश्मीरी पंडितों के बीच दहशत फैलाने के लिए की गई थी। आतंकी सरेआम हिंदू महिलाओं को घर से उठा ले जाते थे, कई मां-बाप के सामने उनके बच्चों की हत्या हुई, हिंदुओं का मकान चुनकर निशाना बनाया जाता था। इन सब से परेशान होकर उस समय लगभग 3.5 लाख कश्मीरी पंडितों ने घाटी से पलायन किया।

साल 2024 तक कश्मीर घाटी में केवल 728 गैर-प्रवासी पंडित ही बचे हैं। जबकि 2021 में 808 परिवार थे। यानि, कश्मीर पंडितों की हत्या और उनका पलायन अब भी जारी है। द कश्मीर फाइल्स भी कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार और उनके पलायन को दर्शाने वाली फिल्म थी, जिसमें घाटी की असलियत दिखाई गई थी।

भारतीय राजनयिकों...

ऑपरेशन सिंदूर से पहले विक्रेता गैस सिलिंडर व बोतलबंद पानी की आपूर्ति भारतीय उच्चायोग में करते थे, पर अब वे ऐसा करने में हिचकिचा रहे हैं और ज्यादातर बार मना कर देते हैं। पाकिस्तानी कंपनी सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइन लिमिटेड ने भारतीय उच्चायोग परिसर में लगी पाइपलाइन में गैस की आपूर्ति रोक दी है। भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को अधिक पैसे चुकाने के बावजूद सिलिंडर मिलने में दिक्कतें पैदा की जा रही हैं। 2019 में भारत की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को ऐसी ही परेशानियां झेलनी पड़ी थीं।

पाकिस्तान के गैस, पानी और अखबार रोकने का फैसला वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमेटिक रिलेशंस (1961) का उल्लंघन है। कन्वेंशन के आर्टिकल 25 के मुताबिक, मेजबान देश को राजनयिक मिशन के सुचारू काम के लिए सभी सुविधाएं देनी होती हैं। पाकिस्तान ने जानबूझकर ये बुनियादी सप्लाई रोककर मिशन के काम और राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डाली। पाकिस्तान की हरकतें सीधे तौर पर दबाव का माहौल बनाने की कोशिश है।

वसुमान योग में विष्णु भगवान की मेष, कर्क तुला सहीत अन्य राशियों पर बनी रहेंगी कृपा

आज 14 अगस्त, गुरुवार के दिन चंद्रमा से तीसरे भाव में शुक्र और गुरु विराजमान होंगे, चंद्रमा मेष राशि में होंगे। इससे वसुमान योग बन रहा है। ऐसे में विष्णु भगवान मेष, कर्क, तुला और वृश्चिक राशि की जमकर कमाई कराने वाले हैं और इनका पूरा दिन उत्तम रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी डील फाइनल होने से मुनाफा कमाने के नए रास्ते खुलेंगे और कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटें भी दूर होने लगेंगी। रचनात्मक कार्यों में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और व्यापार में नया प्रोजेक्ट मिलने से बड़ा लाभ मिल सकता है। नौकरी करने वालों को भी कुछ नया करने का मौका मिलेगा और लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और आर्थिक स्थिति भी मजबूत रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

मेष : बिजनेस में बड़ी डील होगी फाइनल

दिन उत्तम रहने वाला है और बिजनेस में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, समाज में भी मान-सम्मान प्राप्त होगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी और आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है। परिवार के मामले में भी दिन खुशनुमा रहने वाला है और जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र की उलझनें होंगी दूर

व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बना सकते हैं और कहीं यात्रा पर जाने का योग भी बन रहा है, जिससे आपको सुकून महसूस होगा। अगर आप किसी लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ उलझने रहेंगी, लेकिन आप अपनी चतुराई से स्थिति को सामान्य बना लेंगे और पराक्रम में भी वृद्धि होगी। परिवार के शांतिपूर्ण माहौल बना रहेगा।

मिथुन : रचनात्मक कार्यों में बढ़ेंगे आगे

आप रचनात्मक कार्यों में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं और इससे लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आप उसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं, जिसमें आपको सबसे अधिक दिलचस्पी है। इससे मानसिक तनाव कम होगा और आप हर काम को पूरे उत्साह के साथ करेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए आप नई योजनाएं भी बना सकते हैं और इसमें सीनियर का भी सहयोग मिलेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपका दिन अच्छा बीतेगा।

कर्क : कार्यक्षेत्र में अधूरे काम होंगे पूरे

कारोबार और व्यापार के मामले में दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जिस भी प्रोजेक्ट में पूरी मेहनत और लगन के साथ काम करेंगे उसमें सफलता जरूरी प्राप्त होगी। अगर लंबे समय से जरूरी काम अधूरे पड़े थे तो वे भी पूरे होने लगेंगे और कामकाज को लेकर मीटिंग भी हो सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा और आपको अपने सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। निजी जीवन में जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

सिंह : कार्यस्थल पर विरोधियों से रहें सावधान

कामकाज के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। वहीं, आपको कार्यक्षेत्र में अपने कुछ सीनियर और विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत होगी। वरना ये आपके काम में रुकावट डालने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, शाम होते होते परिस्थिति बेहतर होती जाएगी और आपका काम भी सामान्य गति से चलने लगेगा। परिवार के मामले में शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिलेगा।

कन्या : कार्यक्षेत्र में विवादों से रहें दूर

कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में आपको कटु वाणी का प्रयोग करने से बचना होगा और संयम के साथ फैसले लेने होंगे। अपने आसपास चल रहे किसी भी विवाद से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर आत्मविश्वास के साथ कोई भी काम करने से आपको लाभ जरूर मिलेगा और स्थिति भी बेहतर होती जाएगी। परिवार में किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है।

तुला : व्यापार में नया प्रोजेक्ट मिलने से होगा लाभ

दिन लाभदायक रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से कामकाज को लेकर कोई समस्या या विवाद चल रहा था तो वह अब दूर हो सकता है। व्यापार में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है, जिससे मुनाफा कमाने के नए रास्ते खुलेंगे। लेकिन प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक : दिनभर लाभ कमाने के मिलेंगे अवसर

कारोबार के मामले में आपका दिन बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहना होगा। नौकरी और व्यापार के मामले में कुछ बदलाव लाने या नया करने से आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, जिससे आपको भी सुकून महसूस होगा।

धनु : जोखिम भरे फैसलों से लाभ की संभावना

कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी काम पूरी सावधानी के साथ करना होगा, अन्यथा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस के मामले में कुछ जोखिम भरे फैसले लेने से आपको भविष्य में बड़ा लाभ होने की संभावना है। नौकरी करने वाले लोग कुछ नए कामों दिलचस्पी दिखा सकते हैं। किसी नए मौके को पहचानने से लाभ मिल सकता है और परिवार में भी खुशियां आएंगी।

मकर : कार्यक्षेत्र में काम तेजी से होंगे पूरे

अगर आप पार्टनरशिप में बिजनेस चला रहे हैं, तो कोई बढ़ा फायदा मिलने की संभावना है। आपका काम तेजी से पूरा होगा और अधूरे काम भी पूर्ण होने लगेंगे। इसी के चलते आप परिवार में ज्यादा समय बिता सकते हैं और संतान को लेकर भी कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको कई काम एक साथ करने से बचना होगा, अन्यथा तनाव बढ़ सकता है।

कुंभ : व्यापार में लाभ कमाने के मिलेंगे मौके

व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए प्रयास करते रहना जरूरी होगी। जल्दबाजी में फैसले लेने से परेशानी खड़ी हो सकती है। ऐसे में कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला सोच-समझकर ही लें। आपको स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है और परिवार के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है।

मीन : कार्यक्षेत्र में मिल सकते हैं कई लाभ

कार्यक्षेत्र में आपका दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है और व्यापार में जोखिम उठाने से कुछ बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप किसी परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो उसे धैर्य और अपनी मधुर वाणी से दूर कर सकते हैं। नौकरी करने वाले अपनी बुद्धिमानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप संकट में फंसे किसी व्यक्ति भी सहायता कर सकते हैं। परिवार में चल रही समस्याओं को शांति से बैठकर सुलझाना होगा।

पिठोरी अमावस्या 22 को जानिए सही तिथि और महत्व

पिठोरी अमावस्या भाद्रपद मास में आती है। पितृ पूजन, दान-पुण्य के लिए इसका विशेष महत्व है। भाद्रपद मास की अमावस्या तिथि पर आने वाली पिठोरी अमावस्या देशभर में मनाई जाती है। ये उत्तर भारत में कुशाग्रहणी अमावस्या के तौर पर मनाई जाती है। इसके साथ ही इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का भी महत्व है।

भाद्रपद मास की अमावस्या तिथि 22 अगस्त को दोपहर 11.57 बजे लगेगी और 23 अगस्त को 11.37 बजे पूरी होगी। 22 अगस्त को अमावस्या मध्यकाल में लग रही है और उदया तिथि नहीं है, ऐसे में इस दिन पिठोरी अमावस्या मान्य होगी। इस दिन पितृ पूजन, तर्पण, श्राद्ध आदि का महत्व है। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी। इसके साथ ही उनका आशीर्वाद भी मिलता है।

कुशाग्रहणी अमावस्या कब है

इसी तरह 23 अगस्त को सूर्योदय कालीन अमावस्या तिथि लग रही है। ऐसे में इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने, दान पुण्य करने का विशेष महत्व है। इसके साथ ही पितरों के नाम पर जरूरतमंदों को भोजन करा सकते हैं। 23 अगस्त की अमावस्या तिथि को कुशाग्रहणी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस दिन कुश इकट्ठा करने का महत्व है। इस दिन जिनके माता या पिता नहीं होते हैं वे कुश इकट्ठा करते हैं और इसे घर पर लाते हैं। यही कुश पूरे साल पितृ पूजन में काम आता है। इसके अलावा साल के अन्य दिनों में कुश नहीं उखाड़ा जाता है।

पिठोरी अमावस्या का महत्व

पिठोरी अमावस्या पर पितरों का तर्पण करने, श्राद्ध करने का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से दुख दर्द दूर होते हैं। आपकी बाधाएं दूर होती हैं। शनिदेव की पूजा करने का भी महत्व होता है, क्योंकि अमावस्या तिथि शनिदेव को समर्पित होती है। वहीं पिठोरी अमावस्या के दिन गंगा नदी में स्नान करने पापों से मुक्ति मिलती है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में जानें कैसे हुई थी राधा-कृष्ण के शाश्वत प्रेम की शुरुआत

राधा-कृष्ण का प्रेम अपने आप में अनूठा है। आज भी जब प्रेम की मिसाल दी जाती है तो राधा और कृष्ण का नाम लिया जाता है। भगवान की इस दिव्य प्रेम लीला का वर्णन ब्रह्मवैवर्त पुराण में मिलता है जहां राधा-कृष्ण की पहली मुलाकात से लेकर उनके बीच के संवाद को विस्तार से बताया गया है। नटखट किशोर जी व्रज में भोली-भाली किशोरी जी से मिलते हैं और यमुना तट पर लीला करते हैं। मन ही मन श्रीकृष्ण को अपनामान चुकी राधा जी चुपचाप मिलने आती हैं। यह सिलसिला लंबा चलता है। ऐसे में जन्माष्टमी के मौके पर आइये जानते हैं राधा-कृष्ण के शाश्वत प्रेम की पवित्र कहानी।

वृषभानु और नंदजी के यहां बड़े हुए राधा-कृष्ण

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, नंदजी एक बार बाल गोपाल श्रीकृष्ण को वन में ले जाते हैं और वहां मौजूद राधाजी की गोद में दे देते हैं। इसके बाद राधाजी कान्हा जी को लेकर वन में जाती हैं और वहां श्रीकृष्ण बाल रूप से किशोर रूप में आते हैं। यहां पर ब्रह्माजी ने दोनों का वैदिक विधि से विवाह कराया। फिर श्रीकृष्ण भगवान बाल रूप में आए और राधाजी ने नंदजी को उन्हें सौंप दिया। इसके बाद योगमाया से राधा-कृष्णजी ने अपनी इन बातों को भुला दिया। और कान्हाजी नंदभवन में रहने लगे और राधाजी बाल्यावस्था में वृषभानु जी के यहां बड़ी होने लगीं।

यमुना तट पर हुई दोनों की पहली मुलाकात

समय बीतता गया, जब दोनों किशोरावस्था में पहुंचे। तो राधाजी को श्रीकृष्ण के बारे में पता चला तो उनके मन में सिहरन होने लगती। उनके कानों को कृष्ण-कृष्ण की ध्वनि प्यारी लगने लगती। वह उनकी बांसुरी की आवाज सुनती तो खुशी से झूम उठतीं। एक दिन राधाजी यमुना के किनारे पहुंचीं। नीली साड़ी पहने छोटी सी, गोरी सी, सुंदरी सी मां राधा रानी अकेले ही बैठी थीं कि कान्हा जी वहां पहुंचे। कान्हा जी ने उनसे पूछा कि वह कहां रहती हैं। तब उन्होंने उन्हें बताया कि वह बरसाने में रहती हैं। तब कान्हाजी ने उनसे उनके पिता का नाम पूछा। राधाजी बोलीं- वह अपने पिता का नाम नहीं ले सकती हैं। लेकिन उनके पिता का नाम बैल और सूर्य के नाम पर है और वो वहां के राजा हैं। तब कान्हाजी बोले, अच्छा तुम वृषभभानु जी की बेटी राधा हो।

राधाजी और कान्हा के बीच का पहला संवाद

तब राधा रानी आश्चर्य से पूछती हैं, तुम कौन हो जी और मेरा नाम कैसे जानते हो? कान्हा हल्के-हल्के मुस्कुराते हुए कहते हैं, तुम्हारा नाम भला ऐसा कौन होगा, जो न जानता हो, तुम्हारे रूप की ख्याति तो पूरे व्रज में फैली है। मेरा नाम कृष्ण है और मैं नंदजी का पुत्र हूं। ये सुनते ही राधा जी मन ही मन रोमांचित हो जाती हैं। तो वो कहती हैं, हां मैंने भी सुना है कि श्यामसुंदर बड़ा चोर है। तब हंसकर कान्हाजी पूछते हैं, मैंने तुम्हारा क्या चुराया जी, मुझे चोर बताती हो। राधाजी सहम जाती हैं और सिर्फ इतना कहती हैं कि अब मैं जाती हूं। तुरंत कान्हा राधा जी को रोक लेते हैं और कहते हैं, मैं मजाक कर रहा था। लोग मुझे माखन चोर कहते हैं, लेकिन मैं किसी का कुछ चुराता नहीं हूं। अब नाम पड़ गया है तो तुमने भी कहीं से सुना ही होगा।

राधाजी से फिर मिलने की जिद करने लगे कान्हा

इसके बाद कान्हा राधाजी को यमुना किनारे खेलने का प्रस्ताव देते हैं। राधाजी लजाते हुए कहती हैं, मुझे जाने दो, मेरी मां नाराज होंगी। फिर कभी आऊंगी। तुरंत कान्हा उनकी चुनरी पकड़ कर कहते हैं, खाओ मेरी कसम कि फिर आओगी। राधाजी कहती हैं, हां हां जरूर आऊंगी, मुझे छोड़ दो। कान्हा कल आने की जिद करते हैं और कहते हैं- गायों को चराने के बहाने आ जाना। राधाजी तब अपनी चुनरी झटक कर कहती हैं, तुम बहुत नटखट हो जी। ऐसे छेड़ोगे तो मैं न आऊंगी। इसके बाद राधा जी तेजी से चली जाती हैं। लेकिन गलती से राधाजी कान्हा का पीतांबर और कान्हा उनकी नीली चुनरी लेकर एक-दूसरे में हुए घर चले जाते हैं।

फिर यूं शुरू हुआ मुलाकातों का सिलसिला

घर पहुंचते ही मैया कान्हा जी से पूछती हैं, ये किसकी चुनरी ले आया? तब कान्हा जी भोली सूरत बनाकर कहते हैं, मैया एक गाय छोरी की चुनरी अपनी सींग में लेकर भाग गई। तो वो छोरी रोने लगी तब मैंने उसे अपना पीतांबर दे दिया। फिर मैं गाय से उसकी चुनरी छुड़ाकर ले आया। कल दे आऊंगा। वहीं राधा जी घर पहुंचीं तो उनकी मां ने डांटते हुए कहा, इतनी देर से कहां थी। और ये किसका पीतांबर है। मां की डांट सुनकर राधाजी रोने लगीं। और मां से कहा, मैं यमुना तट गई थी। गोपियों के साथ नहा रही थी। जब नहा के निकल ही रहे थे। तभी काला सांप आया और उसने पास की गोपी को डंस लिया। हड़बड़ी में मेरी चुनरी यमुनाजी में बह गई। तभी एक कारो सा छोरा आया।

उसने मुझे पीतांबर ओढ़ने के लिया दिया। और उसने गोपी के कान में न जाने क्या मंत्र फूंका वो तुरंत उठ गई। मां को शांत होते देख राधा जी ने पूछा, मां वो छोरा मुझसे बार-बार कहता मेरे घर खेलने आना। तब मां ने कहा वह नंदरायजी का छोरा कृष्ण है। बड़ा नटखट है। यशोदारानी से मेरा भायेला है। उनके घर जाने में कोई बात नहीं है। इसके बाद से कृष्ण और राधा जी की मुलाकात और शाश्वत प्रेम का सिलसिला शुरू हुआ। और दोनों निरंतर मिलने लगे।

संतान सुख, संतान की रक्षा-सुरक्षा और दीर्घायु के लिए खास है पिठोरी अमावस्या

हिंदू कैलेंडर के अनुसार अमावस्या तिथि हर माह कृष्ण पक्ष के अंतिम तिथि को पड़ती है। लेकिन पिठोरी अमावस्या का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है, इसे कुशाग्रहणी पिठोरी अमावस्या भी कहा जाता है।

साथ ही इसे पोलाला अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है, जोकि भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि को होती है। वैसे तो अमावस्या तिथि पर स्नान-दान, पितरों का पिंडदान और तर्पण आदि जैसे कार्य करने का विधान है। लेकिन इन कार्यों के साथ ही पिठोरी अमावस्या मुख्य रूप से संतान की सुख-समृद्धि, सफलता और दीर्घायु की कामना के लिए भी किया जाता है।

अगस्त में पिठोरी अमावस्या का व्रत 22 अगस्त 2025 को रखा जाएगा। द्रिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद महीने के शुक्ल की तिथि 22 अगस्त को सुबह 11:55 पर लगेगी और 23 अगस्त सुबह 11:35 पर समाप्त हो जाएगी। पिठोरी व्रत प्रदोष मुहूर्त 22 अगस्त को शाम 06:53 से रात 09:06 तक रहेगा। मान्यता है कि पिठोरी अमावस्या पर जो माताएं संतान की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए व्रत रखकर पूजा-पाठ करती हैं उन्हें माता भगवती की कृपा प्राप्त होती है।

पिठोरी अमावस्या को क्यों कहते हैं 'कुशाग्रहणी'

भाद्रपद की इस अमावस्या को कुशाग्रहणी इसलिए भी कहते हैं, क्योंकि इस दिन पवित्र कुशा घास का संग्रहण और पूजन किया जाता है।

मत्स्य पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु ने वराह अवतार लेकर हिरण्याक्ष का वध करके पृथ्वी को पुनः स्थापित किया। हिरण्याक्ष के वध उसके बाद विष्णुजी ने जब अपने शरीर पर लगे पानी को झाड़ा, तो उनके शरीर के कुछ बाल पृथ्वी पर गिरे और कुशा के रूप में बदल गए। तब से कुशा को पवित्र माना जाने लगा।

पिठोरी अमावस्या पर 64 योगिनियों की पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यता है कि, भाद्रपद की पिठोरी अमावस्या पर मां पार्वती ने 64 योगिनियों के साथ मिलकर गणेश जी की पूजा की थी। इसलिए हर साल पिठोरी अमावस्या पर महिलाएं आटे से 64 योगिनियों की मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करती हैं। माना जाता है कि, 64 योगिनियां देवी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनकी पूजा से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिठोरी अमावस्या पर 64 योगिनियों की पूजा और व्रत महिलाएं विशेषकर बच्चों के दीर्घ जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता के लिए करती हैं।

पिठोरी अमावस्यापूजन विधि

दक्षिण भारत में पिठोरी अमावस्या को पोलाला अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करती हैं और फिर साफ कपड़े पहनकर पूजा की तैयारी करती है। स्नान के बाद सबसे पहले सूर्य देव को जल चढ़ाएं। फिर पितरों का पूजन करें। पूजाघर में घी का दीप प्रज्वलित कर अपने बच्चों के नाम से व्रत रखने का संकल्प लें। शुभ प्रदोष मुहूर्त में मिट्टी की पिठौरियां (देवी माताओं की आकृति) बनाकर 64 योगिनियों और सप्तमातृका की पूजा करें और व्रत कथा सुनकर आरती करें। पूजा के बाद सभी में प्रसाद बांटे। पिठोरी अमावस्या पर विधिपूर्वक पूजा करने से संतान के जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहती है।

इस दिन करें ये उपाय

पिठोरी अमावस्या के दिन गंगा में स्नान करने का विशेष महत्व है। अगर गंगा किनारे जाना संभव न हो तो घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा गंगा जल मिला लें। स्नान करने के बाद पुरुष सफेद कपड़े पहनकर पितरों का तर्पण और श्राद्ध करें। वहीं अपने पितरों के नाम ब्राह्मणों को भोजन कराएं। इस दिन भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व होता है।

देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी देवी चौधुरानी का टीजर रिलीज

भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी की कहानी पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवी चौधुरानी' का टीजर दुनिया भर में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया गया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुभ्रजीत मित्रा द्वारा निर्देशित इस महाकाव्य फिल्म में स्राबंती चटर्जी देवी चौधुरानी के मुख्य किरदार में हैं, जबकि प्रसेंजीत चटर्जी रहस्यमयी विद्रोही नेता भवानी पाठक की भूमिका निभा रहे हैं।

यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि यह आईबी मंत्रालय द्वारा Waves 2025 में आधिकारिक इंडो-यूके सह-निर्माण का दर्जा पाने वाली पहली भारतीय फिल्म है। टीजर में प्रसेंजीत चटर्जी का यह संवाद, धातुओं में, तुम उल्का हो, दर्शकों के बीच पहले ही काफी लोकप्रिय हो चुका है। यह संवाद देवी के अटूट साहस और दृढ़ता को दर्शाता है, जो अपने समय से कहीं आगे की महिला थी।

प्रसेंजीत चटर्जी ने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह गर्व का क्षण है कि बंगाल की कहानी, जो हमारी मिट्टी, भाषा और इतिहास से जन्मी है, दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमक रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए, देवी असाधारण, अडिग और अविस्मरणीय हैं।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की दंतकथा पर आधारित इस फिल्म में सब्यसाची चक्रवर्ती, अर्जुन चक्रवर्ती, दर्शना बैनिक जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत ग्रैमी-नामांकित पंडित बिक्रमा घोष ने दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि 'देवी चौधुरानी' केवल बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे भारत की कहानी है-यह प्रतिरोध, गरिमा और साहस की अदम्य गाथा है।

कैश वॉरेन से अलग होने के बाद अपने टूटे हुए दिल को संभालने में लगी हैं जेसिका अल्बा

हॉलीवुड एक्ट्रेस जेसिका अल्बा ने इस जनवरी में कैश वॉरेन से अपने 16 साल पुराने रिश्ते को विराम दिया था। दोनों ने तलाक ले लिया था। ऐसे में तलाक के बाद कैश से अलग रह रही जेसिका का कहना है कि वे अपने टूटे हुए दिल का ख्याल रख रही हैं और वो ब्रेकअप के बाद के हालात से अच्छे से उबर रही हैं।

अल्बा ने कहा, कैश से अलग होने के बाद उन्होंने सीखा कि जिंदगी को चलने दो जैसा वह चल रही है। अलग होने के बाद की जिंदगी के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि हर कोई इस बात से सहमत होगा कि आप बहुत सारी योजनाएं बनाने की कोशिश करते हैं, खासकर एक मां के रूप में, आप हमेशा योजना बनाने और चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करते रहते हैं। और मुझे लगता है कि आपको, खासकर समय के साथ, एहसास होता है कि जो आपके लिए है, वही असल में सामने आएगा और वही होगा। कभी-कभी, आपको बस जिंदगी को अपने आप चलते रहने देना होता है और उसका आनंद लेना होता है। चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी। इस प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

फीमेल फर्स्ट यूके की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रेकअप के कंफर्म होने के 6 महीने बाद 46 साल की प्रोड्यूसर को 'मार्वेल' स्टार डैनी रामिरेज़ के साथ मैक्सिको में छुट्टियां मनाते हुए देखा गया था। तब से दोनों को कई बार साथ देखा जा चुका है। जब कैश से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, मैं उसके लिए खुश हूं। पर डैनी के लिए हूं या नहीं, बता नहीं सकता, लेकिन वो अच्छा आदमी लगता है।जब उनसे पूछा गया कि क्या वो किसी को डेट कर रहे हैं, तो उन्होंने ना कह दिया और मजाक में कहा, अगर आपके पास कोई हो तो जरूर बताइएगा।वहीं दूसरी तरफ 29 जुलाई 2025 को जेसिका और डैनी को एक दूसरे को सबके सामने ब्रेविरली हिल्स में किस करते हुए देखा गया था।

अपने बेटे को कान्हा रूप में देख भावुक हो उठीं श्रेया घोषाल यशोदा मां की तरह किया लाड

जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में देशभर में बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस खास मौके पर कई लोग अपने बच्चों को बाल कृष्ण के रूप में सजाते हैं और फोटोशूट कराते हैं। इस कड़ी में मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने भी अपने बेटे देव्यान के साथ फोटोशूट कराया, साथ ही हाल ही में रिलीज हुए उनके नए भजन 'ओ कान्हा रे' से जुड़ी बीटीएस झलक भी साझा की। श्रेया घोषाल ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों और वीडियो में श्रेया घोषाल का बेटा देव्यान नन्हे श्रीकृष्ण के रूप में नजर आ रहा है। सिर पर मोर मुकुट, हाथ में बांसुरी, और चेहरे पर बाल गोपाल जैसी मासूम मुस्कान, देव्यान का यह रूप उनके चाहने वालों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। इस पर श्रेया ने बताया कि देव्यान को वीडियो में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उनके पति ने उन्हें कान्हा के रूप में तैयार किया।

एक वीडियो में श्रेया नए भजन 'ओ कान्हा रे' की शूटिंग कर रही हैं। इस दौरान उनका बेटा कान्हा के रूप में दौड़कर उनके पास चला आता है। इस रूप में उसे देख वह ममता से भर उठती हैं और शूट के बीच यशोदा मां की तरह अपने बेटे को दुलार करने लगती हैं।

इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे लगता था कि मैं अपने बेटे के चेहरे के हर भाव को जानती हूं, लेकिन जब मैंने उसे छोटे कान्हा के रूप में देखा, तो मैं पूरी तरह से उसे देखकर चौंक गई। देव्यान की शूट में आने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उसके पापा ने उसे छोटे कान्हा का कपड़ा पहनाया और जब वह शूटिंग फ्लोर पर आया, तो मेरा दिल एक पल के लिए रुक गया और मेरी आंखों से खुशी के आंसू छलक आए। उन्होंने आगे कहा, उस दिन मुझे ऐसा लगा जैसे श्रीकृष्ण खुद मेरे आसपास मौजूद हैं। मेरा दिल उस पल को हमेशा के लिए सहेज कर रखेगा।श्रेया का यह फोटोशूट और वीडियो न केवल उनके लिए यादगार है, बल्कि फैंस के लिए भी बेहद खास है।

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने सरकारी वाहन इस्तेमाल के दावे को बताया गलत

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने आंध्र प्रदेश के भीमवरम में एक स्टोर लॉन्च इवेंट के दौरान सरकारी वाहन इस्तेमाल करने के दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में आने-जाने के लिए आयोजकों ने ही वाहन की व्यवस्था की थी।निधि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बयान जारी करते हुए बताया, मैं सोशल मीडिया पर चल रही कुछ बातों को साफ करना चाहती हूं। इस इवेंट के दौरान, मुझे जो गाड़ी दी गई थी, वह आंध्र प्रदेश सरकार की थी, लेकिन वो गाड़ी इवेंट के लोकल आयोजकों ने ही मेरी सुविधा के लिए दी थी। मैंने उस गाड़ी को ना तो चुना था और ना ही मंगवाया था।

निधि ने आगे कहा, कुछ ऑनलाइन रिपोर्ट्स और पोस्ट्स में गलत तरीके से कहा जा रहा है कि वह गाड़ी सरकारी अधिकारियों ने मुझे भेजी थी। मैं साफ तौर पर कहना चाहती हूं कि यह दावा पूरी तरह से गलत है। मेरा इस मामले में किसी भी सरकारी अधिकारी से कोई संबंध नहीं है, और गाड़ी का सरकार से कोई लेना-देना नहीं था।अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने कहा, मैं दर्शकों की बहुत इज्जत करती हूं, और मेरे लिए यह जरूरी है कि सच्चाई सामने आए, ताकि कोई गलत जानकारी आगे न फैले। मैं फैन्स और शुभचिंतकों की तरफ से मिले प्यारा और सपोर्ट की आभारी हूं।

निधि के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'हरी हरा वीरा मल्लू' थी, जिसे ए. एम. ज्योतिकृष्णा और कृष जागर्लामुड़ी ने मिलकर बनाया है। फिल्म में बॉबी देओल और पवन कल्याण मुख्य भूमिकाओं में हैं और निधि ने 'पंचमी' नाम का रोल निभाया है। इसके साथ ही इसमें नरगिस फाकरी, नोरा फतेही और सत्यराज प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह पीरियड ड्रामा दो भागो में है। फिल्म का पहला पार्ट का नाम 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1- स्वार्ड वर्सेज स्पिरिट' है, तो वहीं, दूसरे का नाम हरि हर वीरा मल्लू भाग-2 युद्धक्षेत्र होगा। फिल्म का पहला पार्ट 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1- स्वार्ड वर्सेज स्पिरिट' 23 जुलाई को रिलीज हो गई है। फिल्म का संगीत मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर एम. एम. कीरवाणी ने दिया है, और सिनेमैटोग्राफी मनोज परमहंसा और ज्ञानशेखर वी.एस. ने की है।

उन्हें हर सम्मान मिलना चाहिए : मातृत्व के टास्क से अभिभूत हुईं कृष्णा श्रॉफ ने जताया माँऔ के प्रति सम्मान

छोरियां चली गांव' के हालिया एपिसोड में एक बेहद भावुक मोड़ आया जब कृष्णा श्रॉफ को एक ऐसा टास्क दिया गया जिसने उन्हें और दर्शकों दोनों को गहराई से छू लिया। इस टास्क में सभी लड़कियों को छोटे बच्चों की देखभाल करनी थी – यानी एक मां की ज़िम्मेदारियों को निभाना। कृष्णा को एक छोटे बच्चे की जिम्मेदारी दी गई और शुरुआत में उन्होंने इस टास्क को बड़े उत्साह के साथ अपनाया। लेकिन जैसे ही बच्चा लगातार रोने लगा और उन्हें चुप कराना मुश्किल हो गया, कृष्णा खुद को असहाय महसूस करने लगीं और अंततः बच्चे को उसकी मां को लौटा दिया। यह पल कृष्णा के लिए एक गहरी सीख बन गया, बच्चों की देखभाल और पालन-पोषण के लिए मातृत्व की सच्चाई और उसकी जिम्मेदारियों का एहसास।

भावुक होते हुए उन्होंने खुलकर अपनी भावना व्यक्त की: मेरे हिसाब से, माओं को सब कुछ मिलना चाहिए। उन्हें इस दुनिया का हर सम्मान, हर सराहना मिलनी चाहिए, उन्होंने भारी मन से कहा। उनकी यह सच्ची और भावनात्मक प्रतिक्रिया दर्शकों को उनके एक ऐसे पक्ष से रूबरू कराती है जिसे पहले शायद ही कभी देखा गया हो – एक ऐसा पक्ष जो मातृत्व की असली चुनौतियों से विनम्र और अभिभूत है। कृष्णा ने इस भावुक अनुभव में थोड़ा हास्य भी जोड़ते हुए स्वीकार किया कि उन्होंने हमेशा अपने बच्चे की ख्वाहिश की थी, लेकिन यह अनुभव उन्हें दोबारा सोचने पर मजबूर कर गया। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अब उन्हें यकीन नहीं कि वह वाकई इसके लिए तैयार हैं। उनके ईमानदार और दिल से किए गए इस कबूलनामे ने एपिसोड में भावनात्मक गहराई ला दी, और सभी को उस निस्वार्थ प्रेम और शक्ति की याद दिला दी जो माँएँ हर दिन इस दुनिया को संभाले हुए है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हराचारा गौशाला मे दान करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आय के स्त्रोत बढेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग़ को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगें । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेलका दीपक प्रज्वलित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेंना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 अगस्त 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:09 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 09:06 तक
योग : शूल दोपहर 01:12 तक
करण : गर सायं 03:17 तक
चन्द्रराशि : मीन प्रातः 09:06 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , पंचक 09:06 तक, चातुर्मास व्रती को भाद्रपद में दही खाना वर्जित है , हल–चन्द्र षष्ठी चांद छठ चन्द्रोदय रात्रि 10:18 , भद्रा रात्रि 02:08 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं को तय समय में पूरा करें: भजनलाल

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को पानी के क्षेत्र में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा अपने कार्यकाल की शुरूआत से ही विभिन्न महत्वपूर्ण जल एवं सिंचाई परियोजनाओं की पहल की गई है जिससे प्रदेशवासियों को जल की उपलब्धता बढ़ सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस सबंध में गत दो वर्षों में बजट में की गई विभिन्न घोषणाओं को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए काम में तेजी लाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में पानी एक मूलभूत आवश्यकता है। जल की निर्बाध आपूर्ति से आमजन का जीवन सुगम होगा। ऐसे में, हमारी सरकार द्वारा जल स्त्रोतों का विकास कर उनकी संग्रहण क्षमता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंचाई एवं पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नदियों के पानी को व्यर्थ नहीं बहने दिया जाए। पानी का पूरा उपयोग होगा तो किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जलसेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। जिससे राज्य की एक बड़ी आबादी को निर्बाध जल की आपूर्ति होगी। ऐसे में, इस परियोजना को प्राथमिकता से लेते हुए अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर चरणबद्ध एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की क्रियान्विति में अधिकारी अनावश्यक देरी ना करें। धरातल पर काम दिखना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस परियोजना की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राणा प्रताप सागर बांध–ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन लिंक की डीपीआर तैयार करने के लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, बीसलपुर बांध से बाणगंगा और रूपारेल नदी को जोड़े जाने संबंधी डीपीआर तैयार करने के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है। बैठक में परियोजना के तहत मेज बैराज–बूंदी, डूंगरी बांध व राठौड़ बैराज तथा ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध, जवाईपुरा एवं बीसलपुर बांध से मोर सागर–अजमेर के कार्यों सहित विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित के किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा गैर–जिम्मेदार कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में जनता के बीच जाकर सक्रिय होकर काम करें। सरकार द्वारा आवश्यक संसाधनों में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। साथ ही, परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केन्द्र से भी लगातार समन्वय बनाए रखें। शर्मा ने इंदिरा गांधी नहर विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर की बुर्जी पर बने हुए चार प्राकृतिक डिप्रेशन को जलाशयों में परिवर्तित के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही, जलाशयों के लिए भूमि अवाप्ति के कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाए। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की समीक्षा करते हुए कहा कि फव्वारा सिंचाई पद्धति को विशेष रूप से विकसित किया जाए।

राजस्थान के दौसा में रफ्तार का कहर

खाटूश्याम से लौटते श्रद्धालुओं की पिकअप को कंटेनर ने मारी टक्कर, 11 की मौत

दौसा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की जान चली गई। सभी मृतक उत्तर प्रदेश के एटा जिले के रहने वाले थे और खाटूश्यामजी के दर्शन करके घर लौट रहे थे। हादसे में 7 मासूम बच्चे और 4 महिलाएं अपनी जान गंवा बैठे। पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 3:30 बजे सैंथल थाना क्षेत्र के बापी गांव के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप में सवार अधिकांश लोग सड़क पर गिर गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर दिल दहला देने वाला नजारा था। सड़क पर जगह–जगह खून फैला हुआ था, चारों तरफ जूते–चप्पल और श्रद्धालुओं के सामान बिखरे पड़े थे। पिकअप में 22 से ज्यादा लोग सवार थे, जिनमें से 10 ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि एक घायल ने जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में इलाज के दौरान जान गंवा दी।मृतकों में पूर्वी (3), प्रियंका (25), दक्ष (12), शीला (35), सीमा (25), अंशु (26) और सौरभ (35) शामिल हैं। चार अन्य मृतकों की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है।

दौसा के जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। एसएमएस में भर्ती घायलों में लक्ष्य (5), नैतिक (6), रीता (30), नीलेश कुमारी (22), प्रियंका (19), सौरभ (28), मनोज (28) और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

सीएम ने द पर लिखा दौसा में भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है।जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। दौसा में हुए सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत पर राजस्थान के मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, ... जिस जगह यह हादसा हुआ, वहाँ कई दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि वह कुछ राशि दे ताकि इस जगह का पुनर्निर्माण किया जा सके

पुलिस ने कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में बताया गया है कि हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुआ।

हर घर तिरंगा अभियान : जोधपुर ग्रामीण दक्षिण में 38,000 तिरंगों का वितरण

जोधपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के तहत भाजपा जोधपुर ग्रामीण दक्षिण जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान का भव्य आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी के नेतृत्व में जिले की चार विधानसभाओं–लूणी, बिलाड़ा, भोपालगढ़, और औसियां–में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने हिस्सा लिया।

हाल ही में केंद्र सरकार के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से लोगों में देशभक्ति का उत्साह और बढ़ गया है, जिसका असर इन तिरंगा यात्राओं में साफ देखने को मिला। हर उम्र के लोग तिरंगा लेकर उत्साह के साथ शामिल हुए।

इस अभियान को बूथ स्तर तक पहुँचाने के लिए भाजपा जोधपुर ग्रामीण दक्षिण संगठन ने 20 मंडलों में व्यापक तैयारी की। जिलाध्यक्ष भाटी के मार्गदर्शन में मंडल अध्यक्षों की टीम ने घर–घर जाकर कुल 38,000 तिरंगा झंडों का वितरण किया। इसके साथ ही, तिरंगों को सम्मानपूर्वक उतारने और सुरक्षित रखने के लिए भी दिशानिर्देश जारी किए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 14 और 15 अगस्त को जोधपुर में रहेंगे। 14 अगस्त को दोपहर 3 बजे गांधी मैदान से तिरंगा यात्रा और विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस रैली का शुभारंभ होगा, जो जालोरी गेट तक जाएगी। इस आयोजन में जोधपुर ग्रामीण दक्षिण जिले से हजारों कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

आचार्य वर्धमान सागर जी ने दी धर्म देशना, विनय और तप पर किया विशेष उपदेश

टोंक, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी टोंक के श्री आदिनाथ जिनालय, नसिया जी में संघ सहित विराजित हैं। 16 कारण पर्व के अवसर पर उन्होंने अपने उपदेश में भावना, विनय और तप के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य श्री ने बताया कि 16 कारण भावनाओं से तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंधन होता है। उन्होंने कहा कि भावना संसार के जन्म–मरण का कारण और निवारण दोनों हो सकती है, इसलिए आत्मा के शुद्ध परिणामों के अनुसार ही भावना रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देव, शास्त्र और गुरु की विनय दर्शन, ज्ञान, चारित्र और तप के साथ करनी चाहिए। आचार्य श्री ने विनय को मोक्ष का द्वार बताते हुए कहा कि विनय से ही जीवन का निर्माण होता है और एक दिन मोक्ष की प्राप्ति संभव है।

आचार्य श्री ने 6 अंतरंग और 6 बाह्य तपों का भी विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने समझाया कि जिस प्रकार अग्नि में तपकर सोने की अशुद्धियां दूर होती हैं, उसी तरह तप से कर्मों की मलिनता दूर होती है। स्वाध्याय तप पर जोर देते हुए उन्होंने 1974 का एक प्रसंग सुनाया, जिसमें दीक्षा गुरु शिष्यों के स्वाध्याय में बाधा न पड़े, इसलिए दूसरे रास्ते से जाते थे। उन्होंने समाज के सभी लोगों से आग्रह किया कि वे गुरु या अन्य किसी की साधना में विघ्न न डालें।

इससे पहले, 88 वर्षीय क्षपक मुनि श्री चिन्मयसागर जी ने श्रावक और साधु को धर्म के दो हिस्से बताया। उन्होंने श्रावक के छह आवश्यक कर्तव्यों–देव दर्शन, अभिषेक, पूजन और स्वाध्याय–की विवेचना की। उन्होंने यह भी बताया कि चार दानों में आहारदान का विशेष महत्व है और उत्तम श्रावक साधु को आहार देने के बाद ही भोजन करता है। मुनि श्री चिन्मयसागर जी ने छह माह से अधिक समय से अनेक खाद्य सामग्री का त्याग कर एक दिन छोड़कर केवल दूध और जल पर साधना कर रहे हैं, जिसकी समाज ने सराहना की। सीकर से आए श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलन और चरण प्रक्षालन कर आचार्य श्री का स्वागत किया।

फर्जी वोटरों पर श्वेत पत्र लाए चुनाव आयोग, पूरा डाटा होने के बाद भी गड़बड़ियां क्यों : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने चुनाव आयोग से फर्जी वोटरों के मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। दुष्यंत चौटाला ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में हाल ही में शुरू की गई वोटर लिस्ट की सफाई की प्रक्रिया पहले क्यों नहीं की गई? पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव को टारगेट करके वोटर लिस्ट से फर्जी वोट हटाने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन यह काम लोकसभा चुनाव से पहले क्यों नहीं हुआ? उन्होंने कहा कि फर्जी वोटरों की समस्या सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में इसका असर दिखेगा। बुधवार को दुष्यंत चौटाला सिरसा और हिसार जिले के दौरे के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे।

दुष्यंत चौटाला ने आगे कहा कि एक ही वोटर आईडी नंबर पर दो या तीन जगह वोटर कार्ड पाए जाने की घटनाएं गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के पास पूरा डेटाबेस होने के बावजूद ऐसी गड़बड़ियां क्यों हो रही हैं? यह एक बड़ा सवाल है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी मांग करती है कि चुनाव आयोग इस मुद्दे पर जनता के सामने श्वेत पत्र जारी करे और फर्जी वोटरों के मामले की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच करे।

केंद्र सरकार ने माना कैंसर फैला रही है घग्घर नदी : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में हरियाणा में कैंसर का गंभीर मुद्दा उठाया तो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने भी अपने जवाब में माना कि हरियाणा में घग्घर नदी के प्रदूषित जल कैंसर फैला रही है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार ने हरियाणा के कैंसर के जो आंकड़े दिए है वे विश्वसनीय नही लगते क्योंकि घग्घर नदी के साथ लगते कई गांव ऐसे है जहां हर घर में कैंसर रोगी है। साथ ही जो एसटीपी दिखाई गए है क्या वे चालू है या नहीं ये नहीं बताया गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा की ओर से कहा गया है कि हरियाणा में कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या और उपचार सुविधाओं की स्थिति को लेकर लोकसभा में कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से कई अहम सवाल पूछे।

कुमारी सैलजा ने अपने प्रश्न में हरियाणा में कैंसर मरीजों की संख्या, विशेष कैंसर वार्डों की उपलब्धता, घग्गर नदी के प्रदूषित जल से कैंसर फैलने की संभावना, नदी की सफाई की योजना और बीपीएल परिवारों के लिए विशेष सहायता के बारे में जानकारी मांगी।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत

हरियाणा को नशा मुक्त करना सरकार का कृतसंकल्प : सैनी

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जिसमें युवाओं, महिलाओं, बच्चों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, संत–महात्माओं और सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब युवा शक्ति नशे की गिरफ्त से मुक्त होगी, तब भारत को निश्चित तौर पर विकसित राष्ट्र बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

मुख्यमंत्री आज पंचकूला में नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर पांच वर्ष पहले 15 अगस्त, 2020 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य देश को एक स्वस्थ, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करना तथा लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक और एकजुट करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हरियाणा को भी नशा मुक्त करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत पिछले दिनों साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाखों की संख्या में युवाओं ने भाग लिया और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। नशा मुक्त भारत अभियान ने नशे के खिलाफ एक व्यापक जन–आंदोलन खड़ा किया है। इस आंदोलन से युवा, महिलाएं, बच्चे, शिक्षण संस्थाएं और स्वयंसेवी संस्थाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में संत–महात्मा और खाप पंचायतें भी अपना सहयोग व समर्थन दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने दुनिया को अपनी सामरिक शक्ति का परिचय दिया है। खेलों के क्षेत्र में हमारे युवा बड़ी कामयाबी हासिल कर रहे हैं। हमारा देश कई मामलों में आत्मनिर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने का लक्ष्य रखा है। विकास की इस रफ्तार में राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हरियाणा भी विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति को बनाए रखने और इसे बढ़ाने के लिए हमें युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें रचनात्मक कार्य में लगाना होगा। इस अभियान को शुरू करने का मूल उद्देश्य भी यही है। इस अभियान ने पिछले पांच वर्षों में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने व समाज को नशे की बुरी आदतों से मुक्त करने की प्रेरणादायक यात्रा तय की है।

एसआईआर पर तेजस्वी ने साधा निशाना

लोग कहते हैं मोदी का करिश्मा है यहां तो वोटों की डकैती हो रही

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को वोटर लिस्ट पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक बार फिर से केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी को निशाने पर लिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा। लेकिन यहा एसआईआर में जीवित लोगों को मृत घोषित किया जा रहा है। चुनाव आयोग के रेकॉर्ड में जिन्हें मृत घोषित कर दिया गया है वह कोर्ट में आकर पेश हो रहे हैं। बीजेपी के इशारे पर वोटों की चोरी की जा रही है।

उन्होंने कहा- 'लोग कहते हैं मोदी का करिश्मा है, पर यहां तो वोटों की डकैती हो रही। सारी बातों का खुलासा होने पर बीजेपी की बोलती बंद है।'

तेजस्वी ने आरोप लगाया कि उठाए जा रहे सवालों पर इलेक्शन कमीशन ने आजतक प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं किया। पहले बीजेपी का चुनाव का अलग फॉर्मूला था। पहले ईडी, सीबीआई चुनाव में जीत दिलाती थी, अब चुनाव यही काम कर रहा है। 2020 में हमारे साथ भी वोटों की चोरी हुई थी। कई सीटों पर हमलोगों की वोटों की चोरी की गई। कई सीटों पर हमारे प्रत्याशियों को 10, 20 100 वोट से हराया गया।

तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बीजेपी के कई नेताओं के दो-दो ईपिक नंबर हैं। मुजफ्फरपुर में बीजेपी के मेयर निर्मला देवी ने भी यही खेल कर रखा है। इनके एक ही विधानसभा दो-दो ईपिक नंबर हैं। इनके दो देवर हैं उसके भी दो-दो ईपिक नंबर हैं।

उन्होंने कहा कि जहां तक बूथ नंबर 257 का मामला है, दिलीप कुमार और मनोज कुमार दोनों देवरों के दो-दो ईपिक नबर हैं। भाजपा को मदद पहुंचाने के लिए जिंदा लोगों को मृत बताया जा रहा। बीजेपी के लोगों के कई जगह नाम शामिल किए जा रहे हैं। लोगों के अस्तित्व को बचाने के लिए हर लड़ाई लड़ेंगे।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि गुजरात के लोग अब बिहार के वोटर बन रहे। भीखूभाई दलसानिया अब बिहार के वोटर बन गए।

भीखूभाई अब पटना के वोटर बन गए हैं। पहले गुजरात में वोट करते थे अब बिहार में करेंगे। हालांकि गुजरात में नाम कटाव लिया है पर बिहार में वोट देने के लिए परेशान हैं। पता नहीं आगे किन-किन राज्यों में जाकर वोट करेंगे।

तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया कि डेप्युटी सीएम विजय सिन्हा को नोटिस एक ही जिले से क्यों आया। दोनों जिले से आना चाहिए था। अगर मैंने खुलासा नहीं किया होता तो विजय सिन्हा का नाम नहीं कटता। दो जिलों में वोटर कार्ड बनवाकर विजय सिन्हा ने क्राइम किया है, फिर एक जिले से नोटिस क्यों। विजय सिन्हा बीएलओ को ढूंढ रहे पर वो मिल ही नहीं रहा।

तेजस्वी ने अपने ईपिक मामले में सफाई भी दी। मैंने इलेक्शन कमीशन को जवाब दे दिया है। मेरा एक समय में एक ही ईपिक कार्ड था। मेरा एक ईपिक कार्ड कैंसल हो गया था। अब कौन ईपिक नंबर कैसे है, यह इलेक्शन कमीशन जांच करेगा। मैंने अपना पूरा जवाब दे दिया है। तेजस्वी यादव ने आज एक बार फिर चुनाव बहिष्कार की बात दोहराई। अगर सब कुछ फिक्स ही हो जाएगा फिर बहिष्कार पर भी सोचा जा सकता है। मैंने पहले भी कहा था आज भी कह रहा हूं क्या करेंगे। ऐसे चुनाव लड़ने से क्या फायदा। 17 अगस्त से वोटर अधिकार यात्रा पर राहुल गांधी के साथ निकल रहे हैं। सभी जगह जाकर देखेंगे क्या हाल है।

देशभक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होगा सशस्त्र बलों का सैन्य बैंड प्रदर्शन

गयाजी (एजेंसियां)। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा एवं सैन्य बैंड के प्रतिनिधि के साथ बैठक की। यह बैठक गृह विभाग पटना के पत्र के आलोक में आयोजित की गई। प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, गया ने बताया कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गया संग्रहालय में 4:30 से 5:30 बजे तक सशस्त्र बलों द्वारा सैन्य बैंड का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। इस बैंड प्रदर्शन का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देना, देशभक्ति को बढ़ावा देना, ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता का जश्न मनाना तथा नई पीढ़ी को राष्ट्र के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए संग्रहालय परिसर में सैन्य बैंड प्रदर्शन हेतु साउंड, लाइट, कुर्सी आदि की व्यवस्था संग्रहालयाध्यक्ष द्वारा की जाएगी, जिसमें आवश्यकतानुसार जिला नजारत उपसमाहर्ता सहयोग करेंगे। सैन्य बैंड के लिए वाहन एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी जिला नजारत उपसमाहर्ता द्वारा की जाएगी। बैंड उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कर्नल, ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी की होगी।

कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार जिला जनसंपर्क पदाधिकारी द्वारा किया जाएगा और आवश्यकतानुसार फ्लेक्स-बैनर लगाए जाएंगे। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी (सदर), गया आवश्यक कार्रवाई करेंगे। इस कार्यक्रम के समन्वय के लिए राहुल कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, गया को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है।

लखीसराय डीएम की सादगी ने जीता दिल

बस खराब होने पर नन्हे बच्चों के लिए छोड़ी सरकारी गाड़ी

लखीराय (एजेंसियां)। जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने अपनी सादगी और मानवीय संवेदनाओं से बुधवार की सुबह लखीसराय के लोगों का दिल जीत लिया। रोज़ाना की तरह डीएम साहब अपनी नन्ही बेटी को स्कूल छोड़ने निकले थे। वापसी में रास्ते में एक निजी स्कूल की बस अचानक सड़क किनारे खराब हो गई, जिसमें दर्जनों नन्हे छात्र बैठे थे। चालक के बार-बार प्रयास के बावजूद वाहन स्टार्ट नहीं हुआ और बच्चे असहज हो रहे थे।

स्थिति देखते ही डीएम मिथलेश मिश्र ने बिना किसी औपचारिकता के अपनी सरकारी गाड़ी रोकी। मुस्कुराते हुए उन्होंने सभी बच्चों को अपने वाहन से उनके विद्यालय भिजवाने की व्यवस्था कर दी। यह देखकर वहां

मौजूद लोग हैरान रह गए कि जिले का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी इतनी सहजता से मदद के लिए आगे आ गया। सबसे प्रेरणादायक दृश्य तब सामने आया, जब बच्चों को भेजने के बाद डीएम साहब और उनकी पत्नी ने स्वयं पैदल ही अपने आवास की ओर रुख कर लिया।

न सुरक्षा का तामझाम, न रौब। बस सादगी और मानवीय संवेदना का जीवंत उदाहरण। राहगीरों ने इस नजारे को अपने मोबाइल में कैद कर लिया। कुछ ही समय में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोग डीएम की दरियादिली व विनम्रता की सराहना करने लगे।

सीएम नीतीश ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत बचाव कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1, अणे मार्ग स्थित संकल्प में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की नदियों के जलस्तर की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली।

बैठक में विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को राहत एवं बचाव कार्यों और नदियों के जलस्तर के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिक वर्षापात के कारण गंगा नदी के किनारे के 10 जिले भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार - विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं।

बाढ़ से इन 10 जिलों के 54 प्रखंडों की 348 पंचायतों की 25 लाख आबादी प्रभावित है। एनडीआरएफ की 7 टीमें और एसडीआरएफ की 9 टीमें राहत कार्य में जुटी हैं। 60 मोटरबोट और 1233 नाव लगातार संचालन में हैं। अब तक 52,573 पॉलीथीन शीट और 1,800 सूखा राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

राहत कैंपों में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सामुदायिक रसोई केंद्रों में अब तक 13 लाख से अधिक लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया है। पशुओं के लिए चारा और चिकित्सा सुविधा भी दी जा रही है। प्रभावित लोगों को आनुग्रहिक राहत राशि (जीआर) देने के लिए जिलाधिकारियों को सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे और प्रभावित लोगों को संवेदनशीलता के साथ शीघ्र मदद पहुंचाए।

उन्होंने बाढ़ के दौरान हुई फसल क्षति का मुआवजा किसानों तक पहुंचाने और क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्स्थापन के निर्देश भी दिए। बैठक में जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुदकलकट्टी, ऊर्जा विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भागलपुर, भोजपुर और पटना के जिलाधिकारी भी जुड़े।

जहानाबाद में बारिश के बीच 1100 मीटर लंबी तिरंगा यात्रा

युवाओं ने पेश की मिसाल

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद के युवाओं के दिलों में देशभक्ति का जज्बा इस कदर हावी है कि मूसलाधार बारिश भी उनके कदम नहीं रोक सकी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से मंगलवार को 1100 मीटर लंबी भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसने पूरे शहर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

यह यात्रा जिला मुख्यालय स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (एरोड्रम) से शुरू होकर अलगाना मोड़, काको मोड़, मेन रोड,

अरवल मोड़, अस्पताल मोड़, अंबेडकर चौक होते हुए गांधी मैदान तक पहुंची।

रास्ते भर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से माहौल गूंजता रहा। बारिश से भीगने के बावजूद युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। यात्रा का नेतृत्व कर रहे विक्रम कुमार ने कहा कि हमारे लिए तिरंगे का सम्मान सबसे ऊपर है, चाहे मौसम कैसा भी हो। जहानाबाद के युवाओं ने साबित कर दिया कि देशप्रेम किसी भी बाधा से बड़ा है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री राधा मोहन शर्मा ने युवाओं के उत्साह को सलाम करते हुए कहा कि जहानाबाद के युवाओं ने इतिहास रच दिया है। समाजसेवी मृत्युंजय कुमार उर्फ भोला जी ने कहा कि जहानाबाद के लोग हर कठिन कार्य को कर दिखाने की क्षमता रखते हैं। बारिश में भीगी सड़कों पर जब यह तिरंगा यात्रा गुजरी, तो जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई स्थानों पर देशभक्ति गीतों और ढोल-नगाड़ों की धुन ने माहौल को और जोशीला बना दिया।

प्रतिभागियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लिया। यात्रा का समापन गांधी मैदान में हुआ, जहां सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर इस आयोजन को देश के नाम समर्पित किया। इस मौके पर समाजसेवी कुंदन शर्मा, श्याम कुमार, बिट्टू सिंह, एबीवीपी के विभाग संयोजक गोपाल शर्मा, जिला संयोजक सुरजीत कुमार, शुभांकर कुमार, अनूप कुमार, शुभम गुप्ता, नवीन शंकर सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से लोगों में डर का माहौल

मुंगेर के 213 गांव और निगम के 15 वार्ड बाढ़ से प्रभावित

मुंगेर (एजेंसियां)। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी के कारण आई बाढ़ मुंगेर जिले में भयावह हो चुकी है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, जिले के सदर ,जमालपुर बरियारपुर ,धरहरा और हवेली खड़गपुर केतिस पंचायत के 213 गांव पूरी तरह बाढ़ से प्रभावित हैं। जबकि नगर निकाय क्षेत्र के 15 वार्ड बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। जिला में ग्रामीण क्षेत्र के 26 हजार घर के दो लाख बीस हजार आबादी और शहरी क्षेत्र के इक्कीस हजार छह सौ घरों की अठारह हजार आबादी बाढ़ की चपेटमें है। इसके अलावा सात हजार 933 पशु भी बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं।

जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आवगमन के लिए निशुल्क 80 नावों का परिचालन करा रहा है। नाव की सहयाता से लोग परिवार व पशु और जरूरी सामान के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बाहर आ रहे हैं। लोग प्रशासन द्वारा बनाये गए आश्रय स्थल या ऊंचे स्थान की ओर पलायन कर रहे हैं। जिला प्रशासन की और से बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए समूचे जिला में 29 आश्रय स्थानों पर आश्रय स्थल बना कर सामुदयिक किचन का संचालन कराया जा रहा है।

प्रशासनिक आंकड़ा के अनुसार, सबसे अधिक सदर प्रखंड और बरियारपुर प्रखंड के लोग बाढ़ से प्रभावित हुए है। सदर प्रखंड के बारह पंचायत के 110 गांव और 15 वार्ड के एक लाख 48 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए है। बरियारपुर प्रखंड के आठ पंचायत के 39 गांव के 60 हजार ग्रामीण बाढ़ प्रभावित हुए है। इसी तरह जमालपुर के पांच पंचायत के 40 गांव के 22 हजार लोग ,धरहरा प्रखंड के तीन पंचायत के 22 गांव केछह हजार 500 लोग वही खगड़पुर प्रखंड के पंद्रह हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं।

मुंगेर दोहरे हत्याकांड पर बड़ा एक्शन, शूटर बबलू समेत मुख्य 10 आरोपी गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर में चर्चित प्रॉपर्टी डीलर मंजीत मंडल और उनके ड्राइवर चंदन मंडल के दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने मुख शूटर बबलू मंडल को गिरफ्तार किया है। जबकि इस मामले में साफिया सराय थाना क्षेत्र के यूट्यूबर अभिषेक कुमार का नाम मुख्य षड्यंत्रकर्ता के रूप में सामने आया था ,जो जेल में कुख्यात अपराधी पवन मंडल का करीबी सहयोगी था।

हत्या के लिए सत्री उर्फ भानु ने पवन मंडल से मिली सुपारी की रकम से बाइक खरीदी थी। इसी बाइक का इस्तेमाल मंजीत मंडल और उनके ड्राइवर की हत्या को अंजाम देने में किया गया। सत्री का सहयोगी अमरजीत उर्फ डेविड हथियारों की व्यवस्था और अपराधियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में मदद करता था। दोनों आरोपी पवन मंडल के निर्देश पर यूट्यूबर अभिषेक कुमार की देखरेख में काम करते थे। पुलिस के अनुसार, यूट्यूबर अभिषेक कुमार इस अपराध का मुख्य मास्टरमाइंड था। वह पवन मंडल का सबसे भरोसेमंद सहयोगी था और उसके सभी अवैध कार्यों को संभालता था। अभिषेक ही हत्या के लिए शूटर हायर करने, हथियार और वाहन की व्यवस्था करने, अपराधियों को सुरक्षित स्थान पर छिपाने और हत्या के बाद भागने की योजना बनाने का जिम्मा लेता था। अभिषेक ने ही पवन मंडल के सारे पर पूरी घटना की प्लानिंग की थी।

घटना 13 जुलाई को मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बैंक मोड़ के पास दो शूटर हायर कर घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना में करीब 12 लाख रुपए में समझौता हुआ था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com